● वर्ष-3
● अंक-91
रायपुर, शुक्रवार
24 नवंबर 2023
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6›› राजस्थान का झालावाड़ जहां ....

मीराबाई का 525वां जन्मोत्सव समारोह में बोले- मोदी

मथुरा और ब्रज विकास से नहीं रहेंगे दूर

मथरा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रहस्यवादी कवि और भगवान कृष्ण भक्त की 525वीं जयंती मनाने के लिए आयोजित मीराबाई जन्मोत्सव में भाग लेने के लिए उत्तर प्रदेश के मथुरा पहुंचे। उन्होंने कृष्ण जन्मभूमि पर पूजा-अर्चना भी की और ऐसा करने वाले वह पहले प्रधानमंत्री बने। पीएम मोदी 32 साल के अंतराल के बाद भगवान कृष्ण के जन्मस्थान पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि मीराबाई का 525वां जन्मोत्सव केवल एक संत का जन्मोत्सव नहीं है। ये भारत की एक सम्पूर्ण संस्कृति का उत्सव है, ये प्रेम-परंपरा का उत्सव है, ये उत्सव नर और नारायण में, जीव और शिव में, भक्त और भगवान में, अभेद मानने वाले विचार का भी उत्सव है।

मोदी ने कहा कि हमारा भारत हमेशा से नारीशक्ति का पूजन करने वाला देश रहा है। ये बात ब्रजवासियों से बेहतर और कौन समझ सकता है। यहां कन्हैया के नगर में भी 'लाडली सरकार' की ही पहले चलती है। यहां सम्बोधन, संवाद, सम्मान, सब कुछ राधे-राधे कहकर ही होता है। कृष्ण के पहले भी जब राधा लगता है, तब उनका नाम पूरा होता है। इसलिए हमारे देश में महिलाओं ने हमेशा जिम्मेदारियां भी उठाई हैं, और समाज का लगातार मार्गदर्शन भी किया है। उन्होंने कहा कि संत मीराबाई जी ने उस कालखंड में

समाज को वो राह भी दिखाई, जिसकी उस समय सबसे ज्यादा जरूरत थी। भारत के ऐसे मुश्किल समय में मीराबाई जैसी संत ने दिखाया कि नारी का आत्मबल, पूरे संसार को दिशा देने का सामर्थ्य रखता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भगवान कृष्ण लेकर मीरा बाई तक का गुजरात से एक अलग रिश्ता रहा है। यह मथुरा के कान्हा गुजरात जाकर ही द्वारकाधीश बने थे... मीरा की भक्ति बिना वृंदावन के पूरी नहीं होती है। उन्होंने कहा कि ये भारत भूमि की अद्भुत क्षमता है कि जब-जब उसकी चेतना पर प्रहार हुआ, जब-जब उसकी चेतना कमजोर पड़ी, देश के किसी ना किसी कोने में एक जागृत ऊर्जा पुंज ने भारत को दिशा दिखाने के लिए संकल्प ले लिया। और इस पुण्य कार्य के लिए कोई योद्धा बना तो कोई संत। भक्ति काल के हमारे संत, इसका अप्रतिम उदाहरण हैं। उन्होंने वैराग्य और विरक्ति के प्रतिमान गढ़े, और साथ ही हमारे भारत को भी गढ़ा।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि मीरा बाई के परिवार और राजस्थान के लोगों ने अपना सब कुछ बलिदान कर दिया। हमारे धार्मिक स्थलों की सुरक्षा के लिए राजस्थान के लोग दीवार बनकर बीच में खड़े हो गए ताकि भारत की आत्मा की रक्षा हो सके।

यह घटना हमें उस त्याग और वीरता की याद दिलाती है। उन्होंने कहा कि ब्रज क्षेत्र ने मुश्किल से मुश्किल समय में भी देश को संभाले रखा। लेकिन जब देश आज़ाद हुआ, तो जो महत्व इस पवित्र तीर्थ को मिलना चाहिए था, वो हुआ नहीं। जो लोग भारत को उसके अतीत से काटना चाहते थे, जो लोग भारत की संस्कृति से, उसकी आध्यात्मिक पहचान से विरक्त थे, जो आजादी के बाद भी गुलामी की मानसिकता नहीं त्याग पाए, उन्होंने ब्रज भूमि को भी विकास से वंचित रखा।

भाजपा नेता ने कहा कि आज आज़ादी के अमृतकाल में पहली बार देश गुलामी की उस मानसिकता से बाहर आया है। हमने लाल किले से 'पंच प्राणों' का संकल्प लिया है। हम अपनी विरासत पर गर्व की भावना के साथ आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज काशी में विश्वनाथ धाम भव्य रूप में हमारे सामने है।

आज उज्जैन के महाकाल महालोक में दिव्यता के साथ-साथ भव्यता के दर्शन हो रहे हैं। आज केदार घाटी में केदारनाथ जी के दर्शन करके लाखों लोग धन्य हो रहे हैं। अब तो, अयोध्या में भगवान श्रीराम के मंदिर के लोकार्पण की तिथि भी आ गई है। मथुरा और ब्रज भी, विकास की इस दौड़ में अब पीछे नहीं रहेंगे। वो दिन दूर नहीं जब ब्रज क्षेत्र में भी भगवान के दर्शन और भी भव्यता के साथ होंगे।

मोदी ने कहा कि ब्रज क्षेत्र में, देश में हो रहे ये बदलाव, ये विकास केवल व्यवस्था का बदलाव नहीं है। ये हमारे राष्ट्र के बदलते स्वरूप का, उसकी पुनर्जागृत होती चेतना का प्रतीक है।

अब संसदीय वेबसाइट का लॉग-इन पासवर्ड शेयर नहीं कर सकेंगे सांसद

सरकार ने बदला नियम

नई दिल्ली। लोकसभा सचिवालय ने तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा से जुड़े विवाद के बाद संसद की वेबसाइट तक पहुंचने के नियमों में बदलाव किया है। सूत्रों ने इस बात की जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार, निजी कर्मचारी या कोई तीसरा पक्ष डिजिटल संसद वेबसाइट तक नहीं पहुंच सकता है और किसी सांसद की ओर से नोटिस नहीं दे सकता है या प्रश्न प्रस्तुत नहीं कर सकता है।

केवल सांसद ही अपने व्यक्तिगत लॉगिन विवरण का उपयोग करके साइट का उपयोग कर सकेंगे। सांसदों के पंजीकृत मोबाइल फोन पर एक ओटीपी (वन-टाइम पासवर्ड) आएगा और कोड दर्ज करने के बाद ही वे साइट तक पहुंच पाएंगे। लोकसभा सचिवालय ने डिजिटल संसद पोर्टल और ऐप्स से सांसदों के सचिवों और निजी सहायकों का एक्सेस डिसेबल कर दिया है। नियमों में बदलाव तब आया जब बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने सुप्रीम कोर्ट के वकील जय अनंत देहाद्राई के पत्र का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि महुआ मोइत्रा ने संसद में सवाल पूछने के लिए व्यवसायी दर्शन हीरानंदानी से रिश्वत ली। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने गुरुवार को संसदीय कार्यों पर एक सरकारी बुलेटिन का एक अंश साझा करके तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा पर ताजा हमला किया। उन्होंने एक्स पोस्ट में कहा कि यह है लोकसभा का आदेश, जो साफ़ कहता है कि गोपनीयता का मतलब सूचना केवल और केवल सांसद तक सीमित रहे। क्योंकि सांसद जब प्रश्न पूछते हैं तो संसद शुरू होने के एक घंटा पहले उत्तर सांसद को मिलता है, इससे शेयर मार्केट,कम्पनी की स्थिति में उतार चढ़ाव,देश की सुरक्षा में सेंध, दूसरे देशों के साथ अपने सम्बन्धों पर समय से पहले जानकारी मिल जाने पर आर्थिक, सुरक्षा से खिलवाड़। आरोपी भ्रष्टाचारी सांसद को शायद हीरानंदानी जैसे पीए ने यह पढ़कर नहीं बताया? चोरी व सीनाज़ोरी का उदाहरण।

सांसद निशिकांत दुबे का महुआ मोइत्रा पर हमला

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने गुरुवार को संसदीय कार्यों पर एक सरकारी बुलेटिन का एक अंश साझा करके तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा पर ताजा हमला किया। उन्होंने एक्स पोस्ट में कहा कि यह है लोकसभा का आदेश, जो साफ़ कहता है कि गोपनीयता का मतलब सूचना केवल और केवल सांसद तक सीमित रहे। क्योंकि सांसद जब प्रश्न पूछते हैं तो संसद शुरू होने के एक घंटा पहले उत्तर सांसद को मिलता है, इससे शेयर मार्केट,कम्पनी की स्थिति में उतार चढ़ाव,देश की सुरक्षा में सेंध, दूसरे देशों के साथ अपने सम्बन्धों पर समय से पहले जानकारी मिल जाने पर आर्थिक, सुरक्षा से खिलवाड़।

उम्मीद में बीता 12वां दिन...सूरज चढ़ता गया, इंतजार बढ़ता गया, सुरंग पर लगी रहीं निगाहें

उत्तरकाशी। सिलक्यारा सुरंग के भीतर फंसे 41 मजदूरों को बाहर निकालने का उत्साह बृहस्पतिवार को दिनभर उतार चढ़ाव लेता रहा। सूरज चढ़ता गया और अड़चनों की वजह से मजदूरों के बाहर आने का इंतजार बढ़ता रहा। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय में राज्य मंत्री जनरल वीके सिंह और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी देर शाम तक ऑपरेशन सिलक्यारा के सफल होने का इंतजार कर रहे थे।

राजस्थान में खत्म हुआ चुनावी प्रचार का शोर

25 नवंबर को 200 सीटों के लिए डाले जाएंगे वोट

जयपुर। राजस्थान में 200 सदस्यों को चुनने के लिए विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार अभियान, गुरुवार शाम 6 बजे समाप्त हो गया। 25 नवंबर को होने वाले चुनाव में 1875 उम्मीदवार मैदान में हैं। सत्तारूढ़ कांग्रेस और विपक्षी भाजपा दोनों नेताओं का उच्च-स्तरीय अभियान चुनाव आयोग द्वारा जारी आदेश के साथ समाप्त हो गया। इन 1875 में से 183 महिलाएं और 1692 पुरुष हैं। विधानसभा की सीटों में से 34 अनुसूचित जाति के लिए और 25 अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हैं। नामांकन वापस लेने के लिए निर्धारित समय के दौरान, भाजपा के बागियों में एक प्रमुख चेहरे, पूर्व मंत्री राजपाल सिंह ने जयपुर के झोटवाड़ा

निर्वाचन क्षेत्र से अपना नामांकन वापस ले लिया, जहां जयपुर ग्रामीण सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़ भाजपा उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं।

दोनों प्रमुख दलों के कुछ और बागियों ने अपना नामांकन वापस ले लिया। झोटवाड़ा निर्वाचन क्षेत्र के लिए राज्य में सबसे ज्यादा 18 उम्मीदवार मैदान में हैं, जबकि दौसा की लालसोट सीट पर केवल तीन उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। राज्य में 25 नवंबर को मतदान होगा और नतीजे 3 दिसंबर को घोषित किए जाएंगे। एक बयान में, मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने कहा कि राजस्थान विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार गुरुवार शाम 6 बजे समाप्त हो जाएगा और उसके बाद कोई सार्वजनिक बैठक या जुलूस आयोजित नहीं किया जा सकेगा। राज्य भर में कुल 51,756 मतदान केंद्र स्थापित किए गए, जो राज्य के 1,41,890 सेवा मतदाताओं के अलावा, 5,25,38,655 मतदाताओं के लिए मतदान केंद्र हैं। चुनाव आयोग के अनुसार, दूरदराज के गांवों में मतदान केंद्र स्थापित किए गए थे ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि लोग अपने गांव से वोट डाल सकें। यह अभियान राजस्थान राज्य में महत्व रखता है, जहां थार रेगिस्तान और अरावली रेंज से प्रभावित कठोर जलवायु परिस्थितियों के कारण कई क्षेत्र हैं। उदाहरण के लिए, सिरोही जिले में 4,921 फीट की ऊंचाई पर स्थित शेरगांव गांव में मतदान के लिए उतरज गांव जाना पड़ता था, जबकि इस बार एक समर्पित मतदान केंद्र स्थापित किया गया है।

प्रमुख समाचार

पंजाब में पुलिस से भिड़े निहंग? 10 पुलिसकर्मी जख्मी, दो के हाथ कटे, होमगार्ड की मौत

कपूरथला (पंजाब)। पंजाब के कपूरथला जिले के सुल्तानपुर लोधी स्थित गुरुद्वारा श्री अकाल बुंगा में गुरुवार की सुबह करीब पांच बजे निहंगों और पुलिस के बीच फायरिंग शुरू हो गई। निहंगों ने पुलिस को गुरुद्वारा साहिब में दाखिल होने से रोकने की खातिर पथराव किया। इसके बाद किरपानों और धारदार हथियारों से हमला तेज कर दिया। वहीं गोली लगने से होमगार्ड जवान की मौत हो गई। इसके अलावा डीएसपी समेत 10 पुलिसकर्मी घायल हैं। सभी को तुरंत सुल्तानपुर लोधी के सिविल अस्पताल ले जाया गया। जहां से तीन पुलिस कर्मियों को कपूरथला के सिविल अस्पताल रेफर कर दिया गया। हमले में दो पुलिस कर्मियों के हाथ भी कट गए हैं। वहीं तीन निहंग भी घायल हैं। थाना सुल्तानपुर लोधी में हत्या समेत विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्जकर पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने तीन लाइसेंसी हथियार भी बरामद किए हैं। हालात संभालने तुरंत एडीजीपी (कानून-व्यवस्था) गुरिंदर सिंह, डीसी कैप्टन करनैल सिंह, डीआईजी राजपाल सिंह संधू, आईजी जालंधर रेंज से आला अधिकारी गुरुद्वारा साहिब पहुंचे और निहंग सिंहों के प्रमुख बाबा मान सिंह के साथ करीब तीन घंटे बैठक कर मामला सुलझाया।

हलाल उत्पादों के नाम पर बाजारों का हो रहा इस्लामिकरण: गिरिराज

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश में हलाल-प्रमाणित खाद्य उत्पादों पर हाल ही में लगाए गए प्रतिबंध की प्रतिध्वनि करते हुए एक साहसिक कदम में, केंद्रीय मंत्री और भाजपा सांसद गिरिराज सिंह ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से इसका पालन करने का आग्रह किया है। राष्ट्रीय महत्व के विभिन्न मुद्दों पर

अपने मुखर रुख के लिए जाने जाने वाले सिंह का मानना है कि संवैधानिक मूल्यों को बनाए रखने के लिए ऐसी वस्तुओं पर प्रतिबंध आवश्यक है। बिहार के मुख्यमंत्री को लिखे अपने पत्र में, गिरिराज ने आरोप लगाया कि तेल, नमकीन, दवाएँ, मिठाई और सौंदर्य प्रसाधन जैसे हलाल-प्रमाणित खाद्य पदार्थों का व्यवसाय राय भर में अनियंत्रित रूप से फल-फूल रहा है, जो भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण द्वारा निर्धारित मानदंडों का उल्लंघन है। मीडिया से बातचीत में गिरिराज सिंह ने कहा कि मुझे लगता है कि हलाल उत्पादों के नाम पर देश के बाजारों का इस्लामिकरण हो रहा है। जजिया टैक्स वसूला जा रहा है...इस पर जांच शुरू करने के लिए मैं योगी सरकार को धन्यवाद देना चाहता हूं...मैंने बिहार के सीएम से कहा कि आपने विधानसभा में बहुत ज्ञान दे दिया।

केसीआर ने तेलंगाना के लिए कुछ नहीं किया: नड्डा

तेलंगाना। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने गुरुवार को तेलंगाना में एक रैली को संबोधित करते हुए सत्ता में आने पर तेलंगाना में पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण कोटा बढ़ाने का वादा किया। उन्होंने आगे कहा कि पार्टी राज्य में धर्म के आधार पर आरक्षण को हटा देगी और इसे अनुसूचित वर्ग

(एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) समुदायों को आवंटित करेगी। भाजपा ने एक एक्स पोस्ट में नड्डा के हवाले से लिखा कि सत्ता में आने पर हम धर्म के आधार पर आरक्षण खत्म कर देंगे। हम ओबीसी, एससी और एसटी के लिए आरक्षण कोटा बढ़ाकर उनके लिए सामाजिक न्याय सुनिश्चित करेंगे। नड्डा ने कहा कि आपका उत्साह मुझे यह स्पष्ट कर रहा है कि आप सभी ने हमारे उम्मीदवारों को जनादेश देने का फैसला कर लिया है। यह चुनाव सिर्फ हमारे उम्मीदवारों को हैदराबाद भेजने के लिए नहीं है, बल्कि यह तेलंगाना के भाग्य और परिदृश्य को बदलने का एक अवसर है। उन्होंने कहा कि यदि भाजपा जीतती है, तो मैं आपको विश्वास दिलाता हूं, तेलंगाना अच्छे के लिए बदल जाएगा।

पोंजी घोटाले को लेकर ईडी ने प्रकाश राज को भेजा समन

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पोंजी स्कीम से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ के लिए अभिनेता प्रकाश राज को बुलाया है। ईडी का समन तिरुचिरापल्ली स्थित आभूषण समूह के खिलाफ 100 करोड़ रुपये के कथित धोखाधड़ी मामले से संबंधित है। भाजपा के मुखर

आलोचक प्रकाश राज (58) इस कंपनी के ब्रांड एंबेसडर रह चुके हैं। उन्हें अगले हफ्ते चेन्नई में ईडी के सामने पेश होने के लिए कहा गया है। जांच तिरुचिरापल्ली स्थित एक साझेदारी फर्म प्रणव ज्वैलर्स के खिलाफ एक मामले से संबंधित है, जिस पर उसने 20 नवंबर को छापा मारा था और 23.70 लाख रुपये की अस्पष्ट नकदी और कुछ सोने के आभूषण जब्त करने का दावा किया था। रिपोर्ट के मुताबिक, त्रिची में आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) द्वारा एफआईआर दर्ज किए जाने के बाद कथित तौर पर प्रणव ज्वैलर्स द्वारा संचालित पोंजी स्कीम ईडी की जांच के दायरे में आ गई। प्रणव ज्वैलर्स और अन्य लोगों के खिलाफ कथित तौर पर वित्तीय गलत काम में शामिल होने के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी।

राजौरी: मुठभेड़ में दो कैप्टन सहित 5 जवान शहीद, 3 आतंकी भी मारे गये

राजौरी। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच चल रही मुठभेड़ में गुरुवार को एक और जवान शहीद हो गया। इससे कल से अब तक शहीद हुए कुल सैन्य कर्मियों की संख्या पांच हो गई है। बुधवार को सेना के चार जवान शहीद हो गए, जिनमें दो कैप्टन और दो जवान शामिल थे। घटना में तीन अन्य घायल हो गए और उन्हें बाद में उधमपुर में सेना के कमांड अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया।

उन्होंने कहा कि एक मेजर और दो जवानों को चोटें आईं, पुलिस ने कहा कि घेराबंदी और तलाशी अभियान के बाद घायलों को धर्मसाल के बाजीमल इलाके में सेना के कमांड अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया है। राजौरी जिले के क्षेत्र में गोलीबारी रात भर रुकने के बाद आज सुबह फिर से शुरू हो गई। यह सुनिश्चित करने के लिए कि मुठभेड़ में शामिल आतंकवादी भागने में विफल रहें, अतिरिक्त सुरक्षा बलों की तैनाती के साथ अत्यधिक जंगली क्षेत्र की घेराबंदी कर दी गई। इससे पहले दिन में राजौरी जिले के कालाकोटे इलाके में हुई मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए थे। मारे गए आतंकियों में से एक पाकिस्तानी था, जिसकी पहचान क्वारी के रूप में हुई है।

चुनाव के वक्त जनता से किये वादों की हकीकत

के सी त्यागी

विधानसभा चुनावों के दौरान वादों की फेहरिस्त काफी लंबी हो चली है। बारहवीं पास को स्कूटी, केजी से पीजी तक फ्री शिक्षा, न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाने के साथ बोनस की भी अतिरिक्त व्यवस्था की जायेगी, लेकिन केंद्र सरकार के पिछले दस वर्षों के चुनावी वादे कहां तक पूरे हो पाये? नरेंद्र मोदी जैसे प्रभावी नेता और पूर्ण बहुमत की सरकार के बावजूद दस वर्षों का हिसाब-किताब लगाना आवश्यक हो चला है। भले ही आंकड़ों के खेल से देश को भ्रमित करना जारी रहे, पर कोरोना महामारी हो या आर्थिक मंदी का दौर, पूर्वोत्तर राज्यों में बढ़ती हिंसा, पड़ोसी राज्यों के साथ बढ़ता सीमा विवाद या कूटनीतिक रिश्ते हों, बेरोजगारी की समस्या हो या किसानों की आत्महत्या, केंद्र सरकार हर मोर्चे पर असफल दिखी है।

वर्ष 2004-05 में कृषि, वानिकी और मछली पकड़ने का हिस्सा सकल घरेलू उत्पादन (जीडीपी) में 21 प्रतिशत था। अब यह लगभग 16 प्रतिशत रह गया है। लेकिन खेतों में कार्यबल की संख्या में उस हिसाब से गिरावट नहीं आयी है। कृषि देश में लगभग 55 प्रतिशत कार्यबल को रोजगार देती है। इस क्षेत्र में अनुमानित 26 करोड़ लोग कार्यरत हैं, यानी लगभग 55-57 प्रतिशत आबादी कृषि पर निर्भर है, जो मोदी सरकार के दौरान लंबे समय से संकट में है। तमाम सरकारी दावों के बावजूद किसानों को खेती से लाभकारी मूल्य तो दूर, पारिश्रमिक भी नहीं मिल पा रहा है। विगत जी-20 समिट में हुए कृषि व्यापार समझौते के कारण किसानों की परेशानी बढ़ी है। अमेरिका के साथ हुए समझौते में कई कृषि और पोल्ट्री उत्पादों पर आयात शुल्क कम कर दिया गया है।

इससे भारतीय किसानों, खासकर जम्मू-कश्मीर और हिमाचल के सेब किसानों के सामने रोजी-रोटी का संकट आ खड़ा हुआ है। वर्तमान में बैंकों का करीब 16 करोड़ किसानों पर 21 लाख करोड़ रुपये का कर्ज है, यानी औसतन प्रति किसान कर्ज 1।35 लाख रुपये है। कृषि क्षेत्र में कार्यरत लोगों में 2021 में 10,881 ने आत्महत्या की। इनमें 5,318 किसान और 5,563 खेतिहर मजदूर थे। उस वर्ष भारत में जिन 1,64,033 लोगों ने आत्महत्या की, उनमें 25।6 प्रतिशत दिहाड़ी मजदूर थे। इनमें 4,246 महिलाएं भी शामिल थीं। राष्ट्रीय क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट के अनुसार, 2021 में प्रोफेशनल या वेतनभोगी श्रेणी में आत्महत्या करने वालों की संख्या 15,870 थी। उसी वर्ष आत्महत्या करने वालों में 13,714 बेरोजगार तथा 13,089 छात्र भी शामिल हैं। बीते वर्षों में आत्महत्या की दर भी बढ़ती गयी है।

संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार, देश में अभी 23 करोड़ लोग गरीबी में जी रहे हैं, जिनमें कुछ की हालत बेहद खराब है। भारत में 2005-06 से 2015-16 तक गरीबी से 27।5 करोड़ लोग बाहर आये, जबकि 2015-16 से 2019-21 तक 14 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आये। देश में 2004 से 2014 तक कांग्रेस की अगुवाई में यूपीए की सरकार थी, जबकि 2014 से नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार है। भारत दक्षिण एशिया का एकमात्र ऐसा देश है, जहां पुरुष प्रधान के मुकाबले महिला प्रधान घरों में गरीबी ज्यादा है। यहां महिला प्रधान घरों के 19।7 फीसदी लोग गरीबी में रहते हैं, जबकि पुरुष प्रधान घरों के 15।9 प्रतिशत लोग निर्धनता में जीते हैं। भारत में सात में से एक घर महिला प्रधान है।

इस तरह 3।9 करोड़ गरीब लोग वैसे घरों में रहते हैं, जिनकी प्रधान महिला है। संयुक्त राष्ट्र का आंकड़ा गावों और शहरों में विकास की खाई को भी दिखाता है। गांवों में रहने वाले 21।2 प्रतिशत लोग गरीब हैं जबकि शहरों के लिए यह आंकड़ा 5।5 फीसदी है। भारत में 23 करोड़ गरीबों में 90 फीसदी गांवों में हैं। विश्व बैंक की एक रिपोर्ट (सितंबर 2022) में बताया गया है कि 2020 में गरीबी (प्रति व्यक्ति प्रति दिन 2।15 डॉलर से कम पर जीवन यापन करने वालों के रूप में परिभाषित) में सात करोड़ की वृद्धि हुई, जिसमें 5।6 करोड़ (यानी 80 प्रतिशत) लोग भारत के थे। कृषि श्रमिकों को रोजगार के अन्य तरीकों में स्थानांतरित करने में सरकार एकदम विफल साबित हुई है। भारत की जनसंख्या में 67 प्रतिशत हिस्सा 15-64 वर्ष आयु वर्ग में है। इससे नौकरी चाहने वाली आबादी 100 करोड़ के आसपास हो गयी है। सालाना दो करोड़ नौकरियों के वादे और 'अच्छे दिन' के नारे ने 2014 और 2019 में मोदी सरकार को सत्ता में ला दिया था। नोटबंदी और वस्तु एवं सेवा कर के एक-चरणीय कार्यान्वयन के कारण दोहरा व्यवधान हुआ। सरकार ने इन्हें अर्थव्यवस्था में सुधार कहा, पर बड़े पैमाने पर नौकरियां चली गयीं। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी की रिपोर्ट में कहा गया है कि 2018 में लगभग 1.1 करोड़ नौकरियां चली गयीं। इस रिपोर्ट के अनुसार, जून 2023 में बेरोजगारी दर 50 वर्ष के 8।45 प्रतिशत के उच्चतम स्तर पर थी।

सुरक्षाबलों ने नक्सलियों के इरादों पर फेरा पानी, निर्माणाधीन ब्रिज को उड़ाने का था प्लान

कांकेर। रेलवे लाइन के निर्माणाधीन ब्रिज को उड़ाने के लिए नक्सलियों द्वारा लगाए गए आईईडी बम को सुरक्षाबलों ने निष्क्रिय कर बड़ी घटना होने से बचा लिया। दरअसल, उत्तर बस्तर कांकेर जिले में रावघाट प्रोयोजना का कार्य जारी है। परियोजना के लिये रेलवे लाइन बिछाने का कार्य किया जा रहा है। नक्सली इस परियोजना का लंबे समय से विरोध करते आ रहे हैं। नक्सली नहीं चाहते कि इस परियोजना का विस्तार हो। इसलिए आये दिन इन इलाको में कुछ न कुछ नक्सल गतिविधियों को अंजाम देने की फिराक में रहते हैं।

बुधवार को भी अंतागढ़ क्षेत्र के ग्राम कोसरोडा के पास रावघाट रेलवे परियोजना के अंतर्गत निर्माणाधीन रेलवे पुल में तीन किलो प्रेशर कुकर बम नक्सलियों द्वारा लगाया गया था। कार्य की सुरक्षा में एसएसबी और डीआरजी के जवान तैनात थे। एरिया डोमिनेशन के दौरान उनकी नजर आईईडी बम से जुड़े वायर पर पड़ी। इलाके की सर्चिंग करने पर तीन किलो का आईईडी बम जमीन में गढ़ा मिला। नक्सलियों ने रेल लाईन को नुकसान पहुंचाने बम लगा रखा था। जिसे जवानों ने अपने सूझबूझ से निष्क्रिय कर उनके इरादों को ध्वस्त कर दिया।

बता दें कि छत्तीसगढ़ का उत्तर बस्तर कांकेर जिला नक्सल प्रभावित है। यहां के अंदरूनी नक्सली इलाकों में बीएसएफ, एसएसबी के कैंप स्थापित कर जवानों को तैनात किया गया है। इन कैंपों में छत्तीसगढ़ पुलिस के

डीआरजी, बस्तर फाइटर के जवान भी सुरक्षा में तैनात रहते हैं।

छह और नक्सलियों के खिलाफ एनआईए ने दाखिल किया आरोप पत्र

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बुधवार को बीजापुर में वर्ष 2021 में हुए नक्सल हमला मामले में छह और नक्सलियों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया है। इनमें मनोज पोडियामी उर्फ मासा, मुला देवेंदर रेड्डी उर्फ मासा दादा, विज्जा हेमला, केशा सोदी उर्फ मल्ला, मल्लेश उर्फ मल्लेश कुंजाम और सोनू उर्फ डोडी सोनू शामिल हैं। इस हमले में 22 सुरक्षाकर्मी शहीद हुए थे।

एनआईए ने कहा कि मामले में अब तक कुल 46 आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया गया है। इससे पहले एनआईए ने पांच जून 2021 को मामला दर्ज किया था और दिसंबर 2022 में 23 आरोपियों के खिलाफ अपनी मूल चार्जशीट दायर की थी। इसके बाद जुलाई 2023 में 17 और लोगों के खिलाफ एक पूरक चार्जशीट दायर की थी।

उल्लेखनीय हैं कि नक्सलियों ने 2021 में बीजापुर में स्वचालित हथियारों और बैरल ग्रेनेड लांचर (बीजीएल) के साथ हमला किया था। यह हमला उस समय हुआ था जब डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड (डीआरजी), कोबरा बटालियन और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की संयुक्त टीमें तर्रेम के टेकलगुडियाम गांव के पास नक्सलियों के खिलाफ तलाशी अभियान चला रही थीं। हमले के दौरान नक्सलियों ने जवानों के हथियार भी लूट लिए थे। साथ ही कोबरा बटालियन के एक जवान का अपहरण कर लिया था, जिसे बाद में रिहा कर दिया था। केंद्रीय जांच एजेंसी ने कहा कि हमले में शामिल अन्य लोगों को पकडऩे के लिए जांच चल रही है।

गिरफ्तारी के बाद युवा कांग्रेस अध्यक्ष की बिगड़ी तबियत

खैरागढ़। खैरागढ़ राज परिवार के उदयपुर में स्थित पैलेस में संपत्ति को लेकर दिसंबर 2021 विवाद के दौरान बलवे जैसी स्थिति बन गई थी। जिसमें स्व। राजा देवव्रत सिंह के समर्थक और ग्रामीण रानी विभा सिंह के विरोध में उग्र हो गए थे, जिससे राज परिवार का विवाद सड़क पर आ गया था। इस दौरान न केवल उदयपुर पैलेस का गेट टूटा बल्कि पुलिस के जवानों के साथ मारपीट भी हुई थी। तत्कालीन एसडीओपी की चार पहिया वाहन सहित रानी विभा सिंह के अधिवक्ता अनुराग झा के वाहन में भी तोड़फोड़ हुई थी। वहीं पूरे घटना के लगभग 1 साल 10 महीने बीतने के बाद अब पुलिस ने एक्शन लिया है और 6 अलग-अलग धाराओं के तहत जिला युवा कांग्रेस के अध्यक्ष गुलशन तिवारी सहित 7 अन्य को आरोपी बनाया है। जिसमें गुलशन तिवारी और दादू खान की गिरफ्तारी भी हुई है।

वहीं गिरफ्तारी के बाद खैरागढ़ जिला युवा कांग्रेस के अध्यक्ष गुलशन तिवारी को आनन फानन में खैरागढ़ सिविल अस्पताल में इलाज के लिए देर रात भर्ती कराया गया। इंचार्ज डॉक्टर ने बताया की

वे क्रोनिक अल्कोहलिक है और दस बारह साल से अल्कोहल का सेवन कर रहा है। जिसके चलते डॉक्टर ने संदेह जताया है कि गुलशन को पेंक्रियाडाइटीस हो सकता है। विशेषज्ञों की सलाह के लिए उसे मेडिकल कॉलेज राजनांदगांव रेफर किया जाएगा। वहीं पूरे मामले में अब राजनीति भी तेज होती दिखाई दे रही है। जहां भाजयुमो जिलाध्यक्ष आयश सिंह बोनी ने कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस का काम ही सिर्फ गुंडागर्दी करना और उत्पात मचाना है। जन सेवा इनकी डिक्शनरी में कहीं नहीं है। जिसका नतीजा आज लगभग दो साल बाद यह गिरफ्तारी हुई है।

वन महानिदेशक और कोल इंडिया के चेयरमैन ने गेवरा खदान का किया निरीक्षण

- एसईसीएल की खदानों का होगा विस्तारीकरण

कोरबा। दुनिया की सबसे बड़ी एसईसीएल की गेवरा खदान का निरीक्षण करने वन महानिदेशक चंद्रप्रकाश गोयल व कोल इंडिया के चेयरमैन पीएम प्रसाद गुरुवार को कोरबा के गेवरा क्षेत्र पहुंचे। खदानों का निरीक्षण करने से पहले उन्होंने गेवरा जीएम कार्यालय में कुछ देर आराम किया। फिर, खदानों की ओर निकल गए। इससे पहले उन्होंने मीडिया से चर्चा की। चर्चा के दौरान उन्होंने एसईसीएल की परियोजना की वन क्षेत्रों में हो रहे विस्तारीकरण की स्थिती का जायजा लेने की बात कही। वहीं, भू-विस्थापितों के विषय पर उन्होंने ज्यादा कुछ नहीं कहा।

कोरबा जिले में एसईसीएल की खदानों का भविष्य क्या होगा, यहां की खदानों उम्र कितनी होगी और भविष्य में खदानों का विस्तार कितना होगा इन्हीं कुछ विषयों पर विस्तार से जानकारी लेने और खदानों के लिए भू-अधिग्रहण के विषय पर विभागीय अधिकारियों से चर्चा की। वहीं, उन्होंने मीडिया से चर्चा के दौरान बताया कि एसईसीएल कोल इंडिया की एक अनुषांगिक कंपनी है, जिसकी कई खदाने वन क्षेत्र में संचालित हो रही है। वहीं, भविष्य में कई खदानों का विस्तारीकरण किया जाना है, जिसकी जद में वन क्षेत्र में आ रही है।

पर्यावरणीय स्वीकृति, बसाहट व मुआवजा राशि में अंतर विवाद के कारण जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया लटकी हुई है। इसका पटाक्षेप करना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है।

वन महानिदेशक ने भू-विस्थापितों के संबंध में सवाल पूछने पर कहा कि भू-विस्थापितों की समस्या उनके कार्य क्षेत्र की समस्या नहीं है फिर विभागीय अधिकारियों से चर्चा कर वे इस समस्या का समाधान करने का प्रयास करेंगे। वन महानिदेशक का कोरबा दौरान कई मायनों में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उनके दौरे से कई परियोजनाओं के लिए लंबित जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी, जिनमें गेवरा, कुसमुंडा और दीपका परियोजनाएं शामिल हैं। बहराहल उनके द्वारा खदान का निरीक्षण किया जा रहा है, जिसके बाद ही पता चल पाएगा कि उनके दौरे के क्या परिणाम निकलकर सामने आते हैं।

मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर में धूमधाम से मनाया गया देवउठनी एकादशी

मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर। पूरे देश में गुरुवार को देवउठनी एकादशी बड़े ही धूमधाम से मनाया जा रहा है। मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर में भी बड़े धूमधाम से पूजा अर्चना के साथ हर घर में ये पर्व मनाया जा रहा है। आज से भगवान विष्णु समस्त देवताओं के साथ चातुर्मास की निंद्रा से जागते हैं। यही कारण है कि इस एकादशी को देवउठनी एकादशी कहते हैं। इस दिन भगवान विष्णु के साथ मां लक्ष्मी और तुलसी माता की पूजा भी की जाती है।

देवउठनी एकादशी के बाद से ही शुभ कार्य जैसे, गृहप्रवेश, शादी जैसे मंगलकार्य शुरू हो जाते हैं। इस दिन माता तुलसी की पूजा करने से धन की प्राप्ति भी होती है। कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की इस एकादशी को देवउठान एकादशी, देवउठनी एकादशी और देव प्रबोधिनी एकादशी कहा जाता है। इस दिन भगवान शालिग्राम और माता तुलसी की पूजा की जाती है। दूसरे दिन तुलसी और शालिग्राम भगवान का विवाह संपन्न कराया जाता है। इस दिन कई लोग व्रत रखते हैं। कुछ लोग तो निर्जला उपवास भी करते हैं।

देवउठनी एकादशी के दिन क्या करें

देवउठनी एकादशी के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान कर लें। साफ कपड़े पहन लें। पूजाघर को गंगाजल छिड़ककर पवित्र कर लें। इसके बाद विष्णु भगवान का ध्यान करते हुए व्रत का संकल्प लें। इस दिन घर की ठीक से सफाई करें और आंगन में या फिर पूजाघर के बाहर भगवान के चरणों की आकृति बना लें। घर में ओखली पर गेरू से भगवान विष्णु का चित्र बनाएं। इस चित्र पर मिठाई, फल, सिंघाड़े, गन्ना और आंवला अर्पित करें। फिर भगवान विष्णु की पूजा करें। इसके बाद भगवान विष्णु की आरती करके पूजा संपन्न करें।दीपावली की तरह इस दिन भी रात को पूजास्थल और घर के बाहर दीपक जलाने चाहिए। घर के सभी सदस्यों को भगवान विष्णु की पूजा करनी चाहिए। उसके बाद रात में भगवान विष्णु का आह्वान करके उन्हें जगाएं। शंख और घंटी बजाते हुए यह कहें-उठो देवा, बैठा देवा, आंगुरिया चटकाओ देवा, नई सूत, नई कपास, देव उठाए कार्तिक मास। ऐसा कहकर देव को उठाकर पूजा संपन्न करें।

दुर्ग के कोतवाली में युवक पर जानलेवा हमला

दुर्ग। शहर में दिनदहाड़े युवक की रॉड से पिटाई का वीडियो वायरल होने के बाद सनसनी मच गई। पुलिस वायरल वीडियो के आधार पर पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया। पांचों हमलावरों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए लोगों में एक नाबालिग भी शामिल है। पुलिस की थ्योरी के मुताबिक जिस युवक पर रॉड से हमला किया गया। उस युवक के साथ मारपीट करने वालों की पुरानी रंजिश थी। बदला लेने के इरादे से ही युवकों ने हमला किया था। रॉड से हुई पिटाई के बाद जख्मी युवक की हालत गंभीर है। शख्स को निजी अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट का मामला दर्ज किया है।

दुर्ग के सिटी कोतवाली थाना इलाके में 5 बेखौफ बदमाशों ने युवक पर जानलेवा हमला कर दिया। लोहे की रॉड से हुए हमले में युवक की हालत गंभीर ही।

डॉक्टर लगातार उसकी सेहत पर नजर बनाए हुए हैं। पुलिस के मुताबिक घायल युवक उतई टेंपो स्टैंड के पास खड़ा था तभी बदमाशों ने उसपर प्राणघातक हमला कर दिया। युवक जबतक संभल पाता तबतक बदमाशों ने उसे पीटकर अधमरा कर दिया। मौके पर मोजूद एक नाबालिग आरोपी ने घटना का पूरा वीडियो बनाया और उसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वायरल वीडियो तेजी से पूरे शहर में फैल गया। पुलिस ने वीडियो देखने के बाद मामला दर्ज किया और सभी बदमाशों को धर दबोचा। जिन पांच बदमाशों ने युवक पर जानलेवा हमला किया उसमें एक नाबालिग बच्चा भी शामिल है। वारदात के वक्त नाबालिग ने ही पिटाई का वीडियो बनाया और फिर उसे वायरल कर दिया।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

बालोद में आयरन ओर से भरे चलते ट्रक में लगी आग

बालोद। जिले के डोंडी थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह सुबह सड़क पर आग का तांडव देखने मिला। बालोद की ओर जा रहा एक ट्रक चलते हुए अचानक आग की लपटों से घिर गया। जिसे देखते ही हडकंप मच गया। सड़क पर जो जहां था वहीं रुक गया। पूरी घटना डौंडी थाना क्षेत्र के पुलिस बेरियर के पास की है। कच्चे खदान क्षेत्र से आयरन ओर लोडेट ट्रक बालोद की तरफ जा रहा था। इसी दौरान अचानक ट्रक का पीछौ का टायर बर्स्ट हो गया। टायर फटते ही ट्रक असंतुलित होकर सड़क किनारे पहुंच गया। ड्राइवर को कुछ समझ में आता उससे पहले ही ट्रक में आग लग गई। देखते ही देखते आग की बड़ी बड़ी लपटों ने पूरे ट्रक को घेर लिया। गनीमत रही कि बिना देर किए ड्राइवर ने ट्रक से छलांग लगा दी। जिससे उसकी जान बच पाई। अंतराज्यीय हाइवे पर खड़े ट्रक में आग लगने से मौके पर जाम की स्थिति बन गई। वहां से गुजर रहे कुछ लोगों ने पुलिस और फायर ब्रिगेड को फोन किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने भानुप्रतापपुर बालोद राजनांदगांव सड़क मार्ग बंद कर दिया है।

किसान धान बेचने के लिए दर-दर की खा रहे ठोकरें

महासमुंद। जिले में प्रशासनिक अधिकारियों की लापरवाही का खामियाजा अन्नदाताओं को उठाना पड़ रहा है। ग्राम अछोली के 483 किसान अपने खून-पसीने से उगाई गई धान को समर्थन मूल्य पर उपार्जन केन्द्र में नहीं बेच पा रहे हैं। वहीं सवाल अब ये खड़ा हो रहा है कि आखिर अधिकारियों की लापरवाही का खामियाजा किसानों को क्यों उठाना पड़ रहा है और इन जिम्मेदारों पर कार्रवाई कब होगी, जिनकी वजह से किसान दर-दर की ठोकरें खाने पर मजबूर हैं। दरअसल, ग्राम अछोली मे 5.39 हेक्टेयर में 483 किसानों ने धान का उत्पादन किया है। सभी किसानों का 26 हजार 900 क्विंटल धान समर्थन मूल्य पर शासन को खरीदना है। ग्राम अछोली के किसान वर्षों से अपने धान को उपार्जन केन्द्र भोरिंग में बेचते आ रहे हैं। वहीं गांव वालों ने बेलटुकरी में नया धान उपार्जन केन्द्र खोलने की मांग की थी। शासन ने इस साल ग्राम बेलटुकरी और अछोली के किसानों के लिए बेलटुकरी में नया धान उपार्जन केन्द्र खोल भी दिया।

तीन दिन में चालान नहीं भरा तो रद्द हो जाएगा लाइसेंस

जगदलपुर। जगदलपुर शहर के तमाम चौक-चौराहों पर लगे तीसरी आंख को एक्टिव कर दिया गया है। जिसके चलते अब यातायात पुलिस को नजरअंदाज करने वाले, रफूचक्कर होने वाले, बाइक पर तीन लोग सवार होने वाले और फोन पर बात करते हुए वाहन चलाने वाले पर गाज गिरना शुरू हो गई है। अब यातायात नियमों को तोड़ने वालों के घर ई-चालान भेजा जा रहा है। इन बाइक सवारों के द्वारा चालान नहीं भरने पर उनके लाइसेंस निरस्त करने की कार्रवाई भी की जाएगी। यातायात प्रभारी अभिजीत सिंह भदौरिया ने बताया कि बिना हेलमेट, तीन सवारी, फोन पर बात करने वाले दोपहिया वाहन चालकों के साथ ही बाइक सवारों के द्वारा रोजाना भीड़भाड़ वाले इलाकों में अपनी वाहनों को चलते हुए देखा जा रहा है। जिसके चलते कई बार बड़े हादसे होने के साथ ही लोगों को अपनी जान तक गवाना पड़ रही है। ऐसे में अब पुलिस ने तीसरी आंख में ऐसे सवारों के ऊपर कार्रवाई की प्रकिया शुरू कर दी है।

सरगुजा के राजेश ने खड़ी की करोड़ों की कंपनी

सरगुजा। सूरजपुर के छोटे से गांव सिलफिली का रहने वाला राजेश आज अपनी मेहनत की बदौलत आईटी कंपनी का हेड है। राजेश ने पहले अपनी मेहनत से इस कंपनी को न सिर्फ खड़ा किया। बल्कि 20 से ज्यादा लोगों को रोजगार भी दिया। राजेश की बनाई कंपनी और उनके बनाए एप की तारीफ खुद छत्तीसगढ़ सरकार भी कर रही है। राजेश ने पढ़ाई पूरी होने के बाद गुड़गांव में अपना ऑफिस सेटअप जमाया और पार्टनरशिप में काम शुरू किया। कोरोना के वक्त गुड़गांव का दफ्तर बंद हो गया। जिसके बाद राजेश ने सिलफिली में अपना दफ्तर खोल लिया। अब सारा काम सिलफिली के दफ्तर से राजेश खुद ही ऑपरेट करते हैं। राजेश की बनाई कंपनी भले ही सालाना 1 करोड़ का टर्नओवर देती है, पर राजेश अभी भी अपनी मिट्टी से जुड़े हैं। जैसे ही उनको खाली वक्त मिलता है। वो खेती किसानी में जुट जाते हैं। राजेश कहते हैं कि जो आप पढ़ाई से नहीं सकते उसे अनुभव से आप जीवन में उतार सकते हैं। 12 एकड़ की पुश्तैनी जमीन पर राजेश और उनके भाई दोनों मिलकर खेती करते हैं।

नक्सलगढ़ के काजू का अद्भुत स्वाद

बस्तर। काजू की पैदावार अब तक तटीय और समंदर किनारे के क्षेत्रों में ही होती आई है। लेकिन अब छत्तीसगढ़ के बस्तर में भी काजू की अच्छी खासी खेती होने लगी है। काजू उत्पादन के लिए बस्तर का वातावरण काफी अनुकूल है। जिसे देखते हुए लगभग 20 से 25 साल पहले वन विभाग और उद्यानिकी विभाग ने मिलकर बस्तर में काजू के पौधे लगाए। अच्छे और अनुकूल वातावरण से काजू के पौधे बढ़कर पेड़ बन गए। अब उन पेड़ों से अच्छी मात्रा में काजू मिलने लगा है। अच्छी मात्रा में काजू के उत्पादन से नक्सलगढ़ की महिलाओं को भी आय का नया जरिया मिला है। बस्तर में काजू की अच्छी पैदावार को देखते हुए जगदलपुर के तुरेनार में बनाए गए औद्योगिक पार्क रीपा में काजू प्रसंस्करण यूनिट बनाया गया है। इस यूनिट में महिलाओं को रोजगार दिया गया है। यशोदा महिला स्वसहायता समूह की महिलाएं इस केंद्र में काजू की पैकिंग कर बेचती है। समूह की महिलाएं बताती हैं कि पहले आसपास के इलाकों से काजू के बीज खरीदती है।

गोंगपा प्रत्याशी को ईवीएम सुरक्षा पर भरोसा नहीं, टेंट लगाकर दे रहे पहरा

मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर। एमसीबी जिले के भरतपुर सोनहत और मनेंद्रगढ़ विधानसभा में वोटिंग के बाद ईवीएम को स्ट्रांग रूम में सील कर दिया गया है। सीसीटीवी कैमरे के साथ ही सुरक्षा जवानों की स्ट्रांग रूम में ड्यूटी लगाई गई है। वोटिंग के बाद ईवीएम को प्रेक्षक ललित मोहन रयाल, कलेक्टर नरेन्द्र दुग्गा, रिटर्निंग अधिकारी, प्रत्याशी और उनके प्रतिनिधियों की मौजूदगी में स्ट्रांग रूम में सील किया गया।सीलिंग प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी कराई गई। सुरक्षा जवान भी तीन शिफ्ट में स्ट्रांग रूम की निगरानी कर रहे हैं।लेकिन इस सुरक्षा को लेकर गोंगपा के प्रत्याशियों को भरोसा नहीं है।

प्रत्याशी और कार्यकर्ता दे रहे हैं पहरा

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने स्ट्रांग रूम की सुरक्षा को लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी

को दो दिन पहले ज्ञापन सौंपा था।इसमें कुछ बिंदुओं पर तुरंत कार्य कराने की मांग रखी थी।इसके साथ ही स्ट्रांग रूम के सामने टेंट लगाकर गोंगपा कार्यकर्ता अलग-अलग शिफ्ट में 24 घंटे पहरा देने लग गए हैं। विधानसभा चुनाव में वोटिंग के बाद ईवीएम रामानुज हायर सेकंडरी स्कूल परिसर के स्ट्रांग रूम में सील करके रखा गया है।जिसमें तीन शिफ्ट में सुरक्षा जवान पहरा दे रहे हैं।

2018 में भरतपुर सोनहत विधानसभा के कांग्रेस प्रत्याशी गुलाब कमरो और कार्यकर्ता स्ट्रांग रूम के सामने टेंट लगाकर 24 घंटे पहरा देते थे। करीब दो सप्ताह तक कार्यकर्ता स्ट्रांग रूम के सामने डटे थे। वहीं दूसरी ओर विधानसभा चुनाव 2023 में वोटिंग के बाद अब गोंगपा प्रत्याशी और कार्यकर्ता स्ट्रांग रूम के सामने टेंट लगाकर डटे हैं।गोंगपा कार्यकर्ताओं और प्रत्याशियों को ईवीएम की सुरक्षा पर जरा भी भरोसा नहीं है।

3 दिसंबर को खुलेगा किस्मत का ताला

मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर जिले के दो विधानसभा क्षेत्रों से चुनाव लड़ने वाले 18 उम्मीदवारों का भाग्य इवीएम में लॉक है। जिसे तीन दिसंबर को मतगणना के दिन खोला जाएगा। विधानसभा क्रमांक-01 भरतपुर सोनहत से कांग्रेस से गुलाब कमरो , बीजेपी से रेणुका सिंह, जेसीसीजे से सुखमंती सिंह, समाजवादी पार्टी की फूलमती, गण सुरक्षा पार्टी के लल्ला बैगा, गोंगपा से श्याम सिंह मरकाम, छत्तीसगढ़िया पार्टी से संतोषी, निर्दलीय प्रत्याशी शिमला चेरवा और शुभशरण सिंह चुनाव मैदान में हैं।

कबीरधाम में चार हजार मतदान कर्मियों को नहीं मिली राशि, कर्मचारियों ने की मांग

कबीरधाम। छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव के प्रथम चरण का मतदान सात नवंबर को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ था। कबीरधाम जिले में दो विधानसभा क्षेत्र है, जिसमें पंडरिया व कवर्धा शामिल हैं। दोनों विधानसभा में करीब 800 मतदान केंद्र हैं। इन मतदान केंद्र पर काम करने वाले करीब चार हजार कर्मचारियों को अब तक 15 दिन बाद मानदेय राशि नही मिली है। इन लोगों का लगभग 30 लाख रुपये का भुगतान होना है। इस समस्या को लेकर कर्मचारियों ने जल्द राशि जारी करने की मांग की है। मानदेय भुगतान में हो रहे विलंब को दृष्टिगत रखते हुई छग टीचर्स एसोसिएशन के जिला प्रतिनिधिमंडल ने जिलाध्यक्ष रमेश कुमार चंद्रवंशी के नेतृत्व में निर्वाचन सुपरवाइजर संतोष चन्द्राकर से मुलाकात कर मतदान कार्य में संलग्न अधिकारियों के मानदेय भुगतान पर चर्चा की। चर्चा के दौरान एसोसिएशन को प्राप्त जानकारी के अनुसार, मतदान अधिकारियों का मानदेय 22 नवंबर बुधवार को बैंक में जमा कर दिया गया है। आज गुरुवार या कल शुक्रवार को संबंधित अधिकारियों के खाते में राशि चला जाएगी। प्रत्येक मतदान केंद्रों में चार मतदान अधिकारियों की ड्यूटी लगायी गई थी। इनमें ज्यादातर शिक्षा विभाग के शिक्षक-शिक्षिकाएं हैं। पीठासीन अधिकारी को 1200 रुपये, मतदान अधिकारी-एक, दो व तीन में से प्रत्येक को 900- 900 मानदेय प्राप्त होगा।

संक्षिप्त समाचार

एमपी और छत्तीसगढ़ में भाजपा चुनाव हार चुकी, अब राजस्थान में बरगला रही : भूपेश

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल ने भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा है। सीएम भूपेश बघेल ने भाजपा की इशारा करते हुए कहा कि मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ वे (भाजपा) हार चुके हैं। तेलंगाना में उनका कुछ नहीं है। राजस्थान के लोगों को बरगलाने की कोशिश कर रहे हैं। राजस्थान के लोग बहकावे में नहीं आएंगे। महंगाई की जो मार पड़ रही है उसके लिए केंद्र सरकार जिम्मेदार है। इससे पहले पूर्व सीएम डॉ. रमन सिंह ने अधिक सीट लाने के दावे पर मुख्यमंत्री भूपेश ने तंज कसा। उन्होंने कहा कि जब उनकी लोकप्रियता चरम पर थी, तब उन्होंने 52 से 55 सीट के ऊपर नहीं पहुंचे, तो फिर अब कहां से ला पाएंगे। सीएम ने कहा कि रमन सिंह अपने कार्यकर्ताओं का ढांढस बंधाए रखने के लिए कह रहे हैं। ऐसा तीन दिसंबर तक कहते रहेंगे। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ वे (भाजपा) हार चुके हैं। तेलंगाना में उनका कुछ नहीं है। राजस्थान के लोगों को बरगलाने की कोशिश कर रहे हैं।

एग्जिट पोल को शेयर करना पड़ सकता है महंगा, चुनाव आयोग रख रही पैनी नजर

रायपुर। विधानसभा चुनाव 2023 अंतर्गत छत्तीसगढ़ में आदर्श आचरण संहिता लागू है। इस दौरान 30 नवम्बर 2023 अपरान्ह 6 ।30 बजे तक किसी भी प्रकार के एग्जिट पोल का आयोजन करने और मीडिया में इसके परिणाम के प्रकाशन, प्रचार-प्रसार करने पर प्रतिबंध लगाया गया है, जिसमें लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 123 (3ए),125,126 लागू होगा। एमसीएमसी टीम को उस व्यक्ति का सघन तलाश है, जो एक्जिट पोल का आयोजन कर रहे हैं या एक दूसरे को सीधा वाट्सअप से या वाटसअप ग्रुप में प्रचार प्रसार कर रहे हैं। व्यक्ति सामान्य नागरिक हो चाहे वह पढ़ा लिखा हो या अनपढ़ अथवा सरकारी सेवक, कोई भी हो, निर्वाचन आदर्श आचरण संहिता के उल्लंघन का आरोपी होगा।

छत्तीसगढ़ के कर्मचारियों को केंद्र के समान मिलेगा महंगाई भता

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सरकारी कर्मचारियों की महंगाई भत्ते बढ़ा दी गई है। चुनाव आयोग ने महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है। अब इसके लिए राज्य सरकार के आदेश जारी करने के बाद प्रदेश के सभी सरकारी कर्मचारियों को 4 प्रतिशत बढ़ोतरी के साथ डीए मिलेगा। फिलहल छत्तीसगढ़ में 42 प्रतिशत डीए मिल रहा है जबकि, केंद्र सरकार में 46 प्रतिशत मिलता है। इस निर्णय के बाद अब प्रदेश में भी केंद्र की तरह डीए मिलेगा। महंगाई भत्ते में वृद्धि से अब प्रशासन की सेवा में समर्पित सभी कर्मचारियों को बड़ी राहत मिलेगी। इसे लेकर छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने ट्वीटर पर अपने पुराने पोस्ट को शेयर करते हुए और मुख्य निर्वाचन अधिकारी का धन्यवाद करते हुए लिखा कि @CEOChhattisgarh आपका बहुत आभार और धन्यवाद कि आपने हमारे छत्तीसगढ़ के अधिकारियों व कर्मचारियों के हित को ध्यान में रखकर यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया है।

रायपुर के बेबीलान होटल में आग लगने से मचा हड़कंप

रायपुर। राजधानी रायपुर के बेबीलान होटल में आग लगने से इलाके में भगदड़ मच गया। बुधवार देर शाम इस होटल में भीषण आग लगी। देखते ही देखते आग बढ़ते गया और इसके चपेट में कई सामने खाक हो गया। आग के विकराल रूप लेने के बाद किचन और कमरा जलकर भी खाक हो गया। सुचना पर दमकल के दो गाड़ियां मौके पर पहुंची और मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि आग लगने का कारण नहीं पता चल सका है। रायपुर के गंज थाना क्षेत्र के जेल रोड स्थित होटल बेबीलान में अचानक आग लग जानें से अफरातफरी मच गई। चौथी मंजिल में आग लगने के बाद कमरों में रुके लोगों को उनके कमरों से बाहर निकाला गया। आग की वजह से कमरों में धुआं भर गया था। वहां मौजूद लोगों में भगदड़ मच गया। अचानक से आग भड़कने से किचन और कमरें जलकर खाक हो गया। इसके बाद दमकल के दो गाड़ियां पहुंची। घंटों भर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग लगने से किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। होटल में अलग-अलग कमरों में कई सारे लोग रुके हुए थे। आग लगने की खबर मिलने पर सभी रूम से बाहर निकलने लगे। इससे होटल में भगदड़ का माहौल था। इस दौरान होटल की लाइट बंद कर दी गई थी।

जैन क्रिकेट चैंपियनशिप 27 नवंबर से रोजाना 5 मैच होंगे

रायपुर। सामाजिक परिवेश में जैन क्रिकेट चैंपियनशिप (जेसीसी)का आयोजन स्थानीय नेताजी सुभाष स्टेडियम में 27 नवंबर से 3 दिसंबर तक किया गया है। छत्तीसगढ़ के प्रमुख शहरों से कुल 10 टीमें इसमें हिस्सा लेंगी। जैन समाज के लोग ही टूर्नामेंट में खेलेंगे। शाम 5 बजे से रात्रि 12 बजे तक मैच होंगे और रोजाना 5 मैच खेले जायेंगे। उद्घाटन समारोह में बॉलीवुड अभिनेत्री अमीषा पटेल शामिल होंगी। आयोजन समिति की ओर से जानकारी देते हुए सौरभ बाफना ने बताया कि आयोजन का यह पहला साल है क्रिकेट में रूचि रखने वाले युवाओं को जेसीसी में खेलना एक सुखद अनुभव देगा समाज के साथ खिलाडियों को जोड़कर परिचयात्मक रूप से भी मंच मिलेगा। आने वाले साल में अन्य समाज की टीम के साथ चैंपियनशिप करने का प्रयास होगा। नेताजी सुभाष स्टेडियम में 27 नवंबर से रोज 5 मैच होंगे,10-10 ओवर का मैच होगा।

जय शाह कैसे बन गए बीसीसीआई के सचिव : टीएस सिंहदेव

रायपुर। छत्तीसगढ़ में दूसरे चरण का मतदान हो चुका है। 3 दिसंबर को मतगणना होनी है। प्रदेश में सियासी हलचल भी थम चुकी है। इस बीच छत्तीसगढ़ के डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने अमित शाह पर जमकर प्रहार किया। साथ ही एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने रमन सिंह के राजनांदगांव सीट से हारने का दावा किया है।

रमन सिंह राजनांदगांव से हार रहे हैं

टीएस सिंहदेव ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि, छत्तीसगढ़ में कांग्रेस को 55 से 60 के बीच सीटें मिल सकती है। 60 से ऊपर भी सीटों की संख्या जा सकती है। बीजेपी भी अपने तरफ से 55 सीटों पर जीत का दावा कर रही हैं। राजनांदगांव से हमारे एक वरिष्ठ साथी ने कहा है कि राजनांदगांव से रमन सिंह हार रहे हैं। ये मेरे लिए भी आश्चर्य का विषय है। ऐसी-ऐसी रिपोर्टें आ रही हैं, रिजल्ट को लेकर। अब 3 दिसंबर का इंतजार हमें करना चाहिए।

अमित शाह का बेटा बीसीसीआई सचिव कैसे बना

अमित शाह ने राजस्थान में एक रैली में कहा था कि अशोक गहलोत अपने बेटे को सीएम बनाना चाहते हैं। सोनिया जी अपने बेटे को पीएम बनाना चाहती हैं। इस सवाल के जवाब में सिंहदेव ने कहा कि, प्रश्न यहां किसी के बेटे के पीएम, सीएम बनने का नहीं है। बल्कि क्षमता का है। पहले अमित शाह ये तो बताए कि बीसीसीआई सचिव कौन बना, कैसे बना? उनमें ऐसी कौन सी क्षमता थी। मैंने क्रिकेट से जुड़ा उनका नाम ही कभी नहीं सुना था। अमित शाह जी के बेटे कैसे बीसीसीआई सचिव बने? इसका जवाब वो दें तब किसी से सवाल पूछे।वहीं, वर्ल्ड कप फाइनल को लेकर सिंहदेव ने कहा कि, बेहतर खेलने के बाद इंडिया हारी है, ये खेल है। इसमें कुछ भी कहना सही नहीं है। खेल में हार जीत तो लगा ही रहता है। झीरम को लेकर सिंहदेव ने कहा, बीजेपी को अगर जानकारी थी कि इलाके में नक्सली गतिविधियां है, तो कांग्रेस के काफिले को जाने कैसे दिया। काफिला के आने के समय ये हमला हुआ। अगर बीजेपी को इसकी जानकारी थी तो ये सब षड्यंत्र जैसा प्रतीत हो रहा है।बता दें कि छत्तीसगढ़ में 3 दिसंबर को मतगणना होनी है। इस बीच लगातार नेता एक दूसरे पर बयानबाजी कर रहे हैं। इस बीच टीएस सिंहदेव ने रमन सिंह के छत्तीसगढ़ में हारने का दावा किया है। वहीं, अब तक बीजेपी की ओर से इस पर कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

सोनिया राहुल को पीएम बनना चाहते हैं, शाह बताएं उनके बेटे में कौसी योग्यता हैं: बघेल

रायपुर। राजस्थान में चुनाव प्रचार के अंतिम दिन राजस्थान रवाना होने से पहले पत्रकारों से चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि सोनिया गांधी को अपने बेटे राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनना चाहते हैं तो केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह बताएं कि उनके बेटे में कौन सी योग्यता हैं और वह उनके लिए क्या सोच रहे हैं। बघेल ने रमन सिंह के सीटों के दावे पर कहा कि रमन सिंह की लोकप्रियता जब चरम पर थी तब 52 से 55 सीट से ऊपर नहीं गए, अब कहां से जायेंगे। यह 3 दिसंबर तक अपने कार्यकर्ताओं को ढांढस बंधाने के लिए कह रहे है। पता चल जायेगा की 15 सीटों से ऊपर बढ़ रहे है की नहीं। रमन सिंह जी पता नहीं किस प्रकार के बयान लिखते और जारी करते हैं। क्योंकि सभी घटनाओं के लिए वही जिम्मेदार है। छत्तीसगढ़ की पुलिस जांच करेगी अब वह बोले या नहीं बोले जांच होगी। अमित शाह के सोनिया गांधी अपने बेटे को पीएम बनाना चाहती है वाले बयान पर पलटवार में सीएम ने कहा कि वह अपने बेटे के लिए सोच रहे हैं। उनके बेटे में कौन सी योग्यता है..? दूसरों के बेटे के बारे में क्यों बोलते हैं। अपने बेटे के बारे में बताओ कि उसमें क्या योग्यता है। बीजेपी के सरकार गठन के बाद झीरम की जांच पर सीएम बघेल ने कहा कि उस समय किसने रोका था उन्हें। धरमलाल कौशिक को कोर्ट किसने भेजा था। अडंगा डालने का काम किसने किया था..?

बिना मान्यता के राजधानी में चल रहा स्कूल, फीस के नाम पर पालकों से वसूल रहे अच्छी-खासी रकम

रायपुर। यह अंदाजा मुश्किल है कि शिक्षा विभाग के अधिकारी कुंभकर्णी नींद में है, या फिर उन्हें चढ़ावा चढ़ाया जा रहा है। यह बात इसलिए उठ रही है क्योंकि राजधानी रायपुर में एक नहीं बल्कि दो-दो स्कूल बगैर मान्यता के संचालित हो रहे हैं। बीते सालभर से बगैर मान्यता के संचालित चैतन्य टेक्नो स्कूल में करीबन हजार छात्र अध्ययनरत हैं, जिनके भविष्य पर सवालिया निशान है।

मिली जानकारी के मुताबिक़, राजधानी सहित पांच अलग-अलग ज़िलों में ये स्कूल संचालित हैं। यही नहीं राजधानी में नए सत्र से चैतन्य टेक्नो स्कूल खोलने की तैयारी है। जबकि जिला शिक्षा अधिकारी का कहना है कि इस नाम से किसी भी स्कूल को मान्यता नहीं दी गई है।

बात करें चैतन्य टेक्नो स्कूल का फ़ीस की तो कक्षा चौथी में प्रवेश लेने वाले छात्र से ट्यूशन फ़ीस के नाम से 55 हज़ार रुपए लिया जाता है, वहीं एक सेमेस्टर (6 माह) के लिए पुस्तक मटेरियल 6555 रुपए में दिया जाता है। यूनिफार्म का रेट साइज़ के अनुसार लिया जाता है। वहीं कक्षा 6 की बात करें तो 60 हजार रुपए ट्यूशन फ़ीस और एक सेमेस्टर की पुस्तक के लिए 6545 रुपए चार्ज किया जाता है।

कक्षा नौवीं में 75 हज़ार ट्यूशन फ़ीस लिया जा रहा है। वहीं बुक

मटेरियल के नाम पर 7910 रुपया एक सेमेस्टर के लिए लिया जा रहा है। इस तरह एक साल में पुस्तक का ही लगभग 16,000 रुपए लिया जा रहा है। इसके साथ ही ऑनलाइन क्लासेस के लिए रजिस्ट्रेशन फ़ीस छह हज़ार रुपया है।

श्री चैतन्य टेक्नो स्कूल किराये के भवन में संचालित हो रहा है। एक-एक करके ब्रांच बढ़ाया जा रहा है। नए शिक्षा सत्र से दसवीं कक्षा में प्रवेश के लिए नोटिफिकेशन जारी किया गया है। चौंकाने वाली बात ये है कि सालभर से स्कूल संचालित और शिक्षा विभाग मौन है। इससे सवाल उठाया जा रहा है कि क्या शिक्षा विभाग को चढ़ावा चढ़ाया जा रहा है, जिसकी वजह से 1 हज़ार बच्चों के भविष्य सिर्फ़ राजधानी में ही दांव पर लगाया गया है। वहीं स्कूल शुल्क का अनुमोदन वहां की व्यवस्था के आधार पर किया जाता है, और बिना मान्यता वाले स्कूल की फ़ीस कैसे अनुमोदित हो सकती है। समिति द्वारा फ़ीस निर्धारण किया जाता है। कलेक्टर की समिति जाँच करके फ़ीस को अनुमोदित किया जाता है, जो नहीं हुआ है। बता दें कि इससे पहले प्रदेश भर में संचालित होने वाले दो स्कूल अपनी बोरिया बिस्तर लेकर अचानक शिक्षा सत्र के बीच में नौ-दो-ग्यारह हो चुके हैं, जिससे हज़ारों बच्चों का भविष्य खतरे में पड़ गया। मामला को सुलझाने के लिए अधिकारियों ने आनन-फ़ानन में बच्चों की व्यवस्था की। शिक्षा के अधिकार अधिनियम के तहत पढ़ाई कर रहे 25ब छात्रों को स्थानांतरित किया गया, वहीं 75ब बच्चे अब भी भटकने को मजबूर हैं। जिला शिक्षा अधिकारी हिमांशु भारती ने कहा कि चैतन्य टेक्नो स्कूल का परीक्षण किया गया है, लेकिन अभी तक कि उनकी उनको मान्यता नहीं दी गई है। नोटिस जारी करके पूछा जाएगा बग़ैर मान्यता कैसे स्कूल संचालित किया जा रहा है। मार्कशीट कैसे जारी करेंगे, ये तो स्कूल वाले ही जाने और पालक जो भर्ती कराए हैं। मैं पालकों से अपील करता हूँ कि बच्चों को मान्यता प्राप्त स्कूल में ही पढ़ाए।

स्कूल की प्राचार्य पूजा से स्कूल की मान्यता से लेकर फीस संरचना पर चर्चा के लिए हमने संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन हमने जानकारी लेने की कोशिश की, लेकिन स्कूल के कर्मचारियों ने प्राचार्य के मीटिंग में होने का हवाला देते हुए मुलाकात कराने से इंकार कर दिया। जाहिर है जब बताने के लिए कुछ न हो तो कोई न कोई बहाना बनाना पड़ता है।

भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में छत्तीसगढ़ की संस्कृति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया

नई दिल्ली के प्रगति मैदान के एम्फीथिएटर में छत्तीसगढ़ दिवस समारोह

रायपुर। भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला-2023 में प्रगति मैदान में यह शाम छत्तीसगढ़ की समृद्ध कला और संस्कृति से भरी शाम थी। छत्तीसगढ़ दिवस समारोह के अवसर पर राज्य के विभिन्न जिलों से आए कलाकारों ने यहां एम्फीथिएटर में अपनी प्रस्तुतियों से सैकड़ों दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। समारोह में छत्तीसगढ़ रेजिडेंट कमिश्नर श्रुति सिंह मुख्य अतिथि थीं और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

मुख्य अतिथि ने छत्तीसगढ़ मंडप का दौरा किया और शिल्पकारों और कारीगरों से बातचीत की। छत्तीसगढ़ पैवेलियन नई दिल्ली के प्रगति मैदान में भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले (आईआईटीएफ) के 42वें संस्करण में हथकरघा और हस्तशिल्प सहित अपने उत्पादों का प्रदर्शन कर रहा है। इस वर्ष की थीम वसुधैव कुटुंबकम को दर्शाते हुए 300 वर्ग फुट के क्षेत्र में प्रदर्शन के लिए कुल 10 स्टॉल लगाए गए हैं। मंडप राज्य की प्रगति को प्रदर्शित कर रहा है । यहाँ प्रत्येक क्षेत्र की विशेषता के अनुसार उनके औद्योगिक, कृषि, हर्बल और हस्तशिल्प उत्पादों को प्रदर्शित किया गया है। इस वर्ष छत्तीसगढ़ पवेलियन का आयोजन प्रगति मैदान के हॉल नंबर 2, प्रथम तल पर किया गया है।

आज प्रगति मैदान के एम्फीथिएटर में सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई, जिसके बाद सांस्कृतिक दलों ने नृत्य प्रस्तुतियां दीं। दर्शकों ने बस्तर की कुल देवी की आराधना हेतु नृत्य आमचो बस्तर की प्रस्तुति को तालियों की गडग़ड़ाहट के साथ सराहा। ददरिया गीत भी प्रस्तुत किया गया। भोजली नृत्य की भावपूर्ण प्रस्तुति ने पूरे दर्शकों पर जादू कर दिया। समूह द्वारा हरेली त्यौहार के अवसर पर विशेष रूप से किये जाने वाले गौर नृत्य एवं गेड़ी नृत्य का प्रदर्शन किया गया।

महिला कलाकारों के समूह ने विशेष रूप से दिवाली उत्सव के दौरान किया जाने वाला लोक नृत्य %सुआ नाचा% या तोता नृत्य दिखाया। यह पूजा से संबंधित नृत्य का एक प्रतीकात्मक रूप है। नर्तक एक तोते को बांस के बर्तन में रखते हैं और उसके चारों ओर एक घेरा बनाते हैं। फिर कलाकार ताली बजाते हुए उसके चारों ओर घूमते हुए गाते और नृत्य करते हैं। यह छत्तीसगढ़ की आदिवासी महिलाओं के प्रमुख नृत्य रूपों में से एक है।

पुरुष कलाकारों के समूह ने सतनामी समाज के सबसे लोकप्रिय अनुष्ठानों में से एक लोक नृत्य %पंथी% नृत्य दिखाया। समूह के नेता के नेतृत्व में एक गीत की संगत में धीमी गति के साथ नृत्य शुरू हुआ। धीरे-धीरे गति बढ़ती गई और एक मनमोहक वातावरण बन गया। जिसे वहाँ उपस्थित दर्शकों ने खूब सराहा।

भारत-आस्ट्रेलिया टी20 मैच की टिकटें आज से ऑनलाइन

रायपुर। भारत और आस्ट्रेलिया के बीच होने वाले टी20 मैच को लेकर शहीद वीरनारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में तैयारियां अंतिम दौर में पहुंच चुकी है। वहीं मैच की टिकटों की बिक्री 24 नवंबर से क्रिकेट प्रेमियों के लिए ऑनलाइन में उपलब्ध हो रही है।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ क्रिकेट एसोसिएशन को दूसरी बार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच आयोजन की जवाबदारी बीसीसीआई द्वारा सौंपी गई है। इससे पूर्व भारत और न्यूजीलैंड मैच की मेजबानी यहां हो चुकी है जिसकी सफलता को देखते हुए दोबारा यह मौका रायपुर को मिला है। यह जानकारी छत्तीसगढ़

क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष विजय शाह, सचिव जूबीन शाह, मीडिया प्रभारी तरुणेश परिहार द्वारा स्टेडियम में आयोजित पत्रकारवार्ता में संयुक्त रुप से दी गई। उन्होंने बताया कि इस बार टिकटों की बुकिंग आज से ऑनलाइन की जा रही है, पेटीएम के माध्यम से क्रिकेट प्रेमी अपने टिकटों की बुकिंग करा सकते हैं। टिकट बुकिंग होने के बाद टिकट की हॉर्ड कॉपी लेने के लिए इंडोर स्टेडियम जाना होगा जहां टिकट वितरण के लिए 6 काउंटरों की व्यवस्था की गई है।

टिकटों के दर के बारे में जानकारी देते हुए विजय शाह ने बताया कि कार्पोरेट टिकट की दर 25 हजार रुपये, प्लेटिनम 15 हजार, गोल्ड 12500 रुपये, सिल्वर 10 हजार और उसके बाद लोकेशन के हिसाब से टिकटों की दर तय की गई है जो 7 हजार रुपये से शुरु कर 35 हजार रुपये तक तय की गई है। छात्रों के लिए टिकटों की दर एक हजार रुपये निर्धारित की गई है। टिकट की ऑनलाइन बुकिंग 24 नवंबर को सुबह 11 बजे से शुरु होगी।

उन्होंने बताया कि टिकट वितरण में पिछले अनुभव को देखते हुए और क्रिकेट प्रेमियों को हुई तकलीफों को देखते हुए इस बार टिकट को कोरियर से भेजने की व्यवस्था नहीं की जा रही है। जिसके चलते टिकट बुक करने के बाद दर्शक को टिकट लेने के लिए काउंटर पर जाना होगा, यह शहर के मध्य में इंडोर स्टेडियम में रखा गया है ताकि हर कोई सहजता से वहां तक पहुंच सकें। आयोजन को लेकर अलग-अलग कमेटियों का गठन भी किया गया है, मीडिया का प्रभार इस बार तरुणेश परिहार को सौंपा गया है, वहीं भावेश चंद्राणा भारतीय टीम और आलोक श्रीवास्तव आस्ट्रेलिया टीम के साथ मैनेजर के रुप में नियुक्त किए गए हैं।

3 दिसंबर को आठ बजे से शुरू होगी मतगणना, वोटिंग के समय मोबाइल बैन

रायपुर। छत्तीसगढ़ में चुनाव हो चुका है। अब मतगणना को लेकर तैयारी चल रही है। रायपुर कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर भूरे मतगणना की तैयारियों के परिपेक्ष्य में कलेक्टर सभाकक्ष में बैठक ली। उन्होंने कहा कि 3 दिसंबर को सेजबहार इंजीनियरिंग कॉलेज में मतगणना होनी है। सात बजे स्ट्रॉग रूम खोले जाएंगे। आठ बजे से गिनती शुरू होगी। मतगणना स्थल में मोबइल ले जाना माना है। 03 दिसंबर को सुबह सात बजे आब्जर्वर, रिटर्निंग ऑफिसर और अभ्यर्थी या राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में स्ट्रॉग रूम खोले जाएंगे। पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी की जाएगी। रांग रूम से ही ईव्हीएम मशीनों की कंट्रोल यूनिट मतगणना कक्ष तक पहुंचेंगी। उन्होंने कहा कि नाम निर्देशन के समय अभ्यर्थियों को जारी किए गए पहचान पत्र और प्रारूप 8 में निर्वाचन अभिकर्ता को जारी पहचान पत्र मतगणना कक्ष में उनके प्रवेश के लिए मान्य होंगे। बिना पहचान पत्र के प्रवेश नहीं मिलेगा। अभ्यर्थी और निर्वाचन अभिकर्ता के अलावा मतगणना एजेंटों को टेबलवार अलग से मतगणना कक्ष में प्रवेश के लिए निर्वाचन कार्यालय ने पास जारी किए हैं। मतगणना एजेंट इन पासों से ही मतगणना कक्ष में प्रवेश पा सकेंगे। डाकमत पत्रों की गणना पहले पशुरू होगी। लगभग आधे घंटे के बाद रिटर्निंग अधिकारी की घोषणा उपरांत ईवीएम के वोटो की गिनती शुरू होगी7 इस दौरान डाक मतपत्रों की गणना भी जारी रहेगी। विधानसभा में 14 टेबल ईवीएम के लिए और 2 टेबल पोस्टल बैलेट के लिए लगाएं जाएंगे। प्रत्येक टेबल में एक सुपर वाईजर जो राजपत्रित अधिकारी रैंक का होगा। साथ ही गणना सहायक भी होंगे।

नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल का मुख्यमंत्री पद को लेकर बड़ा बयान

विधायक दल के साथ भाजपा संगठन तय करेगा सीएम चेहरा

रायपुर। प्रदेश में मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि बीजेपी में किसी भी कार्यकर्ता को जिम्मेदारी मिलेगी, वह मुख्यमंत्री बनेगा। विधायक दल के साथ संगठन तय करेगा कि कौन मुख्यमंत्री बनेगा।

नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने मीडिया से चर्चा में विधानसभा चुनाव में जीत का दावा करते हुए कहा कि अपने संवैधानिक अधिकार का जनता ने उपयोग किया। प्रदेश की जनता का आशीर्वाद बीजेपी को प्राप्त होगा। स्पष्ट बहुमत के साथ बीजेपी की सरकार बनेगी। सबका सहयोग मिला। खास तौर पर बीजेपी को माता और बहनों का विशेष समर्थन मिला।

शराब के कारण बढ़े अपराध

उन्होंने कहा कि शराब के कारण अपराध बढ़े, जिसका सीधा असर माता और बहनों पर पड़ा। महिलाओं का रुझान बीजेपी की तरफ देखने मिला। 3 दिसंबर को मतगणना में बीजेपी का कमल खिलेगा। वहीं रमन सिंह सीटों को लेकर किए गए दावे पर सीएम बघेल के बयान पर नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने कहा कि हमारा विश्वास बहुमत के लायक सीट होती है। वह बीजेपी को प्राप्त होगी।

झीरम पर सीएम के बयान की ली चुटकी

झीरम कांड पर सीएम बघेल के बयान पर नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने चुटकी लेते हुए कहा कि मुख्यमंत्री पांच साल से कह रहे थे कि सबूत मेरी कुर्ते की जेब में है। अब शायद कुर्ता का जेब सिलवा लिए होंगे, इसलिए नहीं निकाले। झीरम का आरोपी उनके मंत्रिमंडल में था। मोटरसाइकिल की जांच क्यों नहीं करवाते।

श्री शंकराचार्य इंस्टीट्यूट में हुआ एलुमिनी मीट का आयोजन, 400 से ज्यादा छात्र-छात्राएं हुए शामिल

रायपुर। श्री शंकराचार्य इंस्टीट्यूट में शनिवार को एलुमनी मीट का आयोजन किया गया। जिसमें 400 पूर्व छात्र-छात्राओं ने अपने परिवार के साथ भाग लिया। इंस्टीट्यूट के प्रिंसिपल डॉ। आलोक जैन और मीट के कोऑर्डिनेटर प्रो।आशीष पांडेय ने सभी विद्यार्थियों का स्वागत किया गया।

कॉलेज के सभी पुराने विद्यार्थी आज देश और विदेशों में सफल मुकाम पर है। उन्होंने इसके लिए श्रेय कॉलेज को दिया। इसके पहले सभी एलुमनी के बीच बास्केट बॉल, वॉलीबाल और क्रिकेट का मैच हुआ। जिसके बाद हुई बिजनेस मीट में सभी ने अपने स्तर पर कॉलेज के लिए रिसर्च, इनोवेशन, स्टार्टअप और पेटेंट में निवेश और संसाधन उपलब्ध कराने की पेशकश की। जिसके लिए संस्था के चेयरमैन (बीजी) निशांत त्रिपाठी ने आभार जताया।

आयोजन में पूर्व छात्र विनीत अग्रवाल और साथियो ने आयोजन को सफल बनाने में पूरा योगदान दिया। अंत में संस्था के वर्तमान छात्रों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम, डीजे नाइट और डिनर का आयोजन हुआ। पूर्व छात्रों ने अपने समय के मोमेंट्स को आपस में साझा किया और कार्यक्रम का समापन एक-दूसरे को फिर से मिलने के वादे के साथ खत्म हुआ।

तेलंगाना में भावनाओं से ज्यादा मुद्दों की बात

अंकित सिंह

मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ जैसे हिंदी पट्टी राज्यों में चुनाव को लेकर जितनी चर्चा है, उसकी तुलना में तेलंगाना चुनाव पर चर्चा बेहद ही काम हो रही है। 2 जून 2014 को आंध्र प्रदेश से अलग गठित तेलंगाना फिलहाल राज्य में तीसरी विधानसभा चुनाव का सामना कर रहा है। पहले और दूसरे चुनाव में टीआरएस यानी कि तेलंगाना राष्ट्र समिति को जीत मिली थी। फिलहाल यह नाम भारत राष्ट्र समिति हो गया है और इसके मुखिया तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव हैं जिन्होंने तेलंगाना की लड़ाई में एक अहम भूमिका निभाई है। तेलंगाना के वर्तमान विधानसभा चुनाव को देखें तो कहीं ना कहीं मुकाबला त्रिकोणीय नजर आ रहा है जहां बीआरएस, कांग्रेस और बीजेपी की उपस्थिति मजबूत दिखाई दे रही है। फिर भी कई राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि मुख्य मुकाबला बीआरस और कांग्रेस के बीच है। वहीं, भाजपा अपनी पकड़ को यहां मजबूत करने की उम्मीद कर रही है। दिलचस्प बात यह भी है कि आंध्र प्रदेश में राजनीतिक दबदबा रखने वाली तेलुगू देशम पार्टी और वाईएसआर कांग्रेस का तेलंगाना में दखल न के बराबर है। जब तेलंगाना और आंध्र प्रदेश का विभाजन नहीं हुआ था तब राज्य में कांग्रेस और टीडीपी ने कई दफा शासन किया था। बावजूद इसके तेलंगाना में टीडीपी का कुछ दिखाई नहीं दे रहा है। तेलंगाना में सत्तारूढ़ बीआरएस को एंटी-इन्कंबेंसी का सामना करना पड़ रहा है। इसकी वजह से उसे कांग्रेस से जबरदस्त चुनौती मिल रही है। वहीं कर्नाटक में अपने किला को गवाने के बाद भाजपा दक्षिण भारत में तेलंगाना से कुछ उम्मीद कर रही है। 30 नवंबर के मतदान और 3 दिसंबर के नतीजे के बाद ही तेलंगाना की राजनीतिक छवि साफ होगी। लेकिन इतना तो तय है कि मुख्यमंत्री केसीआर के विरुद्ध में लोगों के बीच एक असंतोष की भावना है। भाजपा और कांग्रेस उसे भूनाने की कोशिश में है। पिछले दो चुनाव में केसीआर को लेकर जो सहानुभूति दिखाई दे रही थी फिलहाल वह बदल चुकी है। सहानुभूति की जगह अब अहम मुद्दों की बात हो रही है। तेलंगाना की लड़ाई अब वादों की प्रतियोगिता में सिमटती जा रही है। केसीआर परिवार लगातार कांग्रेस पर तेलंगाना के लोगों की भावनाओं का दोहन करने और नरसंहार का आरोप लगाता रहा है। 1969 में तेलंगाना की अलग मांग को लेकर जो आंदोलन हुआ था उसको रोकने के लिए पुलिस ने फायरिंग की थी जिसमें 369 युवा मौत के मुंह में समा गए थे। इस वक्त प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी थी और इसी बहाने केसीआर परिवार कांग्रेस पर आरोप लगता है। हालांकि पूर्व गृह मंत्री और गांधी परिवार के बेहद करीबी पी चिदंबरम ने तेलंगाना की जनता से माफी मांग कर एक सहानुभूति पैदा करने की कोशिश की। दूसरी ओर राहुल गांधी ने भी तेलंगाना गठन का श्रेय सोनिया गांधी को देखकर राज्य की जनता को अपने पक्ष में करने का प्रयास किया। अगर देखा जाए तो राहुल गांधी लगातार अपने चुनावी ताकत दिखाने की कोशिश कर रहे हैं। दलित नेता मल्लिकार्जुन खड़गे के कांग्रेस का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद पार्टी की स्थिति मजबूत होती दिखाई दे रही है जिसमें राहुल और प्रियंका भी दम लगा रहे हैं। तेलंगाना में राहुल सीधे तौर पर केसीआर को चुनौती दे रहे हैं और बीआरएस को बीजेपी की बी टीम बता रहे हैं। कांग्रेस की ओर से तेलंगाना में कई गारंटी के वादे किए गए हैं। तेलंगाना के करीबी राज्य कर्नाटक में कांग्रेस को मिली जीत से राज्य में पार्टी के लिए कहीं ना कहीं एक अच्छा माहौल भी बना है।

लोकसभा से पहले यूपी में दो चुनाव

स्वदेश कुमार

पांच राज्यों का विधानसभा चुनाव अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंच गया है। अब 03 दिसंबर को नतीजे का इंतजार रहेगा। इसी के साथ हमेशा चुनावी मोड में रहने वाली भारतीय जनता पार्टी लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुट गई है। समाजवादी पार्टी, बसपा और कांग्रेस का भी ध्यान अब आम चुनाव पर लग गया है। लोकसभा चुनाव के लिए अब छह महीने से भी कम का समय बचा है। ऐसे में राजनैतिक दलों की सक्रियता को गलत भी नहीं कहा जा सकता है, लेकिन तैयारी की रेस में फिलहाल बीजेपी काफी आगे निकलती दिख रही है। उसने अभी से 2024 के लोकसभा चुनाव में जीत के लिए समीकरण साधना और पसीना बहाना शुरू कर दिया है। बीजेपी का सबसे अधिक फोकस 80 लोकसभा सीटों वाले उत्तर प्रदेश पर है, जहां पिछले दो लोकसभा चुनाव में मिली अपार सफलता के बल पर केन्द्र में मोदी सरकार बनना संभव हो पाया था। केंद्र की सत्ता पर काबिज होने की इस लड़ाई के बीच यूपी में दिल्ली और प्रदेश के उच्च सदन के लिए भी चुनावी बिसात सजेगी। बता दें कि राज्यसभा में उत्तर प्रदेश के कोटे की 10 सीटों का कार्यकाल आम चुनाव से पहले 2 अप्रैल, 2024 को खत्म हो जायेगा। वहीं, विधान परिषद में भी विधायक कोटे की 13 सीटें 5 मई को खाली हो जाएंगी। इसलिए, लोकसभा चुनाव की रणनीति बनाने के साथ बीजेपी एवं अन्य दलों को इन सीटों का गुणा-भाग दुरुस्त करना पड़ेगा।

यूपी कोटे की राज्यसभा की जो 10 सीटें खाली हो रही हैं, उसमें फिलहाल 9 सीटों पर भाजपा का कब्जा है। सपा से एक मात्र सीट जया बच्चन की खाली होगी। चुनाव आयोग अगले वर्ष मार्च में इसके लिए चुनाव कार्यक्रम घोषित कर सकता है। वहीं, विधान परिषद में खाली हो रही 13 सीटों में 10 भाजपा, एक उसके सहयोगी अपना दल और 1-1 सपा और बसपा के पास है। 5 मई के पहले इन सीटों पर भी चुनाव प्रस्तावित है।

बहरहाल, राज्य सभा की जो सीटें रिक्त हो रही हैं उसमें मार्च 2018 में 10 सीटों के लिए हुए राज्यसभा चुनाव में सपा ने जया बच्चन को उतारा था और वह चुनाव जीत गई थीं। साथ ही 2019 के लोकसभा चुनाव के पहले मायावती से दोस्ती का हाथ बढ़ाने की कोशिश में लगी सपा ने बसपा उम्मीदवार भीमराव आंबेडकर को समर्थन दिया था। हालांकि, क्रॉस वोटिंग व संख्या गणित में भाजपा भारी पड़ी और उसने अपने 9 उम्मीदवार जिता लिए थे। सपा से जया बच्चन तो चुनाव जीत गईं, लेकिन बसपा से भीमराव हार गए थे। 2022 के चुनाव के बाद विधानसभा के बदले गणित के चलते इस बार भाजपा के लिए सभी सीटों को बचा पाना मुश्किल होगा, जबकि सपा के पास राज्यसभा में संख्या बढ़ाने का मौका होगा।

बता दें कि विधानसभा की मौजूदा सदस्य संख्या के हिसाब से राज्यसभा से एक प्रत्याशी जिताने के लिए 37 वोट की जरूरत होगी। सपा के पास 109 और रालोद के पास 9 विधायक हैं। ऐसे में 118 विधायकों के साथ सपा कम से कम तीन सीटें जीतने की स्थिति में होगी। सत्तारुढ़ गठबंधन के पास कुल 279 (भाजपा-254, अपना दल (एस)-13, निषाद पार्टी-6, सुभासपा-6) विधायक हैं। ऐसे में 7 सीटों पर उसकी जीत लगभग तय है। इसके अलावा कांग्रेस के पास 2, जनसत्ता दल के पास 2 व बसपा के पास एक विधायक है। जनसत्ता दल का समर्थन आम तौर पर भाजपा को रहता है। पिछले विधान परिषद चुनाव में कांग्रेस व बसपा ने किसी भी दल के प्रत्याशी का समर्थन नहीं किया था। हालांकि, लोकसभा चुनाव के लिए पक्ष और विपक्ष दोनों ओर नए दोस्तों को जोड़ने-तोड़ने की कोशिशें चल रही हैं। ऐसे में चुनाव के समय तक दोस्ती व निष्ठा के टिकने-डिगने के आधार पर संख्या व समीकरण आगे-पीछे हो सकता है।

गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश विधान परिषद में इस समय कांग्रेस का कोई भी सदस्य नहीं है। ऐसा पहली बार हुआ है। पिछले साल जुलाई में कांग्रेस पहली बार यूपी के विधान परिषद में शून्य पर पहुंच गई थी। कांग्रेस की स्थिति में फिलहाल आगे भी सुधार होते नहीं दिख रहा है।

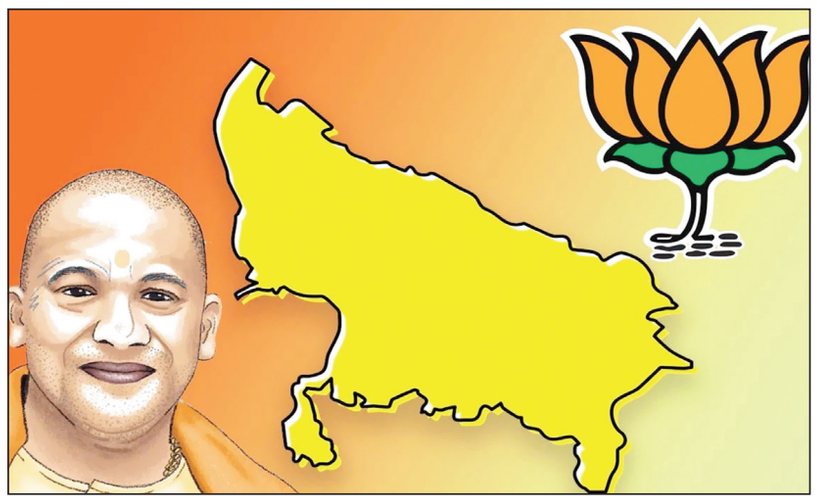

राज्यसभा में उत्तर प्रदेश के कोटे की 10 सीटों का कार्यकाल आम चुनाव से पहले 2 अप्रैल, 2024 को खत्म हो जायेगा। वहीं, विधान परिषद में भी विधायक कोटे की 13 सीटें 5 मई को खाली हो जाएंगी। इसलिए, लोकसभा चुनाव की रणनीति बनाने के साथ भाजपा एवं अन्य दलों को इन सीटों का गुणा-भाग दुरुस्त करना पड़ेगा।

यही स्थिति इस बार मई में विधान परिषद में बसपा की भी हो सकती है। वह भी शून्य पर पहुंच जाये तो किसी को आश्चर्य नहीं होगा। उसके पास केवल एक विधायक है और इस आधार पर उसका उम्मीदवार पर्चा भी नहीं भर सकता, क्योंकि नामांकन के लिए भी 10 प्रस्तावक की जरूरत होती है। विधानसभा के मौजूदा गणित के हिसाब से विधान परिषद में एक प्रत्याशी जिताने के लिए 29 विधायकों की जरूरत पड़ेगी। अगर सत्तापक्ष और विपक्ष अपने मौजूदा सभी सहयोगियों को चुनाव होने के समय तक साथ रखने में सफल रहते हैं तो भाजपा गठबंधन कम से कम 9 और सपा-रालोद गठबंधन 4 सीटें जीतने की स्थिति में होगा। इसका एक बड़ा फायदा सपा के लिए यह होगा कि एक बार फिर वह विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष की सीट की दावेदार हो जाएगी। परिषद में अभी उसके 9 सदस्य हैं और नेता प्रतिपक्ष के लिए जरूरी 1/10 सदस्य के मानक से वह एक पीछे है। 5 मई को खाली हो रही सीटों के हिसाब से सपा की सदस्य संख्या घटकर 8 रह जाएगी। सपा के पास अपने 109 विधायक हैं। ऐसे में कम से कम 3 सीट वह अपने दम पर भी जीतने की स्थिति में है। लिहाजा, परिषद में उसका दहाई में जाना तय है और उसे नेता प्रतिपक्ष का पद वापस मिल जाएगा।

भाजपा के जिन राज्यसभा सदस्यों का कार्यकाल पूरा हो रहा है उसमें अनिल अग्रवाल, अशोक वाजपेयी, अनिल जैन, कांता कर्दम, सकलदीप राजभर, जीवीएल नरसिम्हा राव, विजय पाल तोमर, सुधांशु त्रिवेदी, हरनाथ सिंह यादव और सपा की जया बच्चन शामिल हैं। इसी प्रकार विधान परिषद में जिन नेताओं का कार्यकाल खत्म होने वाला है उसमें भाजपा के यशवंत सिंह, विजय बहादुर पाठक, विद्या सागर सोनकर, सरोजनी अग्रवाल, अशोक कटारिया, अशोक धवन, बुक्कल नवाब, महेंद्र कुमार सिंह, मोहसिन रजा, निर्मला पासवान शामिल हैं। वहीं अपना दल (एस) के आशीष पटेल, सपा के नरेश चंद्र उत्तम और बसपा के भीमराव आंबेडकर शामिल हैं।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

यागकुण्डल्युपनिषद् (भाग-7)

गतांक से आगे...

ग्रंथ के निर्देशानुसार अथवा उसके भावानुसार जब विधिवत् जान कर मेलन को प्राप्त कर लेता है, तब साधक संसार सागर से मुक्त होकर शिवस्वरूप हो जाता है। शास्त्र के बिना गुरु भी ज्ञान प्राप्त नहीं करा सकते, इसलिए हे मुने! शास्त्र का प्राप्त होना जरूरी है; क्योंकि यह शास्त्र बहुत महत्त्वपूर्ण है। यति (साधक) को चाहिए कि जब तक शास्त्र की प्राप्ति न हो जाए, तब तक धरती पर घूम-घूम कर उसे ढूँढ़ना चाहिए। सच्चा शास्त्र ज्ञान प्राप्त हो जाने पर हाथों-हाथ सिद्धि प्राप्त हो जाती है।

तीनों लोकों में बिना शास्त्र ज्ञान के सिद्धि नहीं मिल सकती। इसलिए शास्त्र का ज्ञान देने वाला और मेलन (योग) का अभ्यास कराने वाला गुरु भगवान् की प्रतिमूर्ति होता है, उसका अभ्यास कराने वाले को %शिव% मानकर उसका आश्रय लेना चाहिए। यह ज्ञान प्राप्त करके अन्य (अनधिकारी) के समक्ष न प्रकट करे। इसे हर प्रकार से गोपनीय रखते हुए, जहाँ भी इस दिव्य ज्ञान योग में पारंगत गुरु मिलें, उन्हीं के पास जाकर खेचरी विद्या को ग्रहण कर उनके निर्देशानुसार जागरूक होकर अभ्यास करना चाहिए।

इस विद्या से योगी को खेचरी अर्थात् आकाश में उड़ने की शक्ति प्राप्त होती है, इसलिए खेचरी का अभ्यास खेचरी बीज (मन्त्र) के योग के साथ करना चाहिए। इस प्रकार का साधक आकाशगामी देवताओं का अधिपति होकर आकाश में विचरण करता रहता है। खेचरी के बीज मंत्र में खेचर का रूप ह कार, आवसथ अर्थात् धारणा का रूप ई कार, अग्नि का रूप र कार और जल का रूप अनुस्वार अर्थात् बिन्दु है। (इस प्रकार इन सबका योग ह्रीं होता है)। खेचरी योग इसी (बीजमन्त्र) से सिद्ध होता है। (इसके आगे) सोमांश चन्द्रबीज स कार होता है, इसके उल्टे गिनने पर नवें अक्षर पर भ है, पुनः चन्द्रबीज स कार है, इसके उल्टे गिनने पर अष्टम अक्षर पर म है, इससे पाँच अक्षर उल्टा गिनने पर प है, पुनः चन्द्रबीज स कार एवं संयुक्त वर्ण युक्त क्ष सबसे अन्तिम अक्षर है। (इस तरह ह्रीं भं सं मं पं सं क्षं खेचरी का मंत्र होता है)।

गुरु के द्वारा विधिवत् उपदेश लेकर इस मंत्र का जप करने से यह सभी प्रकार की सिद्धियों को देने वाला है। इस मंत्र का प्रतिदिन द्वादश बार जप करने से देह में स्थित माया का स्वप्न में भी प्रभाव नहीं पड़ता। इस मंत्र का जो नियमपूर्वक पाँच लाख जप करता है, उस व्यक्ति की खेचरी स्वयमेव सिद्ध हो जाती है तथा उसके जीवन के सभी विघ्न समाप्त हो जाते हैं एवं उसे देवताओं की प्रसन्नता प्राप्त होती है।

शरीर में पड़ी झुर्रियों एवं पके केश जैसे लक्षण समाप्त हो जाते हैं अर्थात् वृद्ध भी युवा हो जाता है, इसमें शंका नहीं करनी चाहिए, इसलिए इस महाविद्या का भली-भाँति अभ्यास करना चाहिए। हे ब्रह्मन्! ऐसा न करने से इस खेचरी की सिद्धि नहीं होती, उल्टे कष्ट ही उठाना पड़ता है। सम्यक प्रकार से अभ्यास के बाद भी यदि सिद्धि न मिले, तो भी मार्गदर्शक के द्वारा निर्देशित मार्ग का त्याग न करे। निरंतर इसका जप करना चाहिए, बिना उपयुक्त मार्गदर्शक के सिद्धि सम्भव नहीं। **क्रमशः ...**

धर्म की रक्षा हेतु मुगलों के आगे कभी नहीं झुके गुरु तेग बहादुर

अदिति चौधरी

सिखों के 10 गुरुओं में से 9वें गुरु तेग बहादुर की आज पुण्यतिथि है। 24 नवंबर, 1675 में उनकी मृत्यु हई थी। मुगल शासक औरंगजेब ने उन्हें जान के बदले अपना धर्म बदल कर इस्लाम कबूल करने के लिए कहा था, जिसके बाद उन्होंने हंसते-हंसते जान देना चुना था। औरंगजेब को बिलकुल पसंद नहीं था, कि कोई उसका हुकम को ना मानें, इसलिए उसने 24 नवंबर 1675 में दिल्ली के लाल किले के सामने चांदनी चौक पर गुरु तेग बहादुर सिर कलम करवा दिया था। तब आज के दिन को हर साल गुरु तेग बहादुर शहीदी दिवस के रूप में मनाया जाता है और उनकी शहादत को याद किया जाता है।

बता दें कि इतिहास के पन्नों में औरंगजेब को दूसरे धर्मों से द्वेष भावना से देखनेवाला और कठोर नैतिकवादी शब्दों से परिभाषित किया गया है। उससे पहले जो भी शासक रहे उन्होंने कला और साहित्य का न सिर्फ समर्थन किया था बल्कि कलाकारों का काफी सम्मान भी किया था।

धैर्य, वैराग्य और त्याग की मूर्ति कहे जाने वाले गुरु तेग बहादुर ने 20 सालों तक साधना की थी। गुरु नानक के सिद्धातों का प्रचार करने के लिए उन्होंने कश्मीर और असन की लंबी यात्रा की। उन्होंने अंधविश्वासों की आलोचना कर समाज में नए आदर्श स्थापित कए। उन्होंने आस्था, विश्वास और अधिकारी की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया था। ऐसा भी माना जाता है कि उनकी शहादत दुनिया में मानव अधिकारियों के लिए पहली शहादत थी, इसलिए उन्हें सम्मान के साथ हिंद की चादर कहा जाता है।

गुरु तेग बहादुर सिंह का जन्म बैसाख कृष्ण पंचमी को

पंजाब के अमृतसर में हुआ था। उनके पिता गुरु हरगोबिंद ने उन्हें त्यागमल नाम दिया था, लेकिन मुगलों के खिलाफ युद्ध में बहादुरी की वजह से वे तेग बहादुर के नाम से मशहूर हो गए। तेग बहादुर का अर्थ होता है तलवार का धनी। गुरु तेग बहादुर को उनके भाई बुद्ध ने तीरंदाजी और घुड़सवारी में प्रशिक्षित किया था। पंजाब के बकाला में, गुरु तेग बहादुर ने लगभग 26 साल, 9 महीने, 13 दिनों तक ध्यान किया था। वह अपना ज्यादा से ज्यादा समय ध्यान करने में बीताते थे। उनकी रचनाओं में 116 शबद, 782 रचनाएं और 15 राग शामिल हैं।

गुरु तेग बहादुर ने धर्म के प्रचार-प्रसार व लोक कल्याणकारी कार्य के लिए कई स्थानों का भ्रमण किया। आनंदपुर से कीरतपुर, रोपड, सैफाबाद के लोगों को संयम तथा सहज मार्ग का पाठ पढ़ाते हुए वे खिआला (खदल) पहुंचे। यहां से सत्य मार्ग पर चलने का उपदेश देते हुए दमदमा साहब से होते हुए कुरुक्षेत्र पहुंचे। कुरुक्षेत्र से यमुना किनारे होते हुए कड़ामानकपुर पहुंचे और यहां साधु भाई मलूकदास का उद्धार किया। यहां से प्रयाग, बनारस, पटना, असम गए और आध्यात्मिक, सामाजिक, आर्थिक, उन्नयन के लिए कई रचनात्मक कार्य किए। इन्हीं यात्राओं के बीच 1666 में गुरुजी के यहां पटना साहिब में पुत्र गुरु गोबिन्द सिंह जी का जन्म हुआ, जो सिखों के दसवें गुरु बने।

गुरु तेग बहादुर के समकालीन मुगल शासक औरंगजेब थे। भारत में औरंगजेब की छवि कट्टर बादशाह के रूप में थी। सिख इतिहास की किताब में दावा किया गया है कि औरंगजेब के शासनकाल में जबरन हिंदूओं का धर्म परिवर्तन किया जा रहा था। कश्मीरी पंडित इसके सबसे ज्यादा शिकार हुए। कश्मीरी पंडितों का एक प्रतिनिधिमंडल श्री आनंदपुर साहिब में श्री गुरु तेग बहादुर साहिब की शरण में मदद के लिए पहुंचा।

गुरु तेग बहादुर ने कश्मीरी पंडितों को उनके धर्म की रक्षा का आश्वासन दिया और हिन्दुओं को बलपूर्वक मुस्लिम बनाने का खुले स्वर में विरोध किया। साथ ही कश्मीरी पंडितों की इफाजत का जिम्मा अपने सिर ले लिया। उनके इस कदम से औरंगजेब गुस्से से भर गया। उसने इसे गुरु तेग बहादुर की खुली चुनौती मान ली। इतिहासकार बताते हैं कि 1675 में गुरु तेग बहादुर पांच सिखों के साथ आनंदपुर से दिल्ली के लिए चल पड़े। मुगल बादशाह ने उन्हें रास्ते से ही पकड़ लिया और तीन-चार महीने तक कैद में रखकर अत्याचार की सीमाएं लांघ दी।

गुरु तेग बहादुर को इस्लाम स्वीकार करने के लिए मजबूर किया जाने लगा। %सिख इतिहास% किताब के अनुसार, गुरु तेग बहादुर को मारे से पहले औरंगजेब ने उनके सामने तीन शर्तें रखी थीं - कलमा पढ़कर मुसलमान बनने की, चमत्कार दिखाने की या फिर मौत स्वीकार करने की। गुरु तेग बहादुर ने धर्म छोड़ने और चमत्कार दिखाने से साफ इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि वे अपना सिर कलम करवा सकते हैं, पर अपने बाल नहीं कटवाएंगे।

हिंद-प्रशांत क्षेत्र समावेशी होना चाहिए

अनिल त्रिगुणायत

हमारे विदेश और रक्षा मंत्रियों की उनके समकक्ष मंत्रियों के साथ संयुक्त बैठक एक महत्वपूर्ण द्विपक्षीय व्यवस्था है क्योंकि भारत की ऐसी व्यवस्था कुछ ही देशों के साथ है। ऐसी बैठकों में रक्षा, आर्थिक संबंध, विदेश नीति तथा अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य से जुड़े प्रमुख मामलों पर गंभीर चर्चा होती है। मंत्रियों की ऐसी परस्पर वार्ता का हमारा संबंध अमेरिका, रूस, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ है। अभी जो वार्ता हुई है, उसमें शामिल होने के लिए ऑस्ट्रेलिया के उप-प्रधानमंत्री एवं रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्लेस तथा विदेश मंत्री पेनी वोंग ने भारत का दौरा किया। कुछ दिन पहले ही मंत्रियों की इस बैठक के प्रारूप के तहत भारत और अमेरिका के रक्षा और विदेश मंत्रियों की पांचवीं वार्षिक बैठक हुई, जिसमें भाग लेने के लिए अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन और विदेश सचिव एंथनी ब्लिंकेन दिल्ली आये थे।

अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के साथ पहले से ही रक्षा के क्षेत्र में सहयोग के समझौते हैं और उनके तहत संबंध बहुत आगे बढ़ चुके हैं। अमेरिका तो हमारे शीर्ष के तीन महत्वपूर्ण रक्षा सहयोगियों में शामिल है। अब अत्याधुनिक और जटिल तकनीक के क्षेत्र में परस्पर सहयोग बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। क्वाड में भी भारत और जापान के अलावा अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं। इस तरह की दूसरी बैठकों की तरह भारत और ऑस्ट्रेलिया के मंत्रियों ने भी द्विपक्षीय, क्षेत्रीय, उप-क्षेत्रीय और वैश्विक परिस्थितियों पर विस्तार से चर्चा की। कल जी-20 समूह की वर्चुअल शिखर बैठक

हुई, जिसमें दोनों देश सदस्य हैं। अगले साल के शुरू में क्वाड देशों के नेताओं की शिखर बैठक भी प्रस्तावित है। इस बार के गणतंत्र दिवस समारोह में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन मुख्य अतिथि हैं। यह तो अभी जानकारी नहीं है कि सभी क्वाड देशों के नेता शामिल होंगे या नहीं, पर यह तय है कि इस बार क्वाड शिखर बैठक का आयोजन भारत में होगा। इस संदर्भ में भी मंत्रियों की बैठक महत्वपूर्ण हो जाती है। हम जानते हैं कि ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री ऐंथनी अल्बानीज के साथ हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पांच मुलाकातें हो चुकी हैं। इसी प्रकार से अमेरिकी राष्ट्रपति और भारतीय प्रधानमंत्री कई बार मिल चुके हैं। ऐसे में उनके भारत आने से पहले रक्षा और विदेश मंत्रियों के जो दौरे हुए हैं, उनमें मुख्य मुद्दों पर, जहां हमारे मतभेद हैं, जहां सहमति है और जहां अभी आगे चर्चा की जरूरत है, सब पर विचार मंथन हुआ है। साथ ही, उन विषयों पर भी अंतिम राय बनायी गयी, जो नेताओं की बैठक के समय घोषित की जायेंगी।

जब भी इस तरह की बैठकें होती हैं, तो स्वाभाविक रूप से चीन का मामला भी उसमें शामिल होता है। मंत्रियों की इन दो बैठकों का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है कि अभी हाल ही में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अमेरिका गये थे, जहां राष्ट्रपति बाइडेन के अलावा जापान के प्रधानमंत्री किशिदा से भी मुलाकात हुई। कुछ समय पहले ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री भी चीन गए थे। उल्लेखनीय है कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र प्रतिस्पर्धा का एक नया क्षेत्र बन गया है। क्वाड के देशों के साथ-साथ कई अन्य देशों का मानना है कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र मुक्त और सुरक्षित होना चाहिए ताकि इस क्षेत्र में आवाजाही बिना किसी बाधा के हो सके। समुद्र को समूची दुनिया की थाती माना जाता है और उसके उपयोग पर सभी के अधिकार को स्वीकार किया जाता है। अक्सर यह देखा गया है कि चीन इस क्षेत्र में अपना वर्चस्व बढ़ाने के लिए प्रयासरत रहता है।

इसी वजह से आसियान के देशों, भारत, ऑस्ट्रेलिया आदि की चीन के साथ रिश्तों में तनातनी बनी रहती है। कुछ देशों के साथ तो तनाव इतना बढ़ चुका है कि वह कभी भी संघर्ष का रूप ले सकता है। भारत और ऑस्ट्रेलिया की इस बातचीत में यह बिंदु अहम रहा है। ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्री ने कहा है कि भले ही चीन हमारा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार देश और भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार देश है, लेकिन इसके बावजूद चीन के रवैये और व्यवहार चिंताजनक हैं। भारत ने अपनी जो नीति बनायी है, उसमें यह है कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र समावेशी होना चाहिए। इसका यह मतलब नहीं है कि चीन को रोका जाए या उसे अलग-थलग किया जाए, बल्कि इसका अर्थ यह है कि चीन को भी समझना चाहिए कि समावेशी हिंद-प्रशांत क्षेत्र उसके हित में भी है।

रूस-यूक्रेन युद्ध हो, महामारी के असर हों, वैश्विक चुनौतियां हों या अब यह इस्त्राइल-हमास युद्ध हो, इनका असर हर देश पर होता है और हो रहा है। ऐसे युद्ध अब किसी कोने तक केंद्रित नहीं हैं। यही कारण है कि अमेरिकी और ऑस्ट्रेलियाई मंत्रियों के साथ भारतीय मंत्रियों की बातचीत में गाजा का मामला मुख्य विषयों में रहा। बातचीत में इस पर सहमति रही है कि आतंकवाद को किसी भी रूप में स्वीकार नहीं किया जा सकता है। इसीलिए हमास की आतंकी कार्रवाई की निंदा होनी चाहिए। साथ ही, गाजा में जो नागरिक मारे जा रहे हैं और वहां तबाही हो रही है, उसे किस तरह कम किया जाए, रोका जाए, इस पर चर्चा हुई। इस मसले पर भारत, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया की राय में बहुत समानता है, पर भारत हमेशा से इस्त्राइल के साथ-साथ एक स्वतंत्र और संप्रभु फिलिस्तीन का हिमायती रहा है। इसके लिए भारत गहन समझौते का आह्वान करता रहा है। भारतीय विदेश मंत्री ने यह बात अमेरिकी और ऑस्ट्रेलियाई मंत्रियों के साथ बातचीत में भी सामने रखी तथा दक्षिण अफ्रीका द्वारा बुलायी गयी ब्रिक्स प्लस की विशेष बैठक में भी। यह रेखांकित करना आवश्यक है कि आतंकवाद का मामला भारत के लिए एक गंभीर मुद्दा है। भारत और ऑस्ट्रेलिया ने इस पर विचार किया है कि दोनों देश मध्य एशिया में स्थायी शांति स्थापित करने में किस प्रकार सहयोग कर सकते हैं। जहां तक द्विपक्षीय संबंधों की बात है, तो ऑस्ट्रेलिया के साथ मुक्त व्यापार से जुड़े दो समझौते लागू हो चुके हैं। इस बैठक में एक संपूर्ण व्यापारिक समझौता बनाने की दिशा में प्रगति हुई है।

आज का इतिहास

1988 एंटी डिफेक्सन कानून के तहत पहली बार लोकसभा सांसद लालदूहोमा को अयोग्य करार दिया गया।

1999 चीन के शांगडोंग प्रांत के बंदरगाह शहर यालियान से कोरिया के पास डालियान जाने वाले एक घाट पर दसुन एक भीषण आंधी के दौरान आग पकड़ लेता है और चीन के तट से दूर यलो सी में डूब जाता है, जिससे अधिकांश यात्रियों और चालक दल के लोग मारे गए। माना जाता है कि कुल मिलाकर 350 से अधिक है।

2005 न्यूयॉर्क शहर में मेसी के थैंक्सगिविंग डे परेड में एक दुर्घटना के बाद दो लोग घायल हो गए, जिसमें एमएंडएम का गुब्बारा एक प्रकाश पोल में उलझ गया और टाइम्स स्क्वायर के पास गिर गया।

2006 यूरोपीय संघ (ईयू) एक सम्मेलन में रूस व्लादिमीर पुतिन के राष्ट्रपति की मेजबानी करता है। पोलैंड ने यूरोपीय संघ-रूस भागीदारी वार्ता की शुरूआत की है।

2007 टाइफून मितग फिलीपीन सागर पर स्थिर रहता है लेकिन पाठ्यक्रम में बदलाव करता है, और बहुत धीमी और असामान्य गति के कारण सोमवार को फिलीपींस के अरोरा-इसाबेला प्रांतों में भूस्खलन होने की उम्मीद है।

2007 पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ़ आठ वर्षों के निर्वासन के बाद स्वदेश पहुंचे।

2008 यूनाइटेड किंगडम के प्रधानमंत्री गॉर्डन ब्राउन ने 1975 के बाद पहली बार आयकर दर बढ़ाने की योजना बनाई है।

2009 ईरान ने अपने सबसे ज्यादा बिकने वाले अख़बारों में से एक, हमशाही पर प्रतिबंध लगा दिया है, जिसके एक दिन बाद प्रतिबंधित बहाई आस्था के मंदिर की तस्वीर प्रकाशित करने पर प्रतिबंध लगा दिया गया था।

2010 ब्राजील के पुलिस ने संदिग्ध ड्रग तस्करों द्वारा हिंसा की एक लहर के बाद रियो डी जनेरियो में कम से कम तेरह लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी।

2012 ढाका के टाउटसर्ल पर अशुलिया जिले में एक कपड़े की फैक्ट्री में आग लगने से कम से कम 117 लोगों की मौत हो गई।

क्या तेलंगाना में बनेगी त्रिशंकु विधानसभा?

सिद्धार्थ शंकर गौतम

हिंदी पट्टी के विधानसभा चुनावों के बीच दक्षिण भारतीय राज्य तेलंगाना की उतनी चर्चा नहीं हो रही है जितना महत्त्वपूर्ण यहां का चुनाव हो गया है। 02 जून, 2014 को आंध्रप्रदेश से अलग गठित तेलंगाना में तेलंगाना राष्ट्र समिति (बाद में नाम परिवर्तित होकर भारत राष्ट्र समिति) का एकतरफा प्रभुत्व रहा है क्योंकि पृथक तेलंगाना की मांग को लेकर मुखर के. चंद्रशेखर राव ने राज्य की जनता की भावनाओं का जमकर दोहन किया है। आंध्र प्रदेश की तेलुगू देशम पार्टी और वाईएसआर कांग्रेस का राज्य में दखल न के बराबर है या यूं कहें कि दोनों ही आंध्र दलों को तेलंगाना की जनता ने अपने राज्य से निकाल फेंका है, क्योंकि दोनों दलों के ही नेता तेलंगाना की मांग के विरुद्ध संयुक्त आंध्र को प्राथमिकता देते थे। इसलिए तेलंगाना में इस बार मुख्यत: बीआरस, कांग्रेस और बीजेपी के मध्य त्रिकोणीय राजनीतिक संघर्ष है।

अपने राजनीतिक जीवन की सबसे बड़ी एंटी-इन्कंबेंसी का सामना कर रहे केसीआर को मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस से कड़ी चुनौती मिल रही है। वहीं दक्षिण भारत में अपने एकमात्र दुर्ग कर्नाटक को गवां कर भाजपा तेलंगाना को भागवामय करना चाहती है ताकि उस पर से उत्तर भारतीय पार्टी होने का तमगा धुल सके। तीनों ही दल 30 नवंबर को होने वाले चुनावी मतदान के हिसाब से मतदाताओं के सामने जा रहे हैं और अब तक जनता के मूड से कांग्रेस इस बार सरकार बनाने के करीब दिख रही है। हालांकि कांटें उसकी राह में भी कम नहीं हैं किंतु केसीआर के विरुद्ध असंतोष, बीजेपी के नेताओं का हाथ का साथ थामना और सहानुभूति कांग्रेस के पक्ष में जाती दिख रही है। तेलंगाना गठन के बाद और उससे पहले से केसीआर परिवार कांग्रेस पर तेलंगाना के लोगों की भावनाओं का दोहन करने और उनके नरसंहार का आरोप लगाता रहा है। 1969 में जब अलग राज्य की मांग की गई तो तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के आदेश पर सुरक्षा बलों की फायरिंग में 369 युवा काल-कलवित हो गए थे। इसके बाद उग्र हुए आंदोलन के दौर से लेकर 2014 तक सैकड़ों लोगों ने या तो अलग राज्य के लिए आत्महत्या कर ली अथवा वे धरना-प्रदर्शन के दौरान मारे गए।

केसीआर की अब तक की राजनीति कांग्रेस के इसी इंदिरम्मा राज्यम के विरोध पर उन्हें अजेय बना रही थी। किंतु पूर्व गृह मंत्री और गांधी परिवार के विश्वस्त पी. चिदंबरम ने तेलंगाना की जनता से जनांदोलन में मारे गए राज्य के निवासियों के लिए माफी मांगकर पार्टी के लिए सहानुभूति पैदा करने की कोशिश की है। राहुल गांधी ने भी

तेलंगाना गठन का श्रेय सोनिया गांधी को देकर राज्य की जनता को अपने पक्ष में करने का प्रयास किया है।

इतिहास गवाह है कि जब-जब कांग्रेस देश में अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ी है, दक्षिण भारतीय राज्यों ने ही उसे उबार कर संबल दिया है। कर्नाटक का उदाहरण सामने है और अब यदि तेलंगाना में भी कांग्रेस की माफी काम कर गई तो केसीआर के समक्ष अपने अस्तित्व को बचाने की चुनौती होगी। वे देश में गैर-भाजपा, गैर-कांग्रेस दलों का ऐसा तीसरा मोर्चा बनाने की कवायद में लगे थे जिससे वे स्वयं प्रधानमंत्री की रेस में शामिल हो सकें। अपनी पार्टी के नाम से तेलंगाना हटाकर भारत करना भी इसी रणनीति का हिस्सा था। यदि तेलंगाना में कांग्रेस उम्मीद से अच्छा प्रदर्शन करती है तो केसीआर के सामने भाजपा से गठबंधन करने का मार्ग ही बचेगा। ठीक वैसा ही जैसा कर्नाटक की हार के बाद जेडीएस ने किया। राज्य की जनता इस समीकरण को भी समझ रही है और बीआरएस के नेताओं से प्रश्न किए जा रहे हैं। हालांकि कांग्रेस की रणनीति के विरुद्ध ओवैसी-केसीआर की राजनीतिक गलबहियां उसकी राह में रोड़े अटका रही है।

ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुसलमीन यानी एआईएमआईएम का प्रभाव हैदराबाद और उसके आसपास के क्षेत्रों तक सीमित है किंतु मुस्लिमों को कांग्रेस से दूर करने की नीयत से इसके नेता असदुद्दीन ओवैसी देशभर में अपनी पार्टी के बैनर तले चुनावों में अपने प्रत्याशी उतारते हैं। बिहार में एमआईएमआईएम का कोई आधार नहीं है किंतु वहां ओवैसी ने 2020 के विधानसभा चुनाव में कई पार्टियों के साथ तालमेल करते हुए सीमांचल के इलाके में 20 विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार उतार दिए थे जिनमें से पांच जीत गए थे। हालांकि बाद में उनके चार विधायक राजद के साथ चले गए। इसी प्रकार ओवैसी ने उत्तर प्रदेश के पिछले विधानसभा चुनाव में 95 सीटों पर प्रत्याशी उतारे थे जिससे कांग्रेस सहित सपा का चुनावी गणित बिगड़ गया था। गुजरात, मध्य प्रदेश, राजस्थान के विधानसभा चुनावों में भी उनकी पार्टी ने प्रत्याशी उतारे हैं किंतु यह हास्यास्पद है कि जिस एमआईएमआईएम का वजूद ही तेलंगाना से है, वहां ओवैसी मात्र 9 विधानसभा सीटों पर प्रत्याशी उतार पाए हैं, वह भी हैदराबाद क्षेत्र के आसपास। तेलंगाना में मुस्लिम आबादी 13 प्रतिशत है और राज्य विधानसभा की कुल 119 सीटों में से करीब 45 सीटों पर मुस्लिम वोट असर डालने की स्थिति में हैं। फिर ओवैसी हमेशा से मात्र 8 या 9 प्रत्याशी ही क्यों उतारते आये हैं? तेलंगाना में वे मुस्लिम वोटरों के बीच किसी प्रकार की दुविधा उत्पन्न नहीं करना चाहते और इस कारण वे कम प्रत्याशी उतारकर सीधे तौर पर केसीआर को संजीवनी दे देते हैं। ऐसा करके वे तेलंगाना में भाजपा के संभावित उभार को भी कुंद करते हैं ताकि हैदराबाद के मुसलमान उनसे नाराज न हों। ओवैसी और केसीआर की राजनीतिक आत्मीयता को इससे भी समझा जा सकता है कि 12 नवंबर को जारी भारत राष्ट्र समिति के घोषणा-पत्र पर 16 नवंबर को ओवैसी की हद से अधिक सकारात्मक प्रतिक्रिया आई जबकि कांग्रेस के घोषणा-पत्र को उन्होंने काला कागज कहा है।

दलित नेता मल्लिकार्जुन खड़गे के कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने से कांग्रेस की स्थिति थोड़ी मजबूत हुई है। फिर चाहे वह रणनीति के स्तर पर हो अथवा अन्य दलों की ओर से परिवारवाद को लेकर राहुल की आलोचना से संबंधित हो। जिन राहुल पर परिवारवाद का प्रखर आरोप लगता है वे स्वयं केसीआर के परिवारवाद के विरुद्ध राज्य की जनता की अदालत में खड़े हैं। भ्रष्टाचार पर सवाल, भाई-भतीजावाद की निंदा और केसीआर की जोरदार घेराबंदी ने राज्य में राहुल गांधी की अलग ही छवि प्रस्तुत की है। उदाहरण के लिए, इस बार केसीआर दो सीटों से चुनाव लड़ रहे हैं। कामारेड्डी में राहुल गांधी ने अपने बेहद करीबी और भरोसेमंद नेताओं में से एक तेलंगाना कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रेवंत रेड्डी को कांग्रेस का उम्मीदवार बना दिया है। इसलिए यहां केसीआर उलझ गए हैं। दूसरी सीट गजवेल से केसीआर के पुराने विश्वस्त साथी और पूर्व मंत्री ई. राजेंद्र कमल दल की ओर से उनकी परेशानी बढ़ा रहे हैं। यानि केसीआर भाजपा से बचने दूसरी सीट पर गए तो राहुल गांधी के कारण अब दोनों सीटों से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। राहुल गांधी उन पर भी भ्रष्टाचार के आरोप लगा रहे हैं। देखना दिलचस्प होगा कि इतनी तगड़ी घेराबंदी के बाद भी क्या केसीआर तेलंगाना के बाज बनकर उभरेंगे और तीसरी बार जीत पर झपट्टा मारकर सरकार बना लेंगे? इसे देखने के लिए 3 दिसंबर तक इंतजार करना पड़ेगा। लेकिन इतना तो तय है कि अगर कांग्रेस ने उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन किया तो वह भले ही सरकार न बना पाये लेकिन त्रिशंकु विधानसभा का रास्ता जरूर साफ कर देगी। सब कुछ प्रदेश में कांग्रेस के प्रदर्शन पर ही निर्भर करेगा।

किस ओर जाएंगे राजस्थान के गुर्जर मतदाता क्यों सिखाना चाहते हैं कांग्रेस को सबक

अंकित सिंह

राजस्थान में 25 नवंबर को मतदान होने हैं। 3 दिसंबर को इसके नतीजे होंगे। राजस्थान में मुख्य मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच है। दोनों ही दल अपने-अपने हिसाब से जातीय समीकरण को साधने की पूरी कोशिश में हैं। हालांकि, राजस्थान में कांग्रेस के लिए एक चुनौती इस वक्त बड़ी बनती हुई दिखाई दे रही है और यह चुनौती गुर्जर समाज के वोट बैंक को अपने साथ रखने की है। राजस्थान में दावा किया जा रहा है कि गुर्जर समाज कांग्रेस से पूरी तरीके से नाराज है। राजस्थान में करीब 50 विधानसभा सीटों पर गुर्जर समाज के पकड़ है। 2018 में गुर्जर समाज ने कांग्रेस के पक्ष में बढ़-कर कर वोट दिया था। इसका बड़ा कारण यह था कि गुर्जरों को यह लगा था कि कांग्रेस की ओर से सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बनाया जाएगा। उस समय कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष सचिन पायलट ही थे। सचिन पायलट ने जमीन पर पार्टी के लिए काफी काम किया था। लेकिन जब सचिन पायलट को मुख्यमंत्री नहीं बनाया गया तो कहीं ना कहीं गुर्जरों में जबरदस्त नाराज की देखने को मिली। 2018 के चुनावों में, कांग्रेस ने 11 गुर्जर उम्मीदवार उतारे और उनमें से आठ विजयी हुए थे। गुर्जरों की महत्ता को देखते हुए इस वक्त बीजेपी और कांग्रेस में इस समाज को साधने की पूरी कोशिश हो रही है। भाजपा ने जहां 10 गुर्जर उम्मीदवारों को चुनावी मैदान में उतारा है तो वहीं कांग्रेस ने 11 को टिकट दिया है। 2018 में कांग्रेस के 8 गुर्जर विधायक चुने गए थे। भाजपा कहीं ना कहीं गुर्जर समाज के वोट बैंक को लेकर पूरी तरीके से सक्रिय नजर आ रही है। साथ ही साथ सचिन पायलट को भी उनके गढ़ में घेरने की तैयारी में है। इस वक्त देखे तो गुर्जर समाज खुलकर भाजपा का समर्थन कर रहे हैं और यह खुद कांग्रेस पार्टी के नेताओं को भी पता चलने लगा है। यही कारण है कि कहीं ना कहीं भाजपा के बड़े नेताओं के निशाने पर सचिन पायलट की तुलना में अशोक गहलोत ज्यादा है। इस बार गुर्जर बेल्ट में खासकर पूर्वी राजस्थान में बीजेपी की उम्मीदें ज्यादा बढ़ी हुई हैं। भाजपा की ओर गुर्जर के झुकाव का एक कारण यह भी है कि खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस साल जनवरी में गुर्जरों के देवता देवनारायण के 1,111वें %अवतरण महोत्सव% के असवर पर भीलवाड़ा में एक कार्यक्रम को संबोधित किया था। कांग्रेस आलाकमान के लिए राजस्थान की चुनौती पिछले तीन-चार सालों से सिर दर्द की स्थिति बनी हुई है। सचिन पायलट समेत 2020 में 18 विधायकों ने गहलोत सरकार से विद्रोह कर दिया था। सरकार को भी खतरा दिखाई देने लगा था। हालांकि कहीं ना कहीं आलाकमान की सक्रियता से सरकार बच गई और पायलट भी पार्टी में बने रहे। लेकिन अशोक गहलोत जो चाहते थे वही हुआ। सचिन पायलट को सबसे पहले उपमुख्यमंत्री पद से हटाया गया। इसके बाद उन्हें प्रदेश अध्यक्ष से भी हटा दिया गया। इस कदम ने भी गुर्जर मतदाताओं को कांग्रेस से दूर किया है। जिस तरह गहलोत के निशाने पर पायलट रहे हैं उसने भी गुर्जरों को कांग्रेस से दूर किया है। यही कारण है कि भाजपा गुर्जरों को साधने के लिए अपने प्रयासों को दोगुना कर रही है। इन सबके बीच गुर्जर बहुल इलाकों में सचिन पायलट की मांग लगातार बढ़ते हुए दिखाई दे रही है। कांग्रेस के नेताओं की ओर से सचिन पायलट को प्रचार में बुलाया जा रहा है। पायलट परिवार के गढ़ माने जाने वाले दौसा के मित्रपुरा का एक गुर्जर परिवार कांग्रेस से 2018 में जीत के बाद पायलट की %बेइज्जती% का बदला लेने की बात कह रहा है।

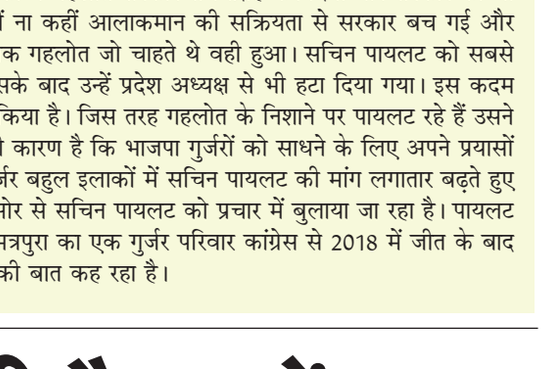

वसुंधरा का गढ़ झालरापाटन सीट पर लोगों की खास नजर

रजनीश आनंद

लोकसभा चुनाव 2024 से पहले देश में पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव हो रहे हैं। 25 नवंबर को राजस्थान में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान होना है। राजस्थान में कुल 200 विधानसभा सीटें हैं, लेकिन मतदान 199 सीट पर ही होगा क्योंकि श्रीकरणपुर विधानसभा सीट पर कांग्रस के उम्मीदवार के निधन के बाद वहां चुनाव स्थगित कर दिया गया है। राजस्थान चुनाव में जिन विधानसभा क्षेत्रों पर लोगों की खास नजर रहेगी उनमें से एक है झालरापाटन विधानसभा सीट, जहां से बीजेपी की कद्दावर नेता वसुंधरा राजे चुनाव लड़ रही हैं। वसुंधरा राजे झालरापाटन सीट से पांचवीं बार चुनावी मैदान में हैं। यह सीट वसुंधरा राजे का गढ़ माना जाता है। वे लगातार चार बार यहां से चुनाव जीत चुकी हैं। इस बार के चुनाव में वे नाराज चल रही थीं, यही वजह है कि बीजेपी ने जब उम्मीदवारों की सूची जारी की तो पहली सूची में उनका नाम सामने नहीं आया, हालांकि दूसरी सूची में वसुंधरा राजे का नाम था और वे अपनी परंपरागत सीट से ही पांचवीं बार चुनावी मैदान में हैं। वसुंधरा राजे को सीएम फेस घोषित तो नहीं किया गया है, लेकिन अगर बीजेपी यहां चुनाव जीतती है तो वसुंधरा की मजबूत दावेदारी सीएम पद को लेकर रहेगी। झालरापाटन सीट से इस बार वसुंधरा राजे के सामने कांग्रेस ने फिर नया उम्मीदवार दिया है। कांग्रेस ने रामलाल चौहान को यहां से वसुंधरा राजे के खिलाफ मैदान में उतारा है। झालरापाटन सीट राजस्थान के झालावाड़ जिले के अंतर्गत आता है। इस सीट पर 2003 से ही वसुंधरा राजे का दबदबा रहा है। वसुंधरा राजे प्रदेश की पहली महिला मुख्यमंत्री भी रही हैं। झालरापाटन सीट से वसुंधरा राजे ने 2018 के चुनाव में कांग्रेस के मानवेंद्र सिंह को 34,980 वोटों से हराया था। गौरतलब है कि झालावाड़ वसुंधरा राजे का गृहक्षेत्र हैं और उनके परिवार का यहां दबदबा है। उनके बेटे दुष्यंत कुमार इस सीट से सांसद हैं। वसुंधरा राजे के परिवार का यहां इतना प्रभाव है कि कोई जातिगत समीकरण और मुद्दे यहां बहुत प्रभाव नहीं डालते हैं। हालांकि अगर आंकड़ों पर गौर करें तो वसुंधरा राजे को पिछली दफा कांग्रेस के उम्मीदवार मानवेंद्र सिंह ने कड़ी टक्कर दी थी। चार बार वसुंधरा राजे यहां से चुनाव जीती हैं, लेकिन उनकी जीत में वोटों की गिनती लगातार कम हुई है। इस बार के चुनाव में कांग्रेस के रामलाल चौहान उन्हें कितनी टक्कर देंगे, यह तो आने वाला वक्त ही बता पाएगा।

केसीआर के गढ़ में बसपा भी मैदान में

यशोधन शर्मा

देख लेंगे और गुलाबी झंडा फहराएंगे। आदिलाबाद के द्वारका नगर में बीआरएस की प्रचार गाड़ी में गाना बज रहा है। रात के नौ बजे चुनाव अपने रंग पर है। एक जमाने में यह बड़ा जिला था लेकिन अब इसके चार हिस्से हैं। आदिलाबाद, मंचिरयाल, निर्मल और आसिफाबाद। इन चार जिलों की दस सीटों पर बीआरएस का कब्जा है। आसिफाबाद से कांग्रेस जीती थी लेकिन विधायक बीआरएस में चले गए थे। सभी जगह बीआरएस, कांग्रेस और भाजपा में मुकाबला है। केसीआर के गढ़ में बीएसपी ने भी मजबूत प्रत्याशी उतारे हैं। निर्मल की एक सीट से बीएसपी का विधायक रह भी चुका है। बसपा के प्रदेश अध्यक्ष पूर्व आईपीएस अधिकारी प्रवीण कुमार भी इसी क्षेत्र के कागजनगर से मैदान में हैं।

आदिलाबाद शहर के द्वारकानगर चौराहे पर बीआरएस का प्रचार वाहन जाता है तो फिर कांग्रेस का आ जाता है। वह अपनी छह गारंटियों के बारे में प्रचार कर रहा है। इसी बीच युवा अफजल कहते हैं कि कांग्रेस की गारंटी अच्छी हैं। उनका कहना है कि जो बीआरएस दे रही है, लगभग वैसा ही कांग्रेस देगी तो बदलकर भी देखा जाना चाहिए। साजिद कहते हैं कि कांग्रेस सस्ता सिलिंडर सभी को देगी लेकिन बीआरएस ने उसमें कुछ शर्त लगाई है। यहां बैठे चार युवा राजनीति की अच्छी जानकारी वाले दिखे। उन्होंने यह भी बताया कि आने वाले दिनों में यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी प्रचार करने आएंगे। आदिलाबाद शहर में चार बार से विधायक बीआरएस के जोगू रमन्ना के सामने कांग्रेस से श्री निवास रेड्डी और भाजपा से पायल शंकर लड़ रहे हैं। कांग्रेस के प्रत्याशी छह महीने पहले ही भाजपा से पार्टी में आए और उन्हें टिकट मिल गया। इससे नाराज होकर पुराने कांग्रेसियों ने एक अन्य प्रत्याशी संजीव रेड्डी को निर्दलीय उतार दिया है। बस अड्डे पर चाय की दुकान चलाने वाले विश्वास का कहना है कि भाजपा के प्रत्याशी लगातार चौथी बार चुनाव

लड़ रहे हैं। वह लोगों के बीच सक्रिय रहते हैं। उनका मानना है कि कई प्रत्याशियों की लड़ाई में इस बार आदिलाबाद शहर की सीट पर भाजपा को फायदा होगा। आदिलाबाद जिले की बोथ सीट पर मुकाबला चतुष्कोणीय है। यहां पर आदिलाबाद से बीजेपी के सांसद सोयम बापू राव अब विधानसभा का चुनाव लड़ रहे हैं।

उनके सामने कांग्रेस के ए गजेंद्र, बीआरएस के अनिल जाधव और बसपा से जंग बापू मेश्राम हैं। निर्मल देख चुका है बड़ा सांप्रदायिक बवाल निजामाबाद से आदिलाबाद के बीच में निर्मल शहर पड़ता है। शहर में विकास कार्य दिखाई देता है। लोग श्रेय स्थानीय मंत्री को देते हैं। निर्मल जिले के भैंसा क्षेत्र में 2008 के सांप्रदायिक बवाल में पुलिस की गोलीबारी से तीन लोग मारे गए थे। गांव वटोली में छह लोगों को जिंदा जला दिया गया था। पत्रकार सैयद अजहर कहते हैं कि निर्मल और अन्य इलाका इससे कम ही प्रभावित हुआ है। सदर की सीट पर बीआरएस के मंत्री ए इंदिरा करण रेड्डी के सामने कांग्रेस के जी गणिराव हैं तो भाजपा से ए महेश्वर रेड्डी हैं। यहां तीनों में कड़ा मुकाबला बताया जा रहा है। निर्मल जिले की मुधोल सीट महाराष्ट्र के बॉर्डर पर है। यहां से बीआरएस के दो बार के विधायक विट्ठल रेड्डी के सामने दो चचेरे भाई रामाराव पटेल बीजेपी से और नारायण राव पटेल कांग्रेस से मैदान में हैं।

मुस्लिम शासक आदिल वाजिद शाह के नाम पर इस शहर का नाम आदिलाबाद पड़ा। किसान मुख्यत: कपास की फसल लेते हैं। एक जमाने में कपास की कई मिलें थीं। देशभर में यहीं से निर्यात होता था। इसी वजह से इसे व्हाइट गोल्ड सिटी यानी सफेद सोने का शहर भी कहा जाता है। अब कॉटन की मिलें लगभग बंद हो गई हैं। पास का ही जिला निर्मल अपने लकड़ी के खिलौनों के लिए जाना जाता है। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में बीडी बनाने का भी काम होता है। महाराष्ट्र का बॉर्डर होने के कारण यहां तेलुगू और उर्दू के साथ मराठी भी बोली जाती है। गोंड और लंबाड़ा जनजातियों के कारण उनकी भाषा भी ग्रामीण क्षेत्रों में कही कही सुनी जा सकती है। आदिलाबाद सीट पर लगभग 18 प्रतिशत मुस्लिम वोटर हैं। लोगों ने बताया कि ओवैसी का असर हैदराबाद के बाहर ज्यादा नहीं है। वरिष्ठ पत्रकार महबूब अली के मुताबिक, पिछले चुनाव में मुस्लिमों ने बीआरएस को बड़ी संख्या में वोट दिया था। इस बार माहौल देखकर रुख तय करेंगे। उटनूर के मिठाई व्यापारी शेख जाकिर का कहना है कि मुस्लिम दोनों ओर रहेंगे। उनके दोस्तों में ही बंटवारा हो गया है। वहीं मुत्तनूर गांव में कृष्णा श्री निवास का कहना है कि कांग्रेस ने रेवंत रेड्डी को आगे करके अच्छा किया है। वह लोगों से मिलते रहते हैं। गोंड और लंबाड़ा जनजातियों के वोटों की संख्या अच्छी खासी है। जिले की खानापुर की सीट इनके लिए रिजर्व है। गौंड को एसटी का दर्जा पहले से ही है जबकि लंबाड़ा को बाद में दिया गया। महाराष्ट्र में लंबाडा जनजाति पिछड़ा वर्ग में आती है। इससे गोंड कहते हैं कि उनके हिस्से का आरक्षण लंबाड़ा को दिया गया। उटनूर के आईबी चौक पर दुकानदार लंबाड़ा जनजाति के प्रेम प्रकाश का कहना है, यह चुनावों में ज्यादा उभारा जाता है। खानापुर से बीआरएस ने विधायक अजमेरा नायक का टिकट काटकर मुख्यमंत्री के मंत्री बेटे केटीआर के साथ पढ़े जानसन नायक को मैदान में उतारा है।

क्या कभी सच हो पायेगा राजस्थान में किसी जाट का मुख्यमंत्री बनने का सपना?

रमेश सर्राफ धमोरा

राजस्थान क्षेत्रफल की दृष्टि से देश का सबसे बड़ा प्रांत है। यहां करीबन 8 करोड़ की आबादी निवास करती है जिसमें से सबसे अधिक करीबन 13-14 प्रतिशत जाट समाज के लोग आते हैं। प्रदेश की राजनीति में जाटों का हमेशा दबदबा रहा है। सबसे अधिक संख्या में विधायक व सांसद भी जाट ही निर्वाचित होते हैं। मगर इतना सब होते हुए भी राजस्थान में आज तक किसी भी पार्टी से जाट समाज का व्यक्ति मुख्यमंत्री नहीं बन पाया है। जब-जब विधानसभा के चुनाव होते हैं तब जरूर जाट समाज के व्यक्ति को मुख्यमंत्री बनाने की बातें चलती हैं। मगर चुनाव होने के बाद जाट समाज का व्यक्ति मुख्यमंत्री नहीं बन पाता है।

राजस्थान में जाट समाज आजादी के समय से ही कांग्रेस का सबसे बड़ा समर्थक वोट बैंक रहा है। आज भी जाटों का झुकाव कांग्रेस की तरफ बना हुआ है। लेकिन मौजूदा विधानसभा चुनाव में किसी भी राजनीतिक दल से ऐसा कोई जाट नेता नहीं है जो मुख्यमंत्री की रेस में शामिल हो सके।

नागौर के सांसद हनुमान बेनीवाल ने पिछले विधानसभा चुनाव में जरूर अपनी राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी बनाकर चुनाव लड़ा था और तीन विधानसभा सीटों पर जितने में सफल रहे थे। उस समय हनुमान बेनीवाल का दावा था कि राजस्थान में हाशिये पर पहुंच गई जाट राजनीति को वह अपनी पार्टी के माध्यम से मुख्य धारा में लायेंगे। 2019 के लोकसभा चुनाव में हनुमान बेनीवाल भाजपा से गठबंधन कर नागौर से लोकसभा चुनाव लड़कर सांसद बन गए थे। इस बार हनुमान बेनीवाल उत्तर प्रदेश के चंद्रशेखर की आजाद समाज पार्टी से गठबंधन कर विधानसभा चुनाव में उतरे हैं। लेकिन 200 सीटों पर चुनाव लड़ने का दावा करने वाले बेनीवाल की पार्टी महज 78 सीटों पर ही अपने प्रत्याशी उतर पाई है। खुद को जाट आइकॉन के रूप में पेश करने वाले हनुमान बेनीवाल ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सहित कई बड़े नेताओं के सामने प्रत्याशी नहीं उतार कर उन्हे वाक ओवर दे दिया है। वैसे भी हनुमान बेनीवाल के साथ अन्य जाति के मतदाता नहीं जुड़ पाए हैं।

राजस्थान में आजादी के बाद से ही कांग्रेस की सरकार बनती रही है। कांग्रेस की सरकारों में नाथूराम मिर्धा, चौधरी कुंभाराम आर्य, परसराम मदेरणा, कमला बेनीवाल, रामनिवास मिर्धा, रामदेव सिंह महरिया, दौलत राम सारण, सुमित्रा सिंह, रामनारायण चौधरी, शीशराम ओला, चौधरी नारायण सिंह, हेमाराम चौधरी, महादेव सिंह खंडेला, लालचंद कटारिया जैसे प्रभावशाली जाट नेता शामिल होते रहे थे। लेकिन इनमें से कोई भी नेता राजस्थान का मुख्यमंत्री नहीं बन पाया। 1973 में रामनिवास मिर्धा मुख्यमंत्री पद के चुनाव में हरदेव जोशी से महज एक वोट से हार गए थे। इसके साथ ही राजस्थान में जाट मुख्यमंत्री बनने से रह गया था।

1998 के विधानसभा चुनाव में परसराम मदेरणा को चेहरा बनाकर कांग्रेस ने चुनाव लड़ा था और भारी बहुमत प्राप्त किया था। लेकिन दिल्ली की राजनीति में परसराम मदेरणा पराजित हो गए और अशोक गहलोत को राजस्थान का मुख्यमंत्री बना दिया गया। 2008 के विधानसभा चुनाव में भी केंद्रीय मंत्री शीशराम ओला

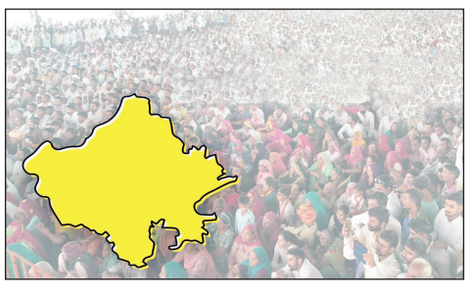

अशोक गहलोत के सामने मुख्यमंत्री के दावेदार बने थे मगर अशोक गहलोत को ही मुख्यमंत्री बनाया गया। इस तरह जाट नेताओं को तीन बार कांग्रेस में मुख्यमंत्री बनने के अवसर मिले मगर तीनों ही बार वह असफल हो गए। वर्तमान समय में देखें तो आज राजस्थान की राजनीति में किसी भी जाट नेता का इतना बड़ा कद नहीं है जो मुख्यमंत्री पद की दावेदारी कर सके। प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा तीसरी बार के विधायक हैं। लेकिन मंत्रिमंडल में उनको भी शिक्षा राज्य मंत्री ही बनाया गया था।

हालांकि भाजपा ने भी अब जाटों पर अपनी पकड़ बनाने शुरू कर दी है। इस बार के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 30 से अधिक जाट प्रत्याशी मैदान में उतारे हैं। विधानसभा चुनाव से पहले जाट समाज के डॉक्टर सतीश पूनियां को भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष भी बनाया गया था। लेकिन भाजपा में जाट मुख्यमंत्री बनने की बात सोची भी नहीं जा सकती है। क्योंकि जाट समाज आज भी मूल रूप से कांग्रेस से ही जुड़ा हुआ है। इसलिए भाजपा की बजाय जाट समाज की कांग्रेस में अधिक मजबूत दावेदारी बनती है।

कभी केंद्र की राजनीति में बलराम जाखड, कुंवर नटवर सिंह मजबूत जाट नेता बन कर उभरे थे। इन्होंने बहुत से युवा जाट नेताओं को आगे भी बढ़ाया था। मगर यह लोग केंद्र की राजनीति तक ही सीमित होकर रह गए। इन्होंने कभी भी प्रदेश की राजनीति में मुख्यमंत्री बनने का प्रयास नहीं किया। कांग्रेस पार्टी अपने विधानसभा के चुनावी संकल्प पत्र में सरकार बनने पर जातिगत जनगणना करवाने की बात कह रही है। यदि प्रदेश में जातिगत जनगणना होती है तो बिहार की तरह राजस्थान में भी सबसे बड़ी आबादी जाटों की ही होगी। तब प्रदेश की राजनीति में जाटों की असली ताकत का अहसास होगा। राजस्थान में 7 अप्रैल 1949 से लेकर अब तक 25 मुख्यमंत्री रह चुके हैं। जिनमें आठ बार ब्राह्मण, पांच बार बनिया, पांच बार राजपूत, एक बार मुस्लिम, एक बार खटीक, एक बार कायस्थ, तीन बार माली मुख्यमंत्री बने हैं। इस सूची में जाट समाज के एक भी व्यक्ति का नाम नहीं है। जाट समाज की नेता कमला बेनीवाल को जरूर एक बार उप मुख्यमंत्री बनाया गया था। राजस्थान कांग्रेस अध्यक्ष के पद पर जरूर सरदार हरलाल सिंह, नाथूराम मिर्धा, रामनारायण चौधरी, परसराम मदेरणा, चौधरी नारायण सिंह, डॉक्टर चंद्रभान, गोविंद सिंह डोटासरा सहित कई जाट नेता रह चुके हैं। मगर मुख्यमंत्री का पद उनसे आज भी दूर ही है।

राजस्थान में कांग्रेस की पूरी राजनीति मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के इर्द-गिर्द घूमती है। अपने प्रभाव को बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने धीरे-धीरे एक-एक कर जाट नेताओं को किनारे लगा दिया ताकि उनकी कुर्सी पर जाटों की दावेदारी नहीं हो सके। 1998 में जब गहलोत पहली बार मुख्यमंत्री बने थे उस समय परसराम मदेरणा, डॉ. बलराम जाखड, कुंवर नटवर सिंह, शीशराम ओला, रामनिवास मिर्धा, चौधरी नारायण सिंह, हेमाराम चौधरी जैसे वरिष्ठ जाट नेता राजनीति में सक्रिय थे। मगर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने धीरे-धीरे सभी को किनारे कर दिया। इतना ही नहीं 1998 में मुख्यमंत्री बनने के बाद अशोक गहलोत ने कांग्रेस में वरिष्ठ नेता रहे नवल पंडित नवल किशोर शर्मा, पूर्व मुख्यमंत्री जगन्नाथ पहाड़िया, शिवचरण माथुर और हीरालाल देवपुरा जैसे नेताओं को भी किनारे लगा दिया था।

आज राजस्थान की राजनीति में मजबूत नेता नहीं होने के कारण जाट मतदाता किसी एक पार्टी के साथ नहीं बंधे हुए हैं। सभी राजनीतिक दलों में जाट नेताओं को महत्व मिलने लगा है। प्रदेश में भाजपा के 24 लोकसभा सांसदों में से पांच जाट समाज के हैं। जिनमें से कैलाश चौधरी केंद्र सरकार में कृषि राज्य मंत्री के पद पर है। वहीं करीबन एक दर्जन से अधिक जाट समाज के विधायक भाजपा में भी हैं। राजस्थान में सबसे अधिक आबादी होने के बावजूद भी जाट समाज का मुख्यमंत्री नहीं बन पाया है इसके लिए स्वयं जाट समाज के नेता भी जिम्मेदार है। प्रदेश की राजनीति में जब भी जाट समाज के व्यक्ति का मुख्यमंत्री बनने के लिए अवसर आया उस समय जाट नेताओं ने ही उसकी टांग खिंचाई कर दी। जिस कारण जाट समाज का व्यक्ति मुख्यमंत्री नहीं बन पाया। जब तक जाट समाज के सभी नेता एकजुट नहीं होंगे तब तक राजस्थान की राजनीति में उनकी ताकत महत्वहीन हीं बनी रहेगी।

विदेश की तरह दिखती हैं ये भारतीय जगह

झील और पहाड़ का नजारा दिखता है शानदार

भारत को विविधता का देश कहा जाता है। यहां के राज्यों, शहरों और गांवों में आपको अलग-अलग संस्कृती और परंपराएं देखने को मिल जाएंगी। भारत देश का अपना एक इतिहास है। प्रकृति से पूर्ण इस देश में घूमने के लिए काफी सारी जगह हैं। कुछ जगह इतिहास से जुड़ी हैं तो वहीं कुछ का अपना रहस्य है। आपको ये जानकर हैरानी होगी की भारत में कुछ ऐसे शहर और गांव हैं, जो पूरी तरह से विदेशी शहरों की तरह लगते हैं। अगर आप विदेश जाना चाहते हैं लेकिन बजट के कारण खुद को रोक रहे हैं तो स्ट्रेस ना लें क्योंकि आप इन खूबसूरत जगहों का रुख कर सकते हैं जो बिल्कुल विदेश की तरह दिखती हैं। तो चलिए जानते हैं ऐसी 5 जगहों के बारे में-

भारत की इन जगहों पर पूरे साल मिलते हैं विदेशी, एक्सप्लोरिंग के लिए हैं बेस्ट

अल्लेप्पी

केरल के अल्लेप्पी को भारत का वेनिस कहा जाता है। जैसे वेनिस में आप शांत नहरों का मजा लेते हैं वही आनंद आप अल्लेप्पी में ले सकते हैं। यहां शांत हाउसबोट का मजा लें। इनमें बैठकर आप हरी-भरी हरियाली का सुंदर नजारा देख सकते हैं। अगर आप यहां घूमने का प्लान बना रहे हैं तो ध्यान रखें कि तेज गर्मी के मौसम में यहां जाने से बचें।

अंडमान निकोबार

हनीमून के लिए मालदीव जाना चाहते थे लेकिन पासपोर्ट की वजह से नहीं जा सके हैं। तो फिक्र ना करें, क्योंकि अंडमान निकोबार आइलैंड में भी आपको मालदीव जैसे खूबसूरत नजारे देखने मिन जाएंगे। यहां आप किसी भी अच्छे रिसॉर्ट में रुककर नीले पानी को घंटों निहार सकते हैं और अपने पार्टनर के साथ यहां के खूबसूरत नजारों को एंजॉस कर सकते हैं।

पुडुचेरी

फ्रांस एक रोमांटिक जगह है, जहां जाना अधिकतर हर कपल का सपना होता है। अगर आप भी फ्रांस घूमने के सपने देख रहे हैं लेकिन बजट के कारण खुद को रोक रहे हैं तो आप पुडुचेरी जाएं। फ्रेंच वाइब्स के लिए ये जगह बेहतरीन है। अच्छी बात यह है कि यहां भीड़ भी काफी कम होती है। इस जगह को भारत का मिनी फ्रांस कहा जाता है। यहां के खाने से लेकर संस्कृति तक सब कुछ काफी अलग है।

खज्जियार

अगर आप दिल्ली या फिर दिल्ली के आसपास कहीं रहते हैं तो आप भारत के मिनी स्विट्जरलैंड को देखने जरूर जाएं। इस जगह पर आप वीकेंड पर जा सकते हैं। हिमाचल प्रदेश के चंबा उप जिले में स्थित खज्जियार में आपको स्विट्जरलैंड जैसे खूबसूरत नजारे देखने को मिल जाएंगे। पार्टनर के साथ इस जगह को एक्सप्लोर करने के लिए जरूर जाएं।

कुर्ग

कुर्ग कर्नाटक राज्य में एक खूबसूरत हिल स्टेशन है, जिसे भारत का स्कॉटलैंड भी कहा जाता है। घूमने फिरने के नजरिए से देखें तो ये जगह शानदार है। यहां घूमने के लिए एक से बढ़कर एक वॉटरफॉल्स हैं। इस जगह पर आप खूबसूरत नजारों को पार्टनर के साथ एंजॉय कर सकते हैं।

राजस्थान का झालावाड़ जहां बसती है प्राकृतिक खूबसूरती

नेचर लवर्स के लिए जन्नत से कम नहीं ये जगह

अगर ऐतिहासिक और प्राकृतिक खूबसूरती आपको आकर्षित करती है, तो राजस्थान का झालावाड़ आपको रोमांचित कर देगा। झालावाड़ एक ऐसी ऐतिहासिक नगरी है, जिसे जितना जानेंगे उसकी खूबसूरती में आप उतना ही खोते चले जाएंगे। राजस्थान की यह नगरी अद्भुत रहस्य से भरपूर है। यह शहर जल से युक्त, घनों जंगलों से घिरा और जायकेदार फलों से भरपूर है। जो भी शख्स यहां पर एक बार आता है वह इस जगह की खूबसूरती से इतना प्रभावित होता है कि यहीं का होकर रह जाता है। जैसा कि झाला जालिम सिंह के साथ हुआ था। यहाँ के अद्भुत स्थान, मीठे नारंगी के फल भी आपको आश्चर्यचकित कर देंगे।

मशहूर सोशल मीडिया मंच कू ऐप पर राजस्थान टूरिज्म ने अपने आधिकारिक पेज के जरिये झालावाड़ की खूबसूरती-प्रकृति-इतिहास संबंधी तमाम तस्वीरें शेयर करते हुए इसकी खासियतें बताई हैं। दरअसल, झालावाड़ दीवान राजपूत झाला जालिम सिंह की नगरी है। राजा झाला जालिम सिंह के यहां बसने से पहले इस जगह का नाम बृजनगर था। यह बात है सन् 1791 की। मराठों से बचने के लिए कोटा स्टेट के दीवान राजपूत झाला जालिम सिंह ने घने जंगलों के बीच 'छावनी उम्मेदपुरा' नाम से एक सैनिक छावनी की यहां पर स्थापना की थी। दरअसल, झालावाड़ को मराठों से बचाने के लिए इस छावनी को बनाया गया था। लेकिन बाद में घने जंगलों से घिरा झालावाड़ राजा झाला जालिम सिंह की पसंदीदा जगह बन गई। वह अक्सर शिकार को यहां आते थे और उन्हें यह जगह इतनी पसन्द थी कि उन्होंने यहाँ नगर बसाने का फैसला किया। अपनी समृद्ध प्राकृतिक संपदा से पहचाना जाने वाला 'झालावाड़' बेहद खूबसूरत है। यह जगह राजस्थान के अन्य शहरों से बिल्कुल अलग है। यह शहर पूरी तरह से विपुल जल संपदा से युक्त है। नारंगी के फल के बगीचे झालावाड़ के सौन्दर्य को और भी ज्यादा बढ़ा देते

हैं। आपको बता दें कि झालावाड़ फलों के उत्पादन में देश में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देता है। राजपूत और मुगल काल की स्थापत्य काल से संवरे, किले और महल यहाँ की अपूर्व सांस्कृतिक विरासत हैं, जिसमें विपुल मंदिर और अन्य विख्यात आस्था स्थल भी सम्मिलित हैं।?

आकर्षक स्थान

शहर के बीचोंबीच बने चार मंजिल भव्य गढ़ पैलेस को देखते ही यह महसूस होता है कि यह झालावाड़ के अतीत की कई यादों को अपने भीतर संजोए हुए है। हाड़ौती कला से परिपूर्ण यह किलेनुमा महल बेहद ही खूबसूरत है। यह झालावंश का भव्य और रहस्यमयी महल था। इसके एक नहीं बल्कि तीन कलात्मक द्वार हैं। इसके निर्माण में यूरोपियन ओपेरा शैली का इस्तेमाल साफ देखने को मिलता है। परिसर के नक्कारखाने के पास स्थित पुरातात्विक महत्व का संग्रहालय भी दर्शनीय है। इस महल का निर्माण महाराज राणा मदन सिंह ने कराया था। झालावाड़ का गढ़ महल, शहर के बीचोंबीच स्थित एक सुंदर और अदभुत स्मारक है। इस महल के भीतर आपको सुंदर चित्रों की आकृति देखने को मिलेंगी। इन चित्रों को देखने के लिए आपको संग्रहालय अधिकारियों की स्पेशल अनुमति लेनी होगी। जनाना खास यानी महिलाओं का महल है, जिसमें दोनों ओर दीवारों पर शीशे और उत्कृष्ट भित्तिचित्रों का जबर्दस्त अंकन किया गया है।

भवानी नाट्यशाला

सन 1921 में बनी यह नाट्यशाला, कई यादगार नाटकों एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की गवाह है। माना जाता है कि पूरे विश्व में ऐसी सिर्फ आठ नाट्यशालाएं हैं। सबसे खास बात तो यह है कि महान अंग्रेजी लेखक विलियम शेक्सपीयर के लिखे गए नाटकों को यहां पेश किया जाता था। शेक्सपीयर ब्रिटिश थे और यही वजह है कि विदेशी पर्यटक इसे देखने में बड़ी रुचि रखते हैं। यह नाट्यशाला नाट्य और कला जगत में स्थापत्य कला का महान उदाहरण है। इसमें घोड़ों और रथों के मंच पर प्रकट होने का रास्ता, एक भूमिगत मार्ग द्वारा बनाया गया है जो इसे और भी ज्यादा खास और विशेष बनाता है।

चंद्रभागा मन्दिर

झालावाड़ से 7 किमी की दूरी पर चंद्रभागा नदी के किनारे पर बना यह मंदिर, शानदार नक्काशीदार स्तंभों और मेहराबदार द्वारों के साथ बना है। चंद्रमौलीश्वर मंदिर, लकुलिश हरीहर मंदिर एवं देवी मन्दिर प्रमुख भी हैं।

हर्बल गार्डन

बेहतरीन मेडिसिनल प्लांट्स के चलते यह हर्बल गार्डन पर्यटकों के बीच काफी मशहूर है। वरुण, लक्ष्मण, शतावरी, स्टीविया, रूद्राक्ष तथा सिंदूर जैसी कई जड़ी-बूटियों वाले पेड़-पौधों यहां मौजूद हैं और इनका प्रयोग आयुर्वेदिक औषधियां बनाने में किया जाता है।

अन्य दर्शनीय स्थल

1. प्रथम जैन तीर्थंकर (प्रवर्तक) आदिनाथ को समर्पित चांदखेड़ी आदिनाथ मंदिर, खानपुर के नजदीक चांदखेड़ी में है, जो 17वीं शताब्दी के वास्तुशिल्प, वैभव और धार्मिक पवित्रता का साक्षी है। छह फुट ऊंची भगवान आदिनाथ की प्रतिमा वाला इस मंदिर में पारंपरिक सात्विक भोजन चख सकते हैं और यहां रूकने की भी सुविधा मौजूद है।
2. भगवान पार्श्वनाथ की हजार वर्ष पुरानी प्रतिमा वाला नागेश्वर पार्श्वनाथ जैन मंदिर, उन्हेल जैनियों का तीर्थ और धार्मिक आस्था का प्रमुख केंद्र है।
3. गागरोन के राजा से संत बने राजर्षि पीपाजी की ऐतिहासिक - आध्यात्मिक कहानियों की प्रस्तुति संत पीपाजी पैनोरमा में चित्रों के जरिए देखी जाती है।
4. सन 1860 में नौलखा किला को झालावाड़ के शासक राजा पृथ्वी सिंह ने बनावाया था।
5. झालाओं की समृद्ध रियासत के सबूत देखने के लिए राजकीय संग्रहालय जाया जा सकता है। सन 1915 में स्थापित प्रदेश के सबसे प्राचीन संग्रहालयों में से एक इस स्थान में दुर्लभ चित्रों, पांडुलिपियों और प्राचीन मूर्तिशिल्पों का जबर्दस्त कलेक्शन है।
6. गागरोन का किला
7. सूर्य मंदिर
8. द्वारकाधीश मंदिर
9. दलहनपुर
10. बौद्ध गुफाएं और स्तूप
11. शांतिनाथ जैन मंदिर

कैसे पहुंचें?

इंदौर यहां का सबसे निकटतम हवाई अड्डा है और लगभग 240 किलोमीटर दूर है, जबकि जयपुर हवाई अड्डा 345 किमी है।

नेशनल हाईवे 52 पर मौजूद इस जगह पर कार से या फिर राजस्थान के सभी प्रमुख शहरों से बस के जरिए पहुंचा जा सकता है।

लखनऊ में बना है एशिया का सबसे बड़ा पार्क, जानें इसकी खासियत

आज हम आपको एशिया के सबसे बड़े पार्क के बारे में बताने जा रहे हैं। यह पार्क उत्तर प्रदेश में हैं। यहां पर आपको तरह-तरह के फूलों से लेकर मछलियां आदि तक देखने को मिल जाएंगी। बता दें कि हम लखनऊ शहर में मौजूद जनेश्वर मिश्र पार्क के बारे में बता रहे हैं। भारत का हर कोना किसी ना किसी रंग से भरा हुआ है। भारत के हर राज्य को प्रकृति का आशीर्वाद मिली है। देश में तमाम ऐसे पार्क हैं, जिनकी प्राकृतिक सुंदरता किसी का भी मन मोह सकती है। वैसे तो आपने अपने शहर में कई खूबसूरत पार्क देखे होंगे। लेकिन आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको एशिया के सबसे बड़े पार्क के बारे में बताने जा रहे हैं। यह पार्क उत्तर प्रदेश में हैं। यहां पर आपको तरह-तरह के फूलों से लेकर मछलियां आदि तक देखने को मिल जाएंगी। आपको इस पार्क में ऐसी कई चीजें देखने को मिलेंगी जो शायद आपने अन्य पार्कों में ना देखी हों। आपको बता दें कि यहां पर एशिया के सबसे बड़े पार्क जनेश्वर मिश्र पार्क के बारे में बात कर रहे हैं। नवाबों के शहर लखनऊ के गोमती नगर एक्सटेंशन के 376 एकड़ के एरिया में यह पार्क फैला हुआ है। साल 2014 में यह पार्क बनकर तैयार हुआ था। जनेश्वर मिश्र पार्क में आपको कई तरह के पक्षी की प्रजातियां देखने को मिलेंगी। इस पार्क की सुंदरता

खूबसूरती देख नहीं करेगा वापस लौटने का मन

घूमने के शौकीन अक्सर समय और छुट्टियां मिलते ही घूमने का प्लान बना लेते हैं। वहीं घूमने जाने के दौरान सबसे पहले यह सवाल आता है कि किन जगहों पर जाना चाहिए। वैसे तो लोग शिमला, नैनीताल और ऊटी आदि जाना पसंद करते हैं। आमतौर पर काफी संख्या में लोग हिमाचल प्रदेश घूमने के लिए जाते हैं। ऐसे में अगर आप भी कहीं घूमने का प्लान बना रहे हैं और अभी तक आप यह डिसाइड नहीं कर पाए हैं कि आपको कहां जाना है, तो बता दें कि धर्मशाला को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

बता दें कि धर्मशाला अपनी खूबसूरती के लिए जाना जाता है। यह अपने शानदार और खूबसूरत दृश्यों के लिए काफी फेमस है। ऐसे में अगर आप सिर्फ दो दिन में भी धर्मशाला को एक्सप्लोर कर सकते हैं। अगर आप भी धर्मशाला को एक्सप्लोर करने का प्लान बना रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। इस आर्टिकल के जरिए हम आपको धर्मशाला की कुछ ऐसी जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको आप सिर्फ 2 दिनों में एक्सप्लोर कर सकते हैं।

पहले दिन इन जगहों को करें एक्सप्लोर

अपनी सुंदरता, पहाड़, झरना और साफ नदी की वजह से धर्मशाला पूरे विश्व में फेमस है। धर्मशाला में ना सिर्फ देश बल्कि विदेश से भी लोग घूमने के लिए पहुंचते हैं। पहले दिन आप यहां पर डल झील घूमने का प्लान बना सकते हैं। आपको जानकर हैरानी होगी कि डल झील का पानी क्रिस्टल से भी ज्यादा साफ है। इसके अलावा आप धर्मशाला में बंजी जंपिंग, राफ्टिंग और ट्रेकिंग का भी लुत्फ ले सकते हैं। साथ ही ट्रिप के पहले दिन ज्वालामुखी देवी मंदिर जाना ना भूलें। बताया जाता है कि इस मंदिर में पांडवों ने कुछ समय के लिए आराम किया था।

दूसरे दिन घूमें ये जगहें

धर्मशाला में दूसरे दिन आप हसीन वादियों में मौजूद क्रिकेट मैदान देखने के लिए जा सकते हैं। समुद्र तल से लगभग 1 हज़ार मीटर से ऊंचाई पर यह क्रिकेट मैदान बना है। इसके बाद आप युद्ध स्मारक भी घूमने के लिए जा सकते हैं। जोकि देवदार के जंगलों में स्थित है। फिर आप नामग्याल मठ, दलाई लामा मंदिर परिसर, प्रसिद्ध भागसुनाग झरना, कांगड़ा कला संग्रहालय और मसरूर रॉक कट मंदिर एक्सप्लोर कर सकते हैं।

ऐसे पहुंचे धर्मशाला

धर्मशाला पहुंचना बहुत आसान है। धर्मशाला जाने के लिए आप चंढीगढ़ और दिल्ली आदि से बस के माध्यम से पहुंच सकते हैं। दिल्ली से धर्मशाला की दूरी करीब 470 किमी है। इसके साथ ही आप हवाई यात्रा के जरिए भी धर्मशाला पहुंच सकते हैं। वहीं कुछ लोग कार से भी धर्मशाला जाते हैं।

धर्मशाला की खूबसूरती देख नहीं करेगा वापस लौटने का मन

सिर्फ 2 दिन में एक्सप्लोर कर सकते हैं ये जगहें

घूमने के शौकीन अक्सर समय और छुट्टियां मिलते ही घूमने का प्लान बना लेते हैं। वहीं घूमने जाने के दौरान सबसे पहले यह सवाल आता है कि किन जगहों पर जाना चाहिए। वैसे तो लोग शिमला, नैनीताल और ऊटी आदि जाना पसंद करते हैं। आमतौर पर काफी संख्या में लोग हिमाचल प्रदेश घूमने के लिए जाते हैं। ऐसे में अगर आप भी कहीं घूमने का प्लान बना रहे हैं और अभी तक आप यह डिसाइड नहीं कर पाए हैं कि आपको कहां जाना है, तो बता दें कि धर्मशाला को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

बता दें कि धर्मशाला अपनी खूबसूरती के लिए जाना जाता है। यह अपने शानदार और खूबसूरत दृश्यों के लिए काफी फेमस है। ऐसे में अगर आप सिर्फ दो दिन में भी धर्मशाला को एक्सप्लोर कर सकते हैं। अगर आप भी धर्मशाला को एक्सप्लोर करने का प्लान बना रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। इस आर्टिकल के जरिए हम आपको धर्मशाला की कुछ ऐसी जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको आप सिर्फ 2 दिनों में एक्सप्लोर कर सकते हैं।

पहले दिन इन जगहों को करें एक्सप्लोर

अपनी सुंदरता, पहाड़, झरना और साफ नदी की वजह से धर्मशाला पूरे विश्व में फेमस है। धर्मशाला में ना सिर्फ देश बल्कि विदेश से भी लोग घूमने के लिए पहुंचते हैं। पहले दिन आप यहां पर डल झील घूमने का प्लान बना सकते हैं। आपको जानकर हैरानी होगी कि डल झील का पानी क्रिस्टल से भी ज्यादा साफ है। इसके अलावा आप धर्मशाला में बंजी जंपिंग, राफ्टिंग और ट्रेकिंग का भी लुत्फ ले सकते हैं। साथ ही ट्रिप के पहले दिन ज्वालामुखी देवी मंदिर जाना ना भूलें। बताया जाता है कि इस मंदिर में पांडवों ने कुछ समय के लिए आराम किया था।

दूसरे दिन घूमें ये जगहें

धर्मशाला में दूसरे दिन आप हसीन वादियों में मौजूद क्रिकेट मैदान देखने के लिए जा सकते हैं। समुद्र तल से लगभग 1 हज़ार मीटर से ऊंचाई पर यह क्रिकेट मैदान बना है। इसके बाद आप युद्ध स्मारक भी घूमने के लिए जा सकते हैं। जोकि देवदार के जंगलों में स्थित है। फिर आप नामग्याल मठ, दलाई लामा मंदिर परिसर, प्रसिद्ध भागसुनाग झरना, कांगड़ा कला संग्रहालय और मसरूर रॉक कट मंदिर एक्सप्लोर कर सकते हैं।

ऐसे पहुंचे धर्मशाला

धर्मशाला पहुंचना बहुत आसान है। धर्मशाला जाने के लिए आप चंढीगढ़ और दिल्ली आदि से बस के माध्यम से पहुंच सकते हैं। दिल्ली से धर्मशाला की दूरी करीब 470 किमी है। इसके साथ ही आप हवाई यात्रा के जरिए भी धर्मशाला पहुंच सकते हैं। वहीं कुछ लोग कार से भी धर्मशाला जाते हैं।

घूमें ये जगहें

धर्मशाला में दूसरे दिन आप हसीन वादियों में मौजूद क्रिकेट मैदान देखने के लिए जा सकते हैं। समुद्र तल से लगभग 1 हज़ार मीटर से ऊंचाई पर यह क्रिकेट मैदान बना है। इसके बाद आप युद्ध स्मारक भी घूमने के लिए जा सकते हैं। जोकि देवदार के जंगलों में स्थित है। फिर आप नामग्याल मठ, दलाई लामा मंदिर परिसर, प्रसिद्ध भागसुनाग झरना, कांगड़ा कला संग्रहालय और मसरूर रॉक कट मंदिर एक्सप्लोर कर सकते हैं।

ऐसे पहुंचे धर्मशाला

धर्मशाला पहुंचना बहुत आसान है। धर्मशाला जाने के लिए आप चंढीगढ़ और दिल्ली आदि से बस के माध्यम से पहुंच सकते हैं। दिल्ली से धर्मशाला की दूरी करीब 470 किमी है। इसके साथ ही आप हवाई यात्रा के जरिए भी धर्मशाला पहुंच सकते हैं। वहीं कुछ लोग कार से भी धर्मशाला जाते हैं।

दूसरे दिन

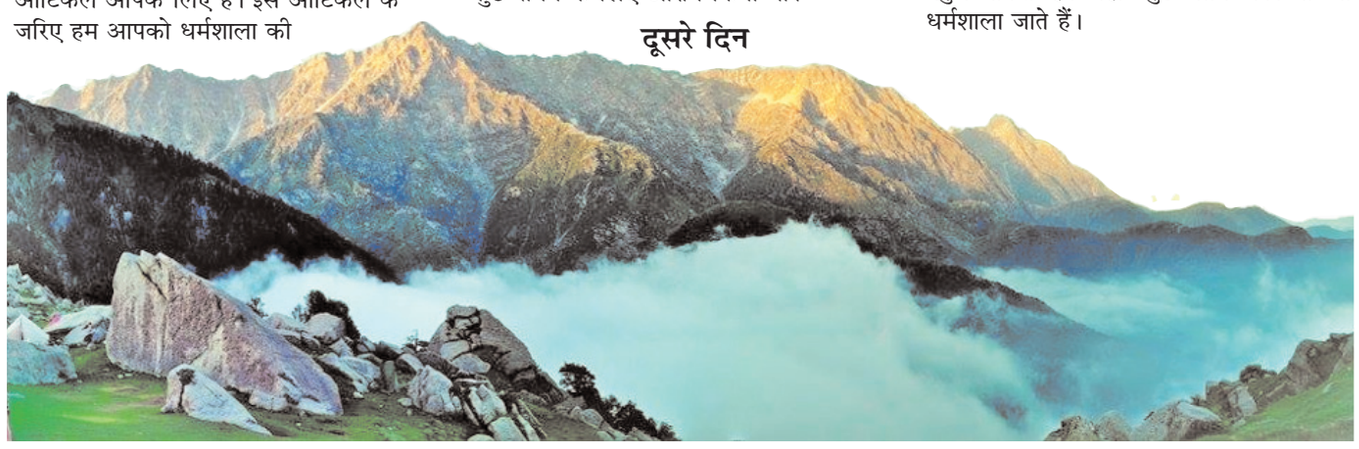

समृद्ध संस्कृति, इतिहास और पर्यटन स्थलों से भरा हुआ है चेन्नई शहर

चेन्नई का मरीना बीच दक्षिण भारत का सबसे बड़ा बीच है। इसे स्पेनिश भूखण्ड के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा बीच भी कहा जाता है। इस बीच का आकर्षण उसकी सुंदरता है, जहाँ आप समुद्र तट से खुली हवा में साँस लेने का मजा ले सकते हैं।

चेन्नई को हिन्द महासागर के किनारे स्थित होने के कारण 'गोल्डन सिटी ऑफ साउथ इंडिया' के नाम से भी जाना जाता है। चेन्नई भारत के मुख्य अर्थव्यवस्था केंद्रों में से एक है और उच्च शिक्षा, प्रौद्योगिकी और संस्कृति के क्षेत्र में भी इस शहर का एक महत्वपूर्ण स्थान है। चेन्नई में दक्षिण भारत की संस्कृति और विरासत को दर्शाने वाले कई मंदिर भी हैं। यह शहर समृद्ध संस्कृति, इतिहास और पर्यटन स्थलों से भरा हुआ है। चेन्नई के आकर्षणों में से कुछ निम्नलिखित हैं-

मरीना बीच

चेन्नई का मरीना बीच दक्षिण भारत का सबसे बड़ा बीच है। इसे स्पेनिश भूखण्ड के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा बीच भी कहा जाता है। इस बीच का आकर्षण उसकी सुंदरता है, जहाँ आप समुद्र तट से खुली हवा में साँस लेने का मजा ले सकते हैं। यहाँ पर लोग सैर, मछलियों का शिकार और विश्राम करते हैं।

कपिलेश्वर मंदिर

चेन्नई का कपिलेश्वर मंदिर उत्तर भारत के भव्यतम मंदिरों में से एक है। यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है। इसकी स्थापना आदि शंकराचार्य द्वारा की गई थी। इस मंदिर की बनावट अद्भुत है।

अन्य पर्यटन स्थल

चेन्नई के अन्य पर्यटन स्थलों में मद्रास विश्वविद्यालय, चेपॉक महल, मत्स्य पालन केन्द्र, पार्थसारथी का मंदिर, अजायबघर और चिड़ियाघर और सेंट जॉर्ज फोर्ट प्रमुख हैं। यह किला अंग्रेजों के जमाने में ईस्ट इंडिया कंपनी का व्यापारिक केंद्र था। इसमें पुरानी सैनिक छावनी, अधिकारियों के मकान, सेंट मेरी गिरजाघर और रॉबर्ट क्लाइव का घर है। सेंट मेरी गिरजाघर को अंग्रेजों द्वारा भारत में बनवाया गया सबसे पुराना चर्च माना जाता है।

स्नेक पार्क

चेन्नई का स्नेक पार्क भी पर्यटकों को प्रभावित करता है। यह पाँच सौ से भी ज्यादा खतरनाक भारतीय साँपों का जीवित संग्रहालय कहा जा सकता है। रेंगते हुए ये सांप भय मिश्रित रोमांच पैदा करते हैं। यहाँ पर साँपों के अलावा सरीसृप वर्ग के अन्य जीव जैसे मगरमच्छ, घड़ियाल इत्यादि भी रखे गए हैं।

अन्य प्रमुख मंदिर

दक्षिण भारत के प्रमुख मंदिर भी यहां के दर्शनीय स्थल हैं।

उत्तर भारत के मंदिरों से बनावट में एकदम अलग इन मंदिरों की शिल्पकला और भव्यता हर किसी को आकर्षित करती है। खासतौर पर चेन्नई के पार्थसारथी मंदिर के बारे में उल्लेख मिलता है कि इसका निर्माण आठवीं शताब्दी में राजा पल्लव ने करवाया था। इसके अलावा द्रविड़ शिल्पकला का एक और अनूठा उदाहरण मिलापोर स्थित कालीश्वर मंदिर है।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

गहलोत सरकार में चरम पर तुष्टिकरण की राजनीति : शाह

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह राजस्थान चुनाव में अपनी पूरी ताकत लगा रहे हैं। सत्तारूढ़ कांग्रेस पर परिवारवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए आत

अमित शाह ने कहा कि इससे जनता बहुत त्रस्त है। उन्होंने दावा किया कि आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा की सरकार बनेगी। जयपुर में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि राजस्थान के हर कोने में जनता ने परिवर्तन का मूड बनाया हुआ है। हर क्षेत्र में विफल और नाकाम कांग्रेस सरकार को विदाई देने के लिए राजस्थान के लोगों ने अपना मन बना लिया है। उन्होंने कहा कि राजस्थान ने हमेशा मोदी जी के साथ खड़ा रहकर भाजपा का समर्थन किया है। 2014 और 2019 दोनों चुनावों में सभी की सभी सीटें भाजपा के खाते में देकर राजस्थान की जनता ने हमेशा मोदी जी को अपना समर्थन दिया है। अमित शाह ने कहा कि बीते 5 साल में कांग्रेस ने परिवारवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण की राजनीति का परिचय दिया है।

ममता बनर्जी के बयान पर भाजपा का पलटवार

नईदिल्ली। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा है कि अगर मैच कोलकाता के ईडन गार्डन या मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाता तो भारतीय टीम आईसीसी विश्व कप जीत जाती। ममता के बयान पर बीजेपी महासचिव और विधायक अग्निमित्रा पॉल ने कहा कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है. ममता बनर्जी या राहुल गांधी जैसे नेताओं से इस तरह की ओछी राजनीति की उम्मीद की जा सकती है. उन्होंने हमारी भारतीय टीम के प्रयासों का अपमान किया है जिसने पिछले 10 मैच बिना एक भी हार के लगातार जीते हैं। उनके प्रयासों के बारे में क्या? यह सिर्फ स्टेडियम की वजह से है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि लेकिन वह भूल रही हैं कि वह भी उसी पार्टी कांग्रेस का हिस्सा थीं। अब वह भगवा रंग, स्टेडियम की बात कर रही हैं। पश्चिम बंगाल की जनता आपकी वजह से त्रस्त है। आपका परिवार पश्चिम बंगाल में खेल संस्थानों का प्रमुख है। किसी खेल संघ का नेतृत्व करने के लिए उनके पास क्या योग्यताएं हैं? और पिछले 12 वर्षों में आपको पश्चिम बंगाल के लिए क्या परिणाम मिले हैं?

महुआ मोइत्रा मामले में ममता ने तोड़ी चुप्पी

कोलकाता। अपनी पार्टी की नेता महुआ मोइत्रा पर चुप्पी तोड़ते हुए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को कहा कि महुआ मोइत्रा को लोकसभा से निष्कासित करने की योजना बनाई जा रही है, लेकिन चुनाव से पहले इस कदम से उन्हें मदद मिलेगी। इसके साथ ही ममता बनर्जी ने दावा किया कि भाजपा आरक्षण खत्म करना चाहती है और वह इसका विरोध करेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि विपक्षी नेताओं को निशाना बनाने वाली केंद्रीय एजेंसियां 2024 के आम चुनावों के बाद भाजपा के पीछे पड़ जाएंगी। भाजपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि भगवा रंग 'त्यागियों' का है, लेकिन आप 'भोगी' हैं। तृणमूल कांग्रेस के एक कार्यक्रम में ममता ने कहा कि देश के बैंकिंग क्षेत्र में निराशा का माहौल, सार्वजनिक उपक्रम बेचे जा रहे। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि सभी बड़ी आईटी कंपनियां कोलकाता की 'सिलिकॉन वैली' परियोजना में निवेश कर रही हैं।

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे का महुआ मोइत्रा पर हमला

नईदिल्ली। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने गुरुवार को संसदीय कार्यों पर एक सरकारी बुलेटिन का एक अंश साझा करके तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा पर ताजा हमला किया। उन्होंने एक्स पोस्ट में कहा कि यह है लोकसभा का आदेश, जो साफ़ कहता है कि गोपनीयता का मतलब सूचना केवल और केवल सांसद तक सीमित रहे। क्योंकि सांसद जब प्रश्न पूछते हैं तो संसद शुरू होने के एक घंटा पहले उत्तर सांसद को मिलता है, इससे शेयर मार्केट,कम्पनी की स्थिति में उतार चढ़ाव,देश की सुरक्षा में सेंध, दूसरे देशों के साथ अपने सम्बन्धों पर समय से पहले जानकारी मिल जाने पर आर्थिक, सुरक्षा से खिलवाड़। आरोपी भ्रष्टाचारी सांसद को शायद हीरानंदानी जैसे पीए ने यह पढ़कर नहीं बताया? चोरी व सीनाज़ोरी का उदाहरण। टीएमसी सांसद पर व्यवसायी दर्शन हीरानंदानी को पैसे और उपहारों के बदले समर्पित ऑनलाइन पोर्टल पर सीधे संसद प्रश्न पोस्ट करने की अनुमति देने का आरोप है।

जल्द पूरी होगी मराठा समुदाय की आरक्षण की मांग

मुंबई। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने गुरुवार को कहा कि सरकार मराठा आरक्षण की मांग को लेकर सकारात्मक है और मराठा समुदाय को आरक्षण देने की कोशिश चल रही है। मराठा समुदाय के एक प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को डिप्टी सीएम फडणवीस से सोलापुर जिले के पंढरपुर में मुलाकात की। डिप्टी सीएम फडणवीस अपनी पत्नी के साथ पंढरपुर में भगवान विट्ठल और देवी रुकमणी के मंदिर में कार्तिकी एकादशी के मौके पर पूजा करने पहुंचे थे। देवेंद्र फडणवीस ने सोशल मीडिया पर साझा किए एक पोस्ट में लिखा कि मैं मराठा समुदाय को आश्वस्त करना चाहता हूं कि राज्य सरकार उनकी मांग को लेकर सकारात्मक है। सीएम एकनाथ शिंदे ने सुनिश्चित किया है कि मराठा समुदाय को आरक्षण मिले। हम उनके साथ खड़े हैं और उनका पूरा समर्थन कर रहे हैं। इस मुद्दे का जरूर समाधान किया जाएगा और मराठा समुदाय को आरक्षण देने की कोशिशें चल रही हैं।

कांग्रेस ने राजस्थान को अपराध और भ्रष्टाचार में बनाया नंबर वन, कभी नहीं होगी गहलोत सरकार की वापसी

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को महिलाओं के खिलाफ अत्याचार के मुद्दे पर राज्य की अशोक गहलोत के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला और कहा कि राजस्थान में महिलाएं कांग्रेस को एक पल के लिए भी बर्दाश्त करने के लिए तैयार नहीं हैं और राज्य ने वर्तमान सरकार से ज्यादा महिलाओं पर अत्याचार करने वाली कोई सरकार नहीं देखी। उन्होंने कहा कि बहुत ऐसे लोग हैं, जो भाजपा की ताकत को जानते ही नहीं हैं, उनको लगता है कि मोदी को गाली दे दोगे तो उनकी गाड़ी चल जाएगी। लेकिन उनको पता नहीं है कि ये ऐसी पार्टी है जिसे कार्यकर्ताओं ने अपने खून-पसीने से बनाया है। ये पार्टी ऐसी है, जिसमें चार-चार पीढ़ियां खप गई हैं और एक ही सपना लेकर के...भारत माता की जय।

मोदी ने कहा कि आज राजस्थान में बहुत सारी शादियां हैं और इन शादियों के कारण इलेक्शन कमीशन ने चुनाव की तिथि बदल दी, ताकि शादियों में रुकावट न आए। ऐसे में राजस्थान की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है कि पूरी जिम्मेदारी के साथ आप मतदान करेंगे। पिछले चुनाव के मतदान से ज्यादा वोटिंग होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि राजस्थान के इस चुनाव में हमारी माताओं, बहनों और बेटियों ने जिस प्रकार से भाजपा का झंडा उठा लिया है, वो काबिले-तारीफ है। आज राजस्थान में हर तरफ से एक ही बात सुनाई देती है-गहलोत जी, कोनी मिलै वोट जी। उन्होंने कहा कि राजस्थान ने आज तक इससे बड़ी महिला विरोधी सरकार नहीं देखी है। इसलिए राजस्थान के जन-जन ने कांग्रेस सरकार को उखाड़ फेंकने का संकल्प ले लिया है। इसलिए कल मैं डंके की चोट पर कहा है कि राजस्थान में अब कभी भी गहलोत सरकार की वापसी नहीं होगी।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि राजस्थान की इस धरती का कण-कण वीर-वीरांगनाओं की गाथाओं से भरा पड़ा है। लेकिन कांग्रेस सरकार ने राजस्थान को माताओं, बहनों, बेटियों पर अत्याचार के मामले में नंबर वन बना दिया है और मुख्यमंत्री कहते हैं कि यहां महिलाएं झूठे मुकदमे दर्ज कराती हैं। ये चुनाव उनको सजा देने का चुनाव है और आपके एक वोट में उनको सजा देने की ताकत है। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद जो देश का सबसे बड़ा घोटाला

हुआ, वो भी हमारे देश के वीर जवानों के लिए जो खरीद करनी थी, उनमें भी इन्होंने घोटाला कर दिया। बोफोर्स घोटाले को देश कभी नहीं भूल सकता। कांग्रेस ने सबमरीन में घोटाला किया, हेलिकॉप्टर में घोटाला किया। जल हो, नभ हो, थल हो...कांग्रेस का पंजा एक ही काम करता है सिर्फ लूटो। मोदी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने फौजियों को सिर्फ धोखा दिया। वन रैंक वन पेंशन को लटकाए रखा। लेकिन ये भाजपा सरकार है जिसने आपसे वन रैंक वन पेंशन की गारंटी दी थी और वो गारंटी पूरी कर दी। उन्होंने कहा कि ये चुनाव सिर्फ विधायक, मंत्री और मुख्यमंत्री बनाने का नहीं है। ये चुनाव विकसित भारत के लिए, विकसित राजस्थान की ठोस आधारशिला रखने का चुनाव है। इसलिए राजस्थान से कांग्रेस का सुफड़ा साफ होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने राजस्थान को अपराध में नंबर वन बनाया, भाजपा राजस्थान को निवेश में अग्रणी बनाएगी। कांग्रेस ने राजस्थान को भ्रष्टाचार में टॉप पर पहुंचाया, भाजपा आपके राज्य को उद्योगों में अग्रणी बनाएगी। कांग्रेस ने राजस्थान को पेपर लीक में अग्रणी बनाया, भाजपा राजस्थान को शिक्षा और खेल में अग्रणी बनाएगी।

गुर्जरों का अपमान किया है कांग्रेस ने : मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट को लेकर बृहस्पतिवार को एक बार फिर कांग्रेस पर निशाना साधा और कहा कि गुर्जर समाज का एक बेटा राजनीति में जगह बनाने के लिए संघर्ष करता है लेकिन सत्ता मिलने के बाद उसे दूध में से मक्खी की तरह निकला करके फेंक दिया जाता है।

मोदी ने देवगढ़ (राजस्थान) में एक चुनाव जनसभा को संबोधित करते हुए कहा,''ज्गुर्जर समाज का एक बेटा राजनीति में जगह बनाने के लिए संघर्ष करता है। पार्टी के लिए जान लगाता है और सत्ता मिलने के बाद 'शाही परिवार' की शह पर उसे दूध में से मक्खी की तरह निकाल करके फेंक दिया जाता है।''उन्होंने कहा,''स्वर्गीय राजेश पायलट जी के साथ भी इन्होंने यही किया और उनके बेटे के साथ भी यही कर रहे हैं।'' मोदी ने कहा,''गुर्जरों का जितना अपमान कांग्रेस ने किया हैज् यह राजस्थान की पहली पीढ़ी ने भी देखा है और आज की पीढ़ी भी देख रही है।'' कल राजस्थान में एक जनसभा को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा था, राजेश पायलट जी ने कभी इस कांग्रेस परिवार को चुनौती दी थी, लेकिन यह परिवार ऐसा है कि राजेश जी को तो सजा दी उनके बेटे (सचिन पायलट) को भी सजा देने में लगे हुए हैं।''

मोदी का इशारा उस घटना की ओर था जब दिवंगत राजेश पायलट ने 1997 में पार्टी अध्यक्ष पद के लिए सीताराम केसरी के खिलाफ चुनाव लड़ा और इसके बाद पार्टी आलाकमान का समर्थन एक तरह से गंवा दिया। राजेश पायलट के बेटे और राज्य के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन ने कल मोदी के बयान को तथ्यात्मक रूप से गलत और जनता का ध्यान भटकाने वाला बताया था। पायलट गुर्जर समाज के नेता हैं और 2018 के विधानसभा चुनाव में पूर्वी राजस्थान में गुर्जर समाज ने कांग्रेस को वोट दिया था। राज्य में विधानसभा चुनाव के लिए 25 नवंबर को मतदान होना है।

पनौती, जेबकतरे पर फंसे राहुल चुनाव आयोग ने जारी किया नोटिस

शनिवार तक मांगा जवाब

नईदिल्ली। चुनाव आयोग (ईसी) ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधने वाली उनकी हालिया टिप्पणी के लिए गुरुवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी को कारण बताओ नोटिस जारी करके निर्णायक कार्रवाई की है। नोटिस विशेष रूप से गांधी द्वारा अपने भाषणों के दौरान पनौती (अपशकुन), जेबकतरे जैसे शब्दों के इस्तेमाल और ऋण माफी से संबंधित टिप्पणियों के लिए भेजा गया है। चुनाव आयोग ने गांधी को शनिवार शाम तक जवाब देने का निर्देश दिया है। यह घटनाक्रम सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा चुनाव आयोग में दर्ज कराई गई एक शिकायत के जवाब में आया है, जिसमें पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा इस्तेमाल की गई भाषा पर चिंता व्यक्त की गई थी। भाजपा ने तर्क दिया कि ऐसी भाषा एक वरिष्ठ राजनीतिक नेता के लिए अशोभनीय थी।

इस बीच, पीएम मोदी पर निशाना साधने वाली अपनी टिप्पणी पर राहुल गांधी को चुनाव आयोग के नोटिस के जवाब में, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने किसी भी औपचारिक संचार को संबोधित करने के लिए पार्टी की तत्परता की पुष्टि की है। खड़गे ने कहा, हमारे पास आने वाले किसी भी नोटिस का हम सामना करेंगे, यह पूर्व पार्टी अध्यक्ष द्वारा की गई टिप्पणियों पर चुनाव आयोग की जांच में सहयोग करने की कांग्रेस पार्टी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। नोटिस में चुनाव आयोग ने गांधी को आदर्श आचार संहिता के प्रावधानों की याद दिलाते हुए इस बात पर जोर दिया कि राजनीतिक नेताओं को अपने प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ असत्यापित आरोप लगाने से प्रतिबंधित किया गया है।

चुनाव आयोग का हस्तक्षेप राजनीतिक चर्चा में मर्यादा बनाए रखने और यह सुनिश्चित करने की उसकी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है कि नेता नैतिक मानकों का खासकर चुनाव प्रचार के दौरान पालन करें। चुनावी राज्य राजस्थान में हाल की

रैलियों के दौरान राहुल गांधी द्वारा पनौती और जेबकतरे जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया गया, जिससे राज्य के राजनीतिक माहौल में विवाद बढ़ गया है। कारण बताओ नोटिस गांधी को चुनाव आयोग के समक्ष अपने बयानों के इरादे और संदर्भ को स्पष्ट करने का अवसर प्रदान करता है। शनिवार शाम तक आने वाली प्रतिक्रिया से इस बात पर प्रकाश पड़ने की उम्मीद है कि क्या गांधी की टिप्पणियां किसी विशिष्ट उद्देश्य से की गई थीं या वे एक बड़ी राजनीतिक बयानबाजी का हिस्सा थीं।

राजस्थान में थमा चुनाव प्रचार 25 नवंबर को मतदान

जयपुर। राजस्थान विधानसभा चुनाव में जीत दर्ज करने के लिए सभी दल जोर अजमाइश कर रहे हैं। चुनावी तारीखों की घोषणा होते ही सभी दलों ने जनसभाओं और रैलियों का आयोजन किया। पीएम मोदी समेत कई स्टार प्रचारकों ने लोगों से वोट देने की अपील की। राजस्थान में 25 नवंबर को मतदान है। इसी बीच, आज गुरुवार को राजस्थान विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार थम गया है।

खेल
प्रमुख समाचार

वेस्टइंडीज के मार्लोन सैमुअल्स पर लगा 6 साल का बैन

दुबई। वेस्टइंडीज के पूर्व बल्लेबाज मार्लोन सैमुअल्स को आईसीसी ने क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से 6 साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया है। सैमुअल्स को 2019 अबू धाबी टी10 के दौरान भ्रष्ट आचरण का दोषी पाया गया है। जिस कारण उन पर बैन लगा दिया गया है। सैमुअल्स उस लीग में कर्नाटक टस्कर्स का हिस्सा थे, लेकिन खेले नहीं थे। एक स्वतंत्र न्यायाधिकरण ने सैमुअल्स को चार मामलों में दोषी पाया, जिसमें खुद को और खेल को बदनाम करने वाले अहसान स्वीकार करना और जांच अधिकारियों से जानकारी छिपाना शामिल था। सैमुअल्स को 15 साल पहले भी इसी तरह के अपराध के लिए सजान दी गई थी।

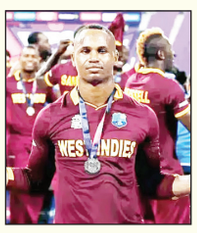

आईसीसी के एचआर और इंटीग्रिटी यूनिट के प्रमुख एलेक्स मार्शल ने कहा, सैमुअल्स ने करीब दो दशकों तक अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट खेला, इस दौरान उन्होंने कई एंटी-करप्शन गतिविधियों में हिस्सा लिया और जानते थे कि एंटी-करप्शन कोड के तहत उनके दायित्व क्या थे। हालांकि, वह अब रिटायर हो चुके हैं, जब अपराध किए गए थे तब सैमुअल्स उसके एक भागीदार थे। तब सैमुअल उसके एक भागीदार थे। 6 साल का प्रतिबंध किसी भी नियम तोड़ने का इरादा रखने वाले व्यक्ति के लिए हतोत्साहित करने वाले एक मजबूत कदम वाले एक मजबूत कदम के रूप में काम करेगा।

सैमुअल्स का प्रतिबंध 11 नवंबर, 2023 से प्रभावी होगा। इस साल अगस्त में अपराधों के लिए दोषी पाए जाने से पहले सितंबर 2021 में आईसीसी द्वारा उ पर शुरुआती आरोप लगाए गए थे। 2012 और 2016 टी20 वर्ल्ड कप फाइनल में वेस्टइंडीज के टॉप स्कोरर रहे सैमुअल्स ने अपना आखिरी इंटरनेशनल मैच 2018 में खेला था। उन्होंने क्रिकेट के सभी फॉर्मेट में 11 हजार से ज्यादा रन बनाए और 2020 में संन्यास लिया था।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 5.43 अंक गिरा निफ्टी 10 अंक फिसला

नईदिल्ली। भारतीय शेयर बाजार में पिछले दो दिन से जारी तेजी पर गुरुवार को ब्रेक लग गयी। उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में शेयर बाजार अंतिम क्षणों में गिरावट लेकर बंद हुआ। सेंसेक्स जहां 5.43 अंक गिरकर 66,017 पर बंद हुआ, वहीं निफ्टी 10 अंक की गिरावट लेकर 19,802 पर आ गया। बता दें कि किसी भी तरह की गतिविधियों के अभाव के बीच गुरुवार को बाजार में बहुत ज्यादा उतार-चढाव देख गया और इक्विटी बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी लगभग सपाट बंद हुए। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 5.43 अंक या 0.01 प्रतिशत गिरकर 66,017.81 पर बंद हुआ। दिन के दौरान, यह 66,235.24 के उच्चतम और 65,980.50 के निचले स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह निफ्टी-50 भी 9.85 अंक या 0.05 प्रतिशत की मामूली गिरावट लेकर 19,802 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी की 50 कंपनियों में से 25 के शेयर हरे जबकि शेष 25 के शेयर लाल निशान में बंद हुए।

अदाणी समूह के नेट प्रॉफिट में 107 फीसदी का उछाल

नईदिल्ली। अदाणी समूह की नौ लिस्टेड कंपनियों का शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2023-24 की पहली छमाही में पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 10.7 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 23,929 करोड़ रुपये रहा। 'बिजनेस स्टैंडर्ड' द्वारा जुटाए गए आंकड़ों से पता चलता है कि वित्त वर्ष 2024 की पहली छमाही में कंपनियों की शुद्ध बिक्री 14 प्रतिशत घटकर 1.49 ट्रिलियन रुपये रह गई। इसी अवधि में सेंसेक्स पर लिस्टेड अन्य कंपनियों की शुद्ध बिक्री 8.1 प्रतिशत बढ़ी और उनका शुद्ध लाभ 13.3 प्रतिशत बढ़ा। बता दें, जनवरी में आई हिंडनबर्ग रिसर्च द्वारा अदाणी समूह पर लगाए गए गंभीर आरोपों के बाद यह अदाणी समूह का पहला छह महीने का रिपोर्ट कार्ड है। हालांकि समूह ने इन सभी आरोपों से इनकार किया है।

जल्द ही बाजार में मिलेगी कोका-कोला की ऑर्गेनिक टी

नईदिल्ली। बेवरेज कंपनी कोका-कोला इंडिया ने रेडी-टू-ड्रिंक टी बेवरेज सेगमेंट में भी एंट्री कर ली है। कंपनी ने ऑनेस्ट टी के नाम से प्रॉडक्ट को लॉन्च कर लिया है। इसके लिए कंपनी ने रेडी-टू-ड्रिंक आइस्ड ग्रीन टी के लिए लक्ष्मी ग्रुप के प्रतिष्ठित दार्जिलिंग चाय एस्टेट, मकाईबारी के साथ पार्टनरशिप की है। कंपनी के अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी है। ब्रांड 'ऑनेस्ट टी' का स्वामित्व कोका-कोला कंपनी की सब्सिडियरी कंपनी हानेस्ट के पास है। बता दें कि यह दो फ्लेवर में मिलेगा-नींबू-तुलसी और आम। ये एक तरह की ऑर्गेनिक टी होगी। बोतलबंद आइस्ड ग्रीन टी को औपचारिक रूप से 22 नवंबर को बंगाल ग्लोबल बिजनेस समिट 2023 के दूसरे और समापन पर लॉन्च किया गया था। कंपनी के अधिकारियों के हवाले से कहा गया है कि उत्पाद के लिए ऑर्गेनिक ग्रीन टी कोलकाता स्थित लक्ष्मी टी कंपनी प्राइवेट लिमिटेड के मकाईबारी टी एस्टेट से ली जाएगी।

'डीपफेक' को लेकर सरकार सख्त, जल्द लाएगी नियम

नईदिल्ली। केंद्रीय संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने 'डीपफेक' को लोकतंत्र के लिए नया खतरा करार देते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि सरकार इससे निपटने के लिए जल्द ही नए नियम लाएगी। मंत्री ने 'डीपफेक' के मुद्दे पर सोशल मीडिया मंचों के प्रतिनिधियों से बृहस्पतिवार को मुलाकात की। उन्होंने कहा कि कंपनियां 'डीपफेक' का पता लगाने, इससे निपटने, इसकी सूचना देने के तंत्र को मजबूत करने और उपयोगकर्ताओं में जागरूकता बढ़ाने जैसी स्पष्ट कार्रवाइयां करने पर सहमत हुईं। वैष्णव ने पत्रकारों से कहा, '' हम आज ही विनियमन का मसौदा तैयार करना शुरू कर देंगे और कुछ ही समय में हमारे पास 'डीपफेक' से निपटने के लिए नए नियम होंगे। यह मौजूदा ढांचे में संशोधन या नए नियम या नया कानून लाने के रूप में हो सकता है।''

थोक और खुदरा मुद्रास्फीति में गिरावट अर्थव्यवस्था के लिए बड़ी राहत

जयंतीलाल भंडारी

निश्चित रूप से दीपावली से जिस तरह देश के कोने-कोने में लगातार मांग में वृद्धि से बाजार में रौनक है, उसके आगे भी बने रहने की अनुकूलताएं दिखाई दे रही हैं। हाल ही में कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने कहा कि देश भर में त्योहारों के दौरान खुदरा और स्थानीय बाजारों में अच्छी रौनक रही और 3.75 लाख करोड़ रुपये का रिकॉर्ड कारोबार हुआ है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकनॉमी (सीएमआईआई) की ताजा रिपोर्ट में सामने आया है कि अधिकांश कच्चे माल की लागत घट गई है। देश में रोजमर्रा के उपयोग के सामान (एफएमसीजी) की मांग में भी वृद्धि हो रही है। कच्चे माल की लागत कम होने से स्थानीय ब्रांडों के लिए कम कीमतों में एफएमसीजी उत्पाद तैयार कर बेचना आसान हो गया है।

बीते अक्तूबर में ई-वे बिल का आंकड़ा 10.3 करोड़ के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। कोई भी सामान राज्य के भीतर और बाहर भेजने के लिए कारोबारी ऑनलाइन ई-वे बिल निकालते हैं। इनकी संख्या में वृद्धि अर्थव्यवस्था में मांग और आपूर्ति बढ़ने के रुझान का प्रारंभिक संकेत हैं। गौरतलब है कि बाजारों में तेज सुधार से चालू वित्त वर्ष में सरकार की कुल कर प्राप्तियां बजट अनुमान से काफी अधिक रहने की संभावना है। उम्मीद है कि प्रत्यक्ष कर और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह में त्योहारी सीजन में आई तेजी आगामी महीनों में भी बनी रहेगी।

वस्तुत: इस समय देश में बढ़ती मांग के तीन प्रमुख आधार हैं। महंगाई में नर्मी, बेरोजगारी के आंकड़े में गिरावट और सरकारी योजनाओं से लोगों के पास अधिक धन का प्रवाह। इन कारणों से लोग अधिक खर्च करने

के लिए प्रेरित हुए हैं। निस्संदेह थोक एवं खुदरा महंगाई के सूचकांक राहत का परिदृश्य प्रस्तुत करते हैं। जहां इन दिनों वैश्विक खाद्यान्न संकट से वैश्विक महंगाई बढ़ी हुई है और दुनिया के बाजार पस्त दिखाई दे रहे हैं, वहीं इन प्रतिकूलताओं के बावजूद भारत के बाजारों में रौनक है। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित महंगाई बीते अक्तूबर में शून्य से 0.52 फीसदी नीचे रही। इस साल अप्रैल से यह लगातार सातवां महीना है, जब थोक मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई शून्य से नीचे बनी हुई है। इसका शून्य से नीचे रहने का अर्थ कुल थोक कीमतों में सालाना आधार पर गिरावट है। इसी तरह उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित खुदरा मुद्रास्फीति बीते अक्तूबर में घटकर 4.87 फीसदी पर आ गई। देश में ग्रामीण और शहरी, दोनों क्षेत्रों में रोजगार बढ़ने से बाजार में सुधार को गति मिली है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया द्वारा प्रकाशित ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, इस वर्ष ग्रामीण व शहरी, दोनों ही जगहों पर बेरोजगारी दर में कमी आई है और रोजगार की अच्छी स्थिति दिख रही है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के अनुसार, देश में पिछले छह वर्षों में बेरोजगारी दर छह फीसदी से घटकर 3.2 फीसदी पर आ गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी दर घटाने में मनरेगा की अहम भूमिका है, तो शहरों में बेरोजगारी दर घटाने में कौशल विकास, डिजिटल स्किल्स तथा गिग अर्थव्यवस्था की अहम भूमिका रही है। वैश्विक एजेंसियां भी भारत के बाजारों के बढ़ने के अनुमान जता रही हैं। रेटिंग एजेंसी मूडीज की ग्लोबल मैक्रो आउटलुक, 2024 की रिपोर्ट में कहा गया है कि बांग्लादेश, पाकिस्तान और श्रीलंका की तुलना में भारत में कम प्रतिबंधात्मक व्यापार नीतियां, बेहतर बुनियादी ढांचे और मजबूत घरेलू मांग से भारत के बाजार और उद्योग आगे बढ़ रहे हैं, और भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में, वर्ष 2023-24 और 2024-25 के लिए देश की विकास दर क्रमश: 6.7 और 6.1 फीसदी रहने की संभावना है। आगामी समय में देश के बाजारों में तेजी बनाए रखने के लिए हमें खाद्यान्नों की महंगाई पर नियंत्रण रखना होगा। चूंकि खरीफ फसल के कमजोर रहने और रबी की बुआई प्रभावित होने से आगे महंगाई बढ़ने का जोखिम है। ऐसे में, स्थिर रुपये, प्रबंधन योग्य ऊर्जा लागत और ईंधन की कीमतों पर कर नीति से महंगाई को स्थिर सीमा में रखने में मदद मिल सकती है।

भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में छग की संस्कृति ने किया मंत्रमुग्ध

रायपुर। भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला-2023 में प्रगति मैदान में यह शाम छत्तीसगढ़ की समृद्ध कला और संस्कृति से भरी शाम थी। छत्तीसगढ़ दिवस समारोह के अवसर पर राज्य के विभिन्न जिलों से आए कलाकारों ने यहां एम्फीथिएटर में अपनी प्रस्तुतियों से सैकड़ों दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। समारोह में छत्तीसगढ़ रेजिडेंट कमिश्नर श्रुति सिंह मुख्य अतिथि थीं और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

मुख्य अतिथि ने छत्तीसगढ़ मंडप का दौरा किया और शिल्पकारों और कारीगरों से बातचीत की। छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव के कारण लगे आचार संहिता के चलते कोई भी राजनेता समारोह में शामिल नहीं हो पाए। छत्तीसगढ़ पैवेलियन नई दिल्ली के प्रगति मैदान में भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले (आईआईटीएफ) के 42वें संस्करण में हथकरघा और हस्तशिल्प सहित अपने उत्पादों का प्रदर्शन कर रहा है।

इस वर्ष की थीम वसुधैव कुटुंबकम को दर्शाते हुए 300 वर्ग फुट के क्षेत्र में प्रदर्शन के लिए कुल 10 स्टॉल लगाए गए हैं। मंडप राज्य की प्रगति को प्रदर्शित कर रहा है। यहाँ प्रत्येक क्षेत्र की विशेषता के अनुसार उनके औद्योगिक, कृषि, हर्बल और हस्तशिल्प उत्पादों को प्रदर्शित किया गया है। इस वर्ष छत्तीसगढ़ पवेलियन का आयोजन प्रगति मैदान के हॉल नंबर 2, प्रथम तल पर किया गया है। आज प्रगति मैदान के एम्फीथिएटर में सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई, जिसके बाद सांस्कृतिक दलों ने नृत्य प्रस्तुतियां दीं।

दर्शकों ने बस्तर की कुल देवी की आराधना हेतु नृत्य आमचो

बस्तर की प्रस्तुति को तालियों की गड़गड़ाहट के साथ सराहा। ददरिया गीत भी प्रस्तुत किया गया। भोजली नृत्य की भावपूर्ण प्रस्तुति ने पूरे दर्शकों पर जादू कर दिया। समूह द्वारा हरेली त्यौहार के अवसर पर विशेष रूप से किये जाने वाले गौर नृत्य एवं गेड़ी नृत्य का प्रदर्शन किया गया। महिला कलाकारों के समूह ने विशेष रूप से दिवाली उत्सव के दौरान किया जाने वाला लोक नृत्य सुआ नाचा या तोता नृत्य दिखाया। यह पूजा से संबंधित नृत्य का एक प्रतीकात्मक रूप है। नर्तक एक तोते को बांस के बर्तन में रखते हैं और उसके चारों ओर एक घेरा बनाते हैं। फिर कलाकार ताली बजाते हुए उसके चारों ओर घूमते हुए गाते और नृत्य करते हैं। यह छत्तीसगढ़ की आदिवासी महिलाओं के प्रमुख नृत्य रूपों में से एक है।

पुरुष कलाकारों के समूह ने सतनामी समाज के सबसे लोकप्रिय अनुष्ठानों में से एक लोक नृत्य पंथी नृत्य दिखाया। समूह के नेता के नेतृत्व में एक गीत की संगत में धीमी गति के साथ नृत्य शुरू हुआ। धीरे-धीरे गति बढ़ती गई और एक मनमोहक वातावरण बन गया। जिसे वहाँ उपस्थित दर्शकों ने खूब सराहा।

सुबह सात बजे स्टॉग रूम खोले जाएंगे, प्रक्रिया की होगी वीडियोग्राफीः डॉ भुरे

रायपुर। कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर भुरे ने आज मतगणना की तैयारियों के परिपेक्ष्य में कलेक्टर सभाकक्ष में बैठक ली। उन्होंने कहा कि 03 दिसंबर को सेजबहार इंजीनियरिंग कॉलेज में मतगणना होनी है। इस दिन सुबह सात बजे आब्जर्वर, रिटर्निंग ऑफिसर और अभ्यर्थी या राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में स्ट्रॉग रूम खोले जायेंगे। इसकी सूचना राजनैतिक दलों को पूर्व में अनिवार्य रूप से दे दी जाए। पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी करायी जायेगी। स्ट्रांग रूम से ही ईव्हीएम मशीनों की कंट्रोल यूनिट मतगणना कक्ष तक पहुंचेंगी और आठ बजे से मतों की गणना शुरू होगी। मतगणना स्थल में मोबाईल ले जाना

पूर्णतः वर्जित है। उन्होंने कहा कि नाम निर्देशन के समय अभ्यर्थियों को जारी किये गये पहचान पत्र और प्रारूप 8 में निर्वाचन अभिकर्ता को जारी पहचान पत्र मतगणना कक्ष में उनके प्रवेश के लिए मान्य होंगे। बिना पहचान पत्र के प्रवेश नही मिलेगा। अभ्यर्थी और निर्वाचन अभिकर्ता के अलावा मतगणना एजेंटों को टेबलवार अलग से मतगणना कक्ष में प्रवेश के लिए निर्वाचन कार्यालय द्वारा पृथक पास जारी किये गये हैं। मतगणना एजेंट इन पासों से ही मतगणना कक्ष में प्रवेश पा सकेंगे।

बैठक में बताया गया कि डाकमत पत्रों की गणना पहले प्रारंभ होगी। लगभग आधे घंटे पश्चात रिटर्निंग अधिकारी की घोषणा उपरांत ईवीएम के वोटो की गिनती प्रारंभ होगी जबकि डाक मतपत्रों की गणना जारी रहेगी। मतगणना में प्रत्येक विधानसभा में 14 टेबल ईवीएम के लिए और 2 टेबल पोस्टल बैलेट के लिए लगाएं जाएंगे।

श्रीमंत झा ने एशिया कप पैरा आर्म्रेसलिंग चैम्पियनशिप में जीता ब्रॉन्ज

रायपुर. छत्तीसगढ़ के श्रीमंत झा ने एशिया कप पैरा आर्म्रेसलिंग चैम्पियनशिप में ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम कर लिया है. जिसे उन्होंने, भारत के शहीद जवानों को मेडल समर्पित किया है. उज़्बेकिस्तान में एशिया कप पैरा आर्म्रेसलिंग चैंपियनशिप में पहुंचने से पहले उन्होंने हर वो मेडल जीत लिया था, जो वो जीत सकते थे. पीआईयूएच वर्ग में प्रतिस्पर्धा करते हुए श्रीमंत झा किर्गिस्तान की चोलपोनबाई झारकुलोव को हराकर ब्रॉन्ज मेडल जीता. जिसका आयोजन उज़्बेकिस्तान में हुआ. मेडल अपने नाम करने के बाद श्रीमंत झा ने कहा, पीपुल्स आर्म रेसलिंग फेडरेशन इंडिया की अध्यक्ष प्रीति झंगियानी और महासचिव लक्ष्मण सिंह भंडारी और चेयरमैन सुरेश बेब को धन्यवाद देना चाहता हूं. मेरे कोच और फिटनेस कोच ऋषभ जैन और राजू साहू ने दो महीने पहले छत्तीसगढ़ में जो काम किया, उससे मुझे यह पदक पाने में मदद मिली. अपनी जीत के बाद यह मेरे लिए एक विशेष जीत है, क्योंकि 3 साल अंतराल के बाद यह मेरी पहली विश्वचैंपियन जीत है. आगे श्रीमंत झा ने कहा, युवा खेल पर ध्यान दें. कुछ भी मुश्किल नहीं है. मैं जन्म से दिव्यांग हूं, लेकिन फिर भी अपने देश के लिए पदक जीत रहा हूं.

बिलासपुर-कटनी रूट पर 24 से 4 दिसंबर तक 32 यात्री ट्रेनें रद्द

रायपुर। बिलासपुर और शहडोल रूट पर 24 नवंबर से 4 दिसंबर 32 ट्रेनें रद्द रहेंगी। रेलवे चंदिया रोड स्टेशन में प्री एनआई व एनआई कमीशनिंग के तहत तीसरी लाइन कनेक्टीविटी का कार्य कराने वाला है, इसके चलते इस रूट की 32 यात्री ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है। वहीं अधिकांश ट्रेनों को परिवर्तित मार्ग से चलाया जाएगा। यात्रियों को होने वाली असुविधा के लिए रेलवे ने खेद जताया है। रेलवे सूत्रों ने बताया कि रेलवे बुदनी, मिडघाट, चोका एवं बरखेड़ा रेलवे स्टेशनों को तीसरी लाइन से जोड़ने का कार्य कराएगा। इससे सबसे अधिक दुर्ग-भोपाल अमरकंटक एक्सप्रेस के यात्री परेशान होंगे। क्योंकि इस ट्रेन को केवल इटारसी तक ही चलाने का निर्णय लिया गया है। रेलवे के अनुसार 26 नवम्बर से 08 दिसम्बर तक दुर्ग से चलने वाली 12853 दुर्ग-भोपाल अमरकंटक एक्सप्रेस इटारसी तक ही चलेगी और 27 नवम्बर से 09 दिसम्बर तक भोपाल के स्थान पर यह गाड़ी इटारसी से ही 12854 भोपाल-दुर्ग अमरकंटक एक्सप्रेस बनकर दुर्ग आएगी। इस वजह से सैकड़ों यात्री इटारसी से जैसे-तैसे भोपाल तक सफर करने के लिए मजबूर होंगे।

परिवर्तित मार्ग से चलने वाली गाड़ियां :05 से 09 दिसम्बर तक बिलासपुर से चलने वाली 18234 बिलासपुर-इंदौर नर्मदा एक्सप्रेस परिवर्तन मार्ग न्यू कटनी कटनी मुरवाड़ा भोपाल होकर रवाना होगी। -06 से 09 दिसम्बर तक इंदौर से चलने वाली 18233 इंदौर-बिलासपुर नर्मदा एक्सप्रेस परिवर्तन मार्ग भोपाल- कटनी मुरवाड़ा-न्यू कटनी होकर आएगी।

झारसुगुड़ा-गोंदिया मेमू के समय-सारणी में आंशिक परिवर्तन : रेल यात्रियों की सुविधाओं का हवाला देते हुए 1 दिसंबर से 08862 झारसुगुड़ा-गोंदिया मेमू पैसेंजर स्पेशल की समय सारणी में अंशिक परिवर्तन किया गया है । यह ट्रेन सुबह 7.10 बजे रायपुर आएगी और 7.20 बजे रवाना होगी।

नो रूम, नौतनवा में वेटिंग 100 पार :ट्रेनों में लगातार आवाजाही से यात्रियों को मजबूर होकर वेटिंग में सफर करना पड़ रहा है। हालात ऐसी है कि छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस 25 नवंबर को नो रूम हो गई है। बैतूल तरफसे इस ट्रेन का टिकट बनना दो दिन पहले से बंद हो चुका है। वहीं दुर्ग-नौतनवा एक्सप्रेस बुधवार को 100 से पार वेटिंग के साथ रवाना हुई। जबकि दुर्ग से भोपाल के बीच चलने वाली अमरकंटक एक्सप्रेस ठसाठस चल रही है। ट्रेनों में भारी भीड़ के बीच ही शहडोल रेल लाइन पर ब्लॉक 24 से लगने जा रहा है, लेकिन इससे पहले ही 22 और 23 नवंबर को कई ट्रेनों के पहिए थम रहे हैं। वहीं रद्द ट्रेनों का रिफंड लेने के लिए काउंटर तक दौड़भाग करना पड़ रहा है।

आज और कल ये ट्रेनें कैंसिल :- 22 नवम्बर से 04 दिसम्बर तक गाडी संख्या 18236 बिलासपुर-भोपाल एक्सप्रेस और 23 नवम्बर से 4 दिसम्बर तक गाडी संख्या 18234 बिलासपुर-इंदौर नर्मदा एक्सप्रेस कैंसिल रहेगी। इसी तरह 24 नवम्बर से 06 दिसम्बर तक गाडी संख्या 18235 भोपाल- बिलासपुर एक्सप्रेस, 25 नवम्बर व 02 दिसम्बर को गाडी संख्या 20971 उदयपुर-शालीमार एक्सप्रेस कैंसिल हैं।

ये ट्रेन एक से दो दिन कैंसिल :26 नवम्बर व 03 दिसम्बर को गाडी संख्या 20972 शालीमार-उदयपुर एक्सप्रेस, 29 नवम्बर को गाडी संख्या 20828 सांतरागाछी-जबलपुर एक्सप्रेस, 30 नवम्बर को गाडी संख्या 20827 जबलपुर-सांतरागाछी एक्सप्रेस, 25 नवम्बर व 02 दिसम्बर को गाडी संख्या 22830 शालीमार-भुज एक्सप्रेस, 28 नवम्बर व 05 दिसम्बर को गाडी संख्या 22829 भुज-शालीमार एक्सप्रेस, 26 नवम्बर व 03 दिसम्बर को गाडी संख्या 18213 दुर्ग-अजमेर एक्सप्रेस और 27 नवम्बर व 04 दिसम्बर को गाडी संख्या 18214 अजमेर-दुर्ग एक्सप्रेस, 29 नवम्बर को गाडी संख्या 22169 रानी कमलापति-सांतरागाछी तथा 30 नवम्बर को गाडी संख्या 22170 सांतरागाछी-रानी कमलापति एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

केबल कारोबार में करोड़ो की ठगी का मामला

रायपुर। केबल कारोबार में करोड़ों रुपये की ठगी का मामला सामने आया है. छत्तीसगढ़ के सबसे बड़े केबल फर्म ग्रैंड विजन के पार्टनर आकाश दास ने अपने साथियों के साथ मिल कर करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी की है. ग्रैंड विजन की ओर से थाना बसंतपुर राजनांदगांव में शिकायत दी थी कि फर्म के पार्टनर आकाश दास ने केबल व्यवसाय से प्राप्त राशि को षड्यंत्र पूर्वक आपराधिक न्याय भंग करते हुए गबन किया है. मामले की जांच करने के बाद थाना बसंतपुर में तीनो आरोपियों के खिलाफ धारा 120 बी और 409 के तहत मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है. जानकारी के मुताबिक आरोपी आकाश दास मुख्य रूप से राजनांदगांव का निवासी है. इसी वजह से उनके द्वारा केबल का संचालन राजनादगांव में किया जाता था. पिछले कुछ समय से फर्म के हिसाब किताब में काफी गड़बड़िया सामने आ रही थी. जिसके चलते जब इस बारे में आकाश दास से जानकारी मांगी गई तो वह हिसाब देने में टाल मटोल करते रहे. इसके बाद फर्म के हिसाब मिलान करने पर हिसाब किताब में भारी गड़बड़ी पाई गई.

आरोपी आकाश दास ने अपने साथियों के साथ मिल कर बिना किसी प्रयोजन या सहमति के बगैर अवैध रूप से ग्रैंड विजन के राशि को राजीव पंजियारा और नंदू भूतरा नामक व्यक्ति के खाते में अंतरित कर दिया गया. जबकि दोनो आरोपियों का ग्रैंड विजन से कोई नाता नहीं था. इस तरह सभी आरोपियों ने मिल कर ग्रैंड विजन के ग्राहकों से प्राप्त राशि को फर्म में जमा न कर उपरोक्त राशि का गबन कर फरार हो गए है.

बता दें कि केबल कारोबारी आकाश दास, राजीव पंजियारा और नंदू भूतरा ने केबल फर्म ग्रैंड विजन से ग्राहकों द्वारा दिए गए करोड़ों रुपयों का गबन कर फरार हो गए हैं. इस मामले में थाना बसंतपुर ने तीनो के खिलाफ धारा 120 बी व 409 के तहत धोखाधड़ी समेत फर्जी दस्तावेज बनाने का अपराध दर्ज कर आरोपियों की तलाश कर रही है.

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

भाजपा वाले कुछ भी कर सकते हैं - भूपेश बघेल

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मतदान के बाद भी भाजपा और कांग्रेस के बीच तीखी जंग देखने को मिल रही है। एक तरफ जहां चुनाव प्रचार के दौरान पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल पर हुए हमले से पूरे छत्तीसगढ़ में माहौल गरमाया तो अब कांग्रेस विधायकों को डराया-धमकाया जा सकता है, वाले सवाल पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का बयान सामने आया है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि भाजपा वाले कुछ भी कर सकते हैं। जितना नीचे तक सोचेंगे, वहीं से इनकी सोच शुरू होगी। इनके नीचे जाने के स्तर की कोई सीमा नहीं है। भाजपा की सरकार बनते ही झीरम की जांच होगी, वाले बयान पर मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि जब भाजपा की सरकार थी, तब जांच से किसने रोका? धरमलाल कौशिक को कोर्ट किसने भेजा? जांच में अडंगा डालने का काम किसने किया? इन्हें कोई बात कहने में शर्म भी नहीं आती। विदित है कि छत्तीसगढ़ में दोनों चरणों के मतदान सम्पन्न हो गए हैं। अब 3 दिसंबर को मतों की गिनती की जाएगी। इस दिन का इंतजार प्रत्याशियों के साथ-साथ प्रदेश की जनता को भी बेसब्री से है। आज मुख्यमंत्री भूपेश बघेल राजस्थान में अंतिम चुनाव प्रचार के दिन चुनावी रैली और सभा करने के लिए उदयपुर और नाथद्वार दौरे पर रहे। राजस्थान में 25 नवंबर को मतदान होना है। इसके लिए छत्तीसगढ़ के नेता राजस्थान में जीत के लिए ताकत झोंकते हुए नजर आये।

छह और नक्सलियों के खिलाफ एनआईए ने दाखिल किया आरोप पत्र

रायपुर। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बुधवार को बीजापुर में वर्ष 2021 में हुए नक्सल हमला मामले में छह और नक्सलियों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया है। इनमें मनोज पोडियामी उर्फ मासा, मुला देवेंदर रेड्डी उर्फ मासा दादा, विज्जा हेमला, केशा सोदी उर्फ मल्ला, मल्लेश उर्फ मल्लेश कुंजाम और सोनू उर्फ डोडी सोनू शामिल हैं। इस हमले में 22 सुरक्षाकर्मी शहीद हुए थे। एनआईए ने कहा कि मामले में अब तक कुल 46 आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया गया है। इससे पहले एनआईए ने पांच जून 2021 को मामला दर्ज किया था और दिसंबर 2022 में 23 आरोपियों के खिलाफ अपनी मूल चार्जशीट दायर की थी। इसके बाद जुलाई 2023 में 17 और लोगों के खिलाफ एक पूरक चार्जशीट दायर की थी। उल्लेखनीय हैं कि नक्सलियों ने 2021 में बीजापुर में स्वचालित हथियारों और बैरल ग्रेनेड लांचर (बीजीएल) के साथ हमला किया था। यह हमला उस समय हुआ था जब डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड (डीआरजी), कोबरा बटालियन और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की संयुक्त टीमें तर्रेम के टेकलगुडियाम गांव के पास नक्सलियों के खिलाफ तलाशी अभियान चला रही थीं। हमले के दौरान नक्सलियों ने जवानों के हथियार भी लूट लिए थे। साथ ही कोबरा बटालियन के एक जवान का अपहरण कर लिया था, जिसे बाद में रिहा कर दिया था। केंद्रीय जांच एजेंसी ने कहा कि हमले में शामिल अन्य लोगों को पकडने के लिए जांच चल रही है।

फैक्ट्री प्रबंधक सहित दो के खिलाफजुर्म दर्ज

रायपुर। फैक्ट्री में काम करने के दौरान घायल युवक की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई थी। जिसमें धरसींवा पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच में लिया था। जांच के दौरान पुलिस ने फैक्ट्री प्रबंधक एवं शिफ्ट इंचार्ज के खिलाफअपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार मृतक कुमार पोर्ते 53 वर्ष इतवारी बाजार बीरगांव का रहने वाला था। वह सिलतरा के सोंडरा स्थित मारूति फेरस प्राइवेट लिमिटेड में काम करता था। काम करने के दौरान मशीन में दबने से गंभीर रूप से घायल हो गया था। जिससे उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया था। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मामले में धरसींवा पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच में लिया था। जांच के दौरान पुलिस ने फैक्ट्री प्रबंधक अरूण कुमार एवं शिफ्ट इंचार्ज राजू सिंह के खिलाफ धारा 287, 304 ए के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

अज्ञात व्यक्ति ने आग लगाकर फैलाई आतंक, जुर्म दर्ज- वार्ड नंबर 20 तिल्दा बस्ती में अज्ञात व्यक्ति ने आतंक मचाते हुए दो लोगों के बाइक को आग के हवाले कर दिया। साथ ही एक किराना दुकान में भी आग लगा दिया। प्रार्थी की शिकायत पर नेवरा पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफअपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी सतीश धृतलहरे 31 वर्ष वार्ड नंबर 20 तिल्दा का रहने वाला है। बताया जाता है कि वह अपनी बाइक क्रमांक सीजी 28 ई 4701 को घर के बाहर खड़ी किया था, तभी अज्ञात व्यक्ति ने उसे आग के हवाले कर दिया।

जैन क्रिकेट चैंपियनशिप 27 से,उद्घाटन में शामिल होंगी अभिनेत्री अमीषा पटेल

रायपुर। सामाजिक परिवेश में जैन क्रिकेट चैंपियनशिप (जेसीसी)का आयोजन स्थानीय नेताजी सुभाष स्टेडियम में 27 नवंबर से 3 दिसंबर तक किया गया है। छत्तीसगढ़ के प्रमुख शहरों से कुल 10 टीमें इसमें हिस्सा लेंगी। जैन समाज के लोग ही टूर्नामेंट में खेलेंगे। शाम 5 बजे से रात्रि 12 बजे तक मैच होंगे और रोजाना 5 मैच खेले जायेंगे। उद्घाटन समारोह में बॉलीवुड अभिनेत्री अमीषा पटेल शामिल होंगी।

आयोजन समिति की ओर से जानकारी देते हुए सौरभ बाफना ने बताया कि नेताजी सुभाष स्टेडियम में 27 नवंबर से रोज 5 मैच होंगे,10-10 ओवर का मैच होगा,कुल 10 टीमें हिस्सा ले रही हैं। ड्रेस कोड से लेकर क्रिकेट के सारे नियमावली रहेंगे। उद्घाटन समारोह में बॉलीवुड अभिनेत्री अमीषा पटेल शामिल होंगी। 3 दिसंबर को चैंपियनशिप का समापन होगा।

विजेता टीम को 3 लाख और उप विजेता टीम को 2 लाख रूपये का पुरस्कार प्रदान किया जायेगा। आयोजन के बाद जो सहयोग राशि बचेगी उसे दिव्यांग स्कूल के बच्चों की पढ़ाई व वृध्दाश्रम मे बुजुर्गो की सेवा जैसे कार्यो के लिए प्रदान किया जायेगा। नेताजी सुभाष स्टेडियम को टूर्नामेंट के लिए तैयार किया जा रहा है। टूर्नामेंट का प्रसारण ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर किया जाएगा।

हवा की दिशा में बदलाव आते ही पड़ेगी कड़ाके की ठंड

रायपुर। छत्तीसगढ़ में जल्द ही हवा की दिशा बदलने लगेगा। उत्तर से आने वाली सर्द हवाओं से जहां पारा गिरेगा तो वहीं जोरदार ठंड की शुरूआत होगी।

प्रदेश में उत्तर की ओर से आने वाली हवाओं की वजह से नमी कम होगी। हालांकि इसके असर से अधिकतम तापमान पर विशेष प्रभाव नहीं पड़ेगा। तापमान में गिरावट आने से ग्रामीण समेत कई इलाकों में ठिठुरन बढ़ जाएगी। वहीं छत्तीसगढ़ के जिले अंबिकापुर में तापमान सबसे कम रहा। यहां न्यूनतम तापमान 13.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। तो वहीं रायपुर का अधिकतम तापमान 31.8 डिग्री और न्यूनतम तापमान 19.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया है। कई शहरों में न्यूनतम तापमान में कमी आने वाली है, जिससे ठिठुरन और बढ़ जाएगी। अब आने वाले तीन दिनों में उत्तर से आने वाली हवा से ठंड बढ़ जाएगी। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि बीते साल की तुलना में इस साल ज्यादा सर्दी पड़ने वाली है। इस साल दिसंबर के पहले सप्ताह में ज्यादा ठंड पड़ने वाली है।

कंतकाबी के लेखन और कविता में स्वतंत्रता संग्राम की झलक मुक्ति संग्राम की सुबहःराज्यपाल हरिचंदन

रायपुर. राज्यपाल श्री विश्वभूषण हरिचंदन अपने ओड़िशा प्रवास के दौरान गत दिवस कटक में फतुरानंद स्मृति समारोह और कंतकाबी पुरस्कार समारोह में शामिल हुए। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री हरिचंदन ने अपने उद्बोधन में कंतकाबी की बहुमुखी प्रतिभा पर प्रकाश डाला और कहा कि उनकी कविताओं और उनके सभी लेखों में स्वतंत्रता संग्राम की झलक है। उनके लेखन ने आम लोगों में ब्रिटिश के विरुद्ध क्रांति की भावना प्रज्वलित कर दी। श्री हरिचंदन ने कहा कि श्री कंतकाबी के लेखन और कविता ने आम लोगों के मन में अंग्रेजों के खिलाफ लड़ने के लिए एक हथियार के रूप में काम किया। ओडिशा के राज्य संगीत के रूप में उनके द्वारा रचित संगीत ''बनंदा उत्काला जननी'' ने हर ओडिशा वासी के दिल को आंदोलित किया है। महात्मा गांधी के आदर्शों से प्रेरित होकर कंतकाबी ने स्कूल छोड़ दिया और स्वतंत्रता संग्राम में शामिल हो गये और जेल गये। स्वतंत्रता संग्राम में

वे अकेले नहीं थे, बल्कि उनका पूरा परिवार भी शामिल था। उनकी रचनाओं में क्रांति के अलावा व्यंग्य, हास्य, करुणा और गंभीरता का समावेश है। उन्होंने साहित्य के हर पहलू में कहानियाँ, कविताएँ, उपन्यास, नाटक आदि की रचना करके रूढ़िवादी साहित्य को समृद्ध किया। राज्यपाल ने कहा कि कंतकाबी का जीवन हमेशा देश की मुक्ति और आम लोगों की भलाई के लिए समर्पित था। हास्य विकास केंद्र कटक, फतुरानंद के स्मृति समारोह के अवसर पर राज्यपाल श्री हरिचंदन ने ओडिशा के प्रसिद्ध हास्य लेखक फतुरानंद को याद किया। फतुरानंद की रचनाएँ व्यंग्य और हास्य से भरपूर थीं। ऐसी रचनाएँ समाज को सुधारने के साथ-साथ समाज को स्वस्थ रखने में भी सहायक होती हैं। इस अवसर पर राज्यपाल ने लेखक विजयानंद सिंह की पुस्तक ''अतीत और अस्मिता'' का विमोचन किया । कार्यक्रम में राज्यपाल के साथ विशिष्ट अतिथि के रूप में बिपिन बिहारी मिश्र शामिल हुए। राज्यपाल ने उन्हें कंटकबी पुरस्कार से नवाजा। कार्यक्रम में श्री गौहरि दास मुख्य वक्ता थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता बैरिस्टर अधिवक्ता श्री गिरिजानंद नायक ने की, जबकि स्वागत भाषण लेखक विजयानंद सिंह ने दिया। इस अवसर पर उड़ीसा के कवि, लेखक, साहित्यकार, नाटककार एवं प्रबुद्ध जन बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

वीडियो कान्फ्रेसिंग के जरिए दिये निर्देश

आगामी नेशनल लोक अदालत में अधिक से अधिक प्रकरणों का निराकरण किया जावेः जस्टिस भादुड़ी

बिलासपुर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) नई दिल्ली द्वारा जारी गाईड लाईन के अनुसार सिविल, क्रिमीनल, लैण्ड इक्वीजिशन, सीनियर सीटिजन, फैमिली कोर्ट के लंबित राजीनामा योग्य प्रकरणों तथा स्थायी लोक अदालत में लंबितं आमजन के रोजमर्रा से जुड़े हुए मामले, प्री-लिटिगेशन के मामलों इत्यादि राजीनामा योग्य प्रकरणों को आगामी नेशनल लोक अदालत में अधिक से अधिक संख्या में निराकृत किये जावे, ताकि आमजन को इसका अधिक से अधिक लाभ प्राप्त हो सके, उक्त निर्देश छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के कार्यपालक अध्यक्ष माननीय न्यायमूर्ति श्री गौतम भादुड़ी के द्वारा समस्त जिलों के जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष, सचिव, परिवार न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश /न्यायाधीश, स्थायी लोक अदालत के चेयरमेन, सी.जे.एम. एवं लेबर कोर्ट जज के साथ छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय से विडियो कान्फ्रेसिंग के जरिये आयोजित बैठक में दिये गये। उनके द्वारा पिछली नेशनल लोक अदालत दिनांक 9-9-2023 में जिला न्यायालयों के द्वारा निराकृत किये गये 42082 लंबित मामलों की संख्या का जिक्र करते हुए उसमें और अधिक बढ़ोत्तरी किये जाने हेतु निर्देशित करते हुए प्री-लिटिगेशन के द्वारा मामलों को अधिक से अधिक सख्या में निराकृत करने हेतु जोर देते हुए कहा कि इससे न्यायालयों में मामलों को आने से बचाया जा सकता है।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.